THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 31 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **वैशाख अमावस्या 2080 गुरुवार, 20 अप्रैल 2023**

प्रधान संपादक – **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

भारत नंबर-1

जनसंख्या 142 करोड़ के पार, चीन के मुकाबले हमारी पॉपुलेशन 30 लाख ज्यादा

न्यूयॉर्क,19 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत दुनिया में अब सबसे ज्यादा आबादी वाला देश बन गया है। यूनाइटेड नेशंस पॉपुलेशन फंड (यूएनएफपीए) की रिपोर्ट में सामने आया है कि भारत में अब चीन के मुकाबले करीब 30 लाख ज्यादा लोग हैं। आंकड़ों के मुताबिक, भारत की जनसंख्या 142 करोड़ 86 लाख है। वहीं चीन की जनसंख्या 142 करोड़ 57 लाख ही है। साल की शुरूआत में ही ग्लोबल एक्सपर्ट्स ने अनुमान लगाया था कि 2023 में भारत सबसे जनसंख्या वाला देश बन

जाएगा। यूएनएफपीए के आंकड़ों ने इस पर मुहर भी लगा दी है। यूएन की रिपोर्ट के अनुसार एक साल में भारत की जनसंख्या 1.56 फीसदी बढ़ी है।

1950 के बाद पहली बार भारत की जनसंख्या चीन से ज्यादा

रिपोर्ट में नए आंकड़े 'डेमोग्राफिक इंडिकेटर्स' की कैटेगरी में दिए गए हैं। यूएन 1950 से दुनिया में आबादी से जुड़ा डेटा जारी कर रहा है।

तब से ये पहला मौका है जब भारत ने जनसंख्या के मामले में चीन को पीछे छोड़ा है। पिछले साल जारी एक रिपोर्ट में सामने आया था कि पिछले 6 दशकों में पहली बार चीन की जनसंख्या में गिरावट दर्ज की गई है। >14

भाजयुमो कार्यकर्ता की चाकू मारकर हत्या

बैंगलुरू,19 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक के धारवाड़ में भाजपा युवा मोर्चा के एक कार्यकर्ता की चाकू मारकर हत्या कर दी गई है। पुलिस ने बताया कि मंदिर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कुछ लोगों ने भाजयुमो के कार्यकर्ता की हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक जिस कार्यकर्ता की हत्या हुई उनका नाम प्रवीण कुमार है। बता दें, प्रवीण भारतीय जनता युवा मोर्चा के धारवाड़ इकाई के सदस्य और ग्राम पंचायत उपाध्यक्ष थे।

पुलिस अधीक्षक बी लोकेश ने बताया कि घटना जिले के कोट्टूर गांव में उदाचम्मा देवी मंदिर उत्सव के दौरान हुई। कुछ लोग नशे की हालत में पहुंचे थे और हंगामा करना शुरू कर दिया। जब प्रवीण ने उनसे पूछताछ की तो समूह ने झड़प शुरू कर दी।

बाद में नशे की हालत में आए लोगों ने चाकू मारकर उनकी हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है। साथ ही तीन लोगों को हिरासत में लिया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। मामले के सभी पहलुओं की जांच की जाएगी और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

24 अप्रैल को पीएम दिखाएंगे मेडिकल एक्सप्रेस को हरी झंडी

नई दिल्ली,19 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे बीमार लोगों के लिए नई ट्रेन शुरू करने जा रहा है। ये विशेष ट्रेन मध्यप्रदेश के रीवा से शुरू होकर महाराष्ट्र के नागपुर के बीच चलाई जाएगी। रीवा इतवारी नाम से शुरू होने वाली इस ट्रेन को 24 अप्रैल को पीएम मोदी हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इस ट्रेन को सप्ताह में चार दिन चलाया जाएगा। क्योंकि इससे पूर्व एक ट्रेन सप्ताह में तीन दिन ही चल रही थी। ऐसे में रीवा से नागपुर के लिए ट्रेने सातों दिन उपलब्ध होगी। इससे बीमार लोगों को इलाज के लिए नागपुर जाने में दिक्कत नहीं होगी। इस ट्रेन का मुख्य उद्देश्य बीमार लोगों को सुविधाजनक यात्रा कराना है। ट्रेन में सामान्य यात्री भी सफर कर सकेंगे। रेलवे मंत्रालय से मिली जानकारी के अनुसार, रीवा और इसके आसपास के कुछ जिले और गांवों के लोगों को इलाज के लिए महाराष्ट्र के नागपुर जाना पड़ता है। सीमित ट्रेन होने की वजह से कई बार बीमार लोगों को ट्रेन में टिकट नहीं मिल पाता है। इस वजह से उन्हें जाने के लिए बसों या निजी वाहनों का सहारा लेना पड़ता है। इससे लोगों को परेशानी तो होती ही है, साथ में समय और रुपये दोनों अधिक लगते हैं। बीमार लोगों की यह दिक्कतों को ध्यान में रखते हुए रेलवे मंत्रालय ट्रेन शुरू करने जा करने जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, ये विशेष ट्रेन रीवा, सतना कटनी, जबलपुर होते हुए नागपुर पहुंचेगी। रीवा से नागपुर के बीच की दूरी करीब 780 किमी है। इसका शेड्यूल जल्द ही जारी कर दिया जाएगा।

मुकुल रॉय का टीएमसी से मोहभंग

कोलकाता, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के विधायक मुकुल रॉय ने बुधवार को कहा कि वह हमेशा से भाजपा के साथ थे और अगर वह काम की पेशकश करते हैं तो वह पार्टी के साथ रहेंगे। उन्होंने कहा, टीएम से इस्तीफा देने का सवाल ही नहीं उठता, मैं इसका हिस्सा भी नहीं हूं... मैं पहले ही टीएमसी से इस्तीफा दे चुका हूं।

मुकुल रॉय ने अपने बेटे के बयान को बताया गलत

इससे पहले उन्होंने फिर से भाजपा में जाने की घोषणा की। पत्रकारों से बात करते हुए रॉय ने कहा कि वह दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात करेंगे। उन्होंने अपने बेटे के उस बयान को भी गलत बताया कि उनका पता नहीं चल रहा। रॉय ने कहा, मैं अपनी मर्जी से दिल्ली आया हूं। भाजपा ने यहां मेरे लिए सारी व्यवस्था की है। मुकुल रॉय ने कहा, मैं अब भी भाजपा विधायक हूं और पार्टी के साथ ही रहना चाहता हूं।

मुकुल रॉय का फिर से भाजपा में शामिल होने का फैसला तृणमूल कांग्रेस और ममता बनर्जी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। दरअसल पिछले विधानसभा चुनाव से पहले रॉय बंगाल में भाजपा के बड़े नेताओं में थे और विधायक भी बने थे। लेकिन पार्टी के सत्ता में न आ पाने के बाद वह तृणमूल में शामिल हो गए थे।

बेटे ने कही थी पिता के लापता होने की बात

सोमवार को रॉय के बेटे सुभ्रांशु ने उनके लापता होने बात कही थी। उन्होंने कहा था कि रॉय रात की उड़ान से दिल्ली जाने वाले थे, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल रहा है। उन्होंने अपने पिता की मानसिक हालत ठीक न होने की भी बात कही थी और भाजपा पर आरोप लगाया था कि वह उनके बीमार पिता को लेकर गंदी राजनीति कर रही है। सुभ्रांशु ने दावा किया कि रॉय की पिछले महीने ब्रेन सर्जरी हुई है और वह परिवार के सदस्यों और करीबी लोगों को पहचान पाने भी असमर्थ थे। इस बारे में रॉय ने कहा, मैं पूरी तरह स्वस्थ हूं। अभी तक मैं पूरी तरह से राजनीति नहीं कर सका लेकिन अब मैं शारीरिक रूप से स्वस्थ हूं और राजनीति करूंगा। उन्होंने अपने बेटे को भी परिवार की खातिर भाजपा में शामिल होने के लिए कहा।

हमें ऐसे लोगों की आवश्यकता नहीं : शुभेंदु अधिकारी

वहीं, मुकुल रॉय के भाजपा में शामिल होने की अटकलों के बारे में पूछे जाने पर पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि पार्टी को ऐसे लोगों की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि हमें ऐसे लोगों में कोई दिलचस्पी नहीं है। हम केवल 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' के तहत अपने बूथों को मजबूत करने में रुचि रखते हैं। हमारे सांसद, विधायक और अन्य नेता गैर-भाजपा मतदाताओं को हमारी पार्टी के पक्ष में लाने के लिए काम कर रहे हैं।

केंद्र सरकार-राज्यों की राय भी जरूरी, सीजेआई चंद्रचूड़ बोले-एक्सीलेंट

नई दिल्ली,19 अप्रैल (एजेंसियां)। समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने की मांग वाली अर्जियों पर सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ 19 अप्रैल को दूसरे दिन भी सुनवाई कर रही है। बुधवार को केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक नया हलफनामा दायर किया है और मांग की है कि इस मसले पर राज्य सरकारों की राय भी ली जानी चाहिए, क्योंकि विवाह का मामला संविधान की समवर्ती सूची में आता है।

केंद्र सरकार ने जो नया हलफनामा दायर किया है उसमें कहा है कि विवाह एक ऐसा मसला है, जो विधायिका के दायरे में आता है। ऐसे में यह स्पष्ट है कि किसी भी फैसले से राज्यों के अधिकार प्रभावित होंगे। खासकर इस विषय पर कोई कानून बनाने से राज्यों के अधिकार में हस्तक्षेप होगा। ऐसे में उनकी राय जरूरी है। 19 अप्रैल को दूसरे दिन सुनवाई शुरू होते ही सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सीजेआई चंद्रचूड़ को बताया कि हमने (केंद्र सरकार ने) ऑन रिकॉर्ड एक दस्तावेज दिया है। केंद्र सरकार ने सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के चीफ सेक्रेटरी को इस मामले में पत्र लिखा है और उनकी राय मांगी है। इस पर सीजेआई ने कहा- एक्सीलेंट, तब तो राज्यों को इसकी जानकारी हो गई है। उधर, 18 अप्रैल को डिपार्टमेंट ऑफ लीगल अफेयर्स ने सभी राज्यों के मुख्य सचिव को खत लिखा है और कहा है कि यदि उन्हें नोटिस नहीं भी मिलता है तो भी समलैंगिक विवाह के मसले पर अपनी राय से अवगत कराएं। >14

बीजेपी के स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी

मोदी-योगी समेत 40 नाम; सीएम बोम्मई के नामांकन से पहले किच्चा सुदीप का रोड शो

बेंगलुरु,19 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने बुधवार को 40 स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी कर दी है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत 40 नाम हैं। इस बीच, शिगगांव से नामांकन दाखिल करने के पहले सीएम बोम्मई ने हावेरी में रोड शो किया। जिसमें उनका सपोर्ट करने बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और कन्नड़ एक्टर किच्चा सुदीप शामिल हुए।

कर्नाटक के पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा ने शिकारीपुर में रोड शो किया। येदि इस बार चुनाव नहीं लड़ रहे हैं, बल्कि उनके बेटे बीवाई विजयेंद्र आज शिकारीपुर विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन दाखिल कर रहे हैं। येदि बीजेपी की स्टार प्रचारक लिस्ट में शामिल हैं। >14

नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल को लाया जा रहा है दिल्ली, इलाज के लिए एम्स में होंगे भर्ती

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल को इलाज के लिए एयरलिफ्ट कर भारत लाया जा रहा है। मेडिकल इमरजेंसी के चलते उन्हें एयरलिफ्ट किया जा रहा है। राष्ट्रपति पौडेल को दिल्ली एम्स में भर्ती कराया जाएगा। राष्ट्रपति के मीडिया सलाहकार ने यह जानकारी दी। राष्ट्रपति पौडेल (78) को सांस लेने में तकलीफ की शिकायत के बाद एक महीने के भीतर दूसरी बार मंगलवार को नेपाल के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 'काठमांडू पोस्ट' ने राष्ट्रपति के मीडिया सलाहकार किरन पोखरेल के हवाले से बताया कि पौडेल नई दिल्ली स्थित एम्स में उपचार कराएंगे। पौडेल को एयर एम्बुलेंस के जरिए भारत लाया जा रहा है। मंगलवार को प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल, उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री पूर्ण बहादुर खड़का सहित अन्य नेताओं ने पौडेल का हालचाल जाना था। पिछले हफ्ते राष्ट्रपति पौडेल ने पेट में दर्द की शिकायत की थी। काठमांड पोस्ट ने राष्ट्रपति के एक सलाहकार के हवाले से अपनी खबर में कहा, उनके ऑक्सीजन स्तर में गिरावट के बाद हम उन्हें अस्पताल ले गए। 15 दिनों से एंटीबायोटिक्स लेने के बावजूद उनकी स्थिति में सुधार नहीं हुआ है। यह दूसरा मौका था जब राष्ट्रपति एक महीने के भीतर अस्पताल में भर्ती हुए।

केरल को पीएम मोदी के 'गिफ्ट' से खुश हुए शशि थरूर

बोले- विकास से परे होनी चाहिए राजनीति, प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में जाऊंगा

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने बुधवार को केरल को पहली वंदे भारत एक्सप्रेस की सौगात मिलने पर केंद्र की मोदी सरकार और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की प्रशंसा की और कहा कि 'प्रगति राजनीति से परे होनी चाहिए'। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 अप्रैल को केरल की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को तिरुवनंतपुरम रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाएंगे। रेलवे 22 अप्रैल को तिरुवनंतपुरम-कासरगोड खंड पर इस ट्रेन का ट्रायल रन पूरा करेगा। इस सेमी-हाई स्पीड ट्रेन को शुरू में तिरुवनंतपुरम और कन्नूर के बीच चलाने की योजना थी, लेकिन बाद में इसकी सेवा को कासरगोड तक बढ़ा दिया गया। अपने एक पुराने ट्वीट को याद करते हुए जिसमें उन्होंने केरल के लिए वंदे भारत ट्रेनों का सुझाव दिया था, तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि वह पीएम मोदी द्वारा केरल की पहली वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, 'केरल के लिए वंदे भारत ट्रेनों का सुझाव देते हुए मैंने 14 महीने पहले के यह ट्वीट किया था। मुझे खुशी है कि अश्विनी वैष्णव ने ऐसा ही किया (केरल को वंदे भारत ट्रेन देकर) है। मैं 25 तारीख को तिरुवनंतपुरम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा केरल की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाने वाले कार्यक्रम में शामिल होने लिए उत्सुक हूं। प्रगति राजनीति से परे होनी चाहिए।' रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कहा कि केरल को अभी केवल एक वंदे भारत एक्सप्रेस दी गई है, भविष्य में कई और ट्रेनें राज्य में शुरू की जाएंगी। रेल मंत्री ने कहा कि रेलवे दो चरणों में केरल में पटरियों को अपग्रेड करने जा रहा है, तिरुवनंतपुरम रेलवे स्टेशन का बोझ कम करने के प्रयास जारी हैं। ट्रैक अपग्रेडेशन के पहले चरण के तहत, कासरगोड से तिरुवनंतपुरम तक के पूरे ट्रैक को 110 किमी प्रति घंटे की गति क्षमता में परिवर्तित किया जाएगा। यह 381 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा और डेढ़ साल के भीतर काम पूरा हो जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि ट्रैक अपग्रेडेशन के दूसरे चरण में मोड़ों को सीधा करना और अन्य आवश्यक समायोजन शामिल होंगे। इस काम को पूरा होने में 2 से साढ़े 3 साल लगेंगे और इसके बाद, ट्रैक की गति क्षमता को बढ़ाकर 130 किमी प्रति घंटा किया जाएगा। शशि थरूर ने पिछले साल 1 फरवरी को किए अपने ट्वीट में लिखा था, 'बजट 2022 में केरल के लिए एक दिलचस्प चीज है, 400 नई वंदे भारत ट्रेनों की घोषणा, जो 180 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से यात्रा कर सकती हैं। क्या भारत सरकार और केरल सरकार इसे 'सिल्वर लाइन' के सस्ते और अधिक ऊर्जा-कुशल विकल्प के रूप में देख सकते हैं? केरल में वंदे भारत ट्रेनों को लाने से मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की विकास को बढ़ावा देने के लिए त्वरित ट्रेन यात्रा की चिंता का समाधान हो सकता है और केरल कांग्रेस की भूमि अधिग्रहण और पर्यावरणीय प्रभाव के बारे में चिंताएं भी कम होंगी। भारत सरकार और केरल सरकार को राज्य के हितों को ध्यान में रखते हुए इन मुद्दों पर चर्चा करनी चाहिए, जिसका सफल परिणाम निकले।'

धर्म परिवर्तन कर शादी का दबाव बनाया, लड़की ने की आत्महत्या

इंदौर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। इंदौर में एक बार फिर लव जिहाद का मामला सामने आया है। मामला खुड़ैल थाना क्षेत्र का है। जानकारी लगते ही बजरंग दल कार्यकर्ता खुड़ैल थाने पर पहुंचे और अधिकारियों से केस दर्ज करने की मांग की। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आरोपी असद पुत्र हुसैन ने एक लड़की पर धर्म परिवर्तन कर शादी करने का दबाव बनाया। असद ने उसे इतना परेशान किया कि उसने आत्महत्या कर ली। असद काजी पलासिया क्षेत्र में रहता है। लड़की की मौत के बाद परिजन ने बजरंग दल को सूचना दी। इसके बाद सभी खुड़ैल थाने पर पहुंचे और हत्या का केस दर्ज करने की मांग की है।

अजित पवार और ठाकरे सेना आमने-सामने संजय राउत ने क्यों कहा- मैं किसी के बाप से नहीं डरता

मुंबई, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत ने अपने एक बयान से ये साफ कर दिया कि ठाकरे सेना अजित पवार को लेकर काफी सख्त लहजे में पेश आ रही है। संजय राउत ने अजित पवार पर बड़ा हमला बोला है। संजय राउत ने कहा कि अगर मैंने सच कहा है इसीलिए मुझे कोई टारगेट करता है तो मैं मानता हूं कि मैं सच बोलता रहूंगा। अगर कोई मुझे टारगेट करता है तो भी मैं पीछे हटने वाला नहीं हूं। राउत ने कहा कि मैं किसी के बाप से डरता नहीं हूं। अजित का दावा झूठा, सामना में लिखी हर बात सच संजय राउत ने आगे कहा कि सामना (शिवसेना का मुखपत्र) हमेशा सच लिखता है और बोलता है। जाकर पूछो हसन

मुश्रीफ से कि उन पर दबाव है या नहीं। अनिल देशमुख, जितेंद्र आव्हाड, प्रफुल पटेल से पूछों उनपर दबाव है या नहीं मैं और कितने नाम आपको बताऊं। केंद्रीय जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर विपक्ष के नेताओं को तोड़ने की कोशिश की जा रही है। उस पर अगर हम कुछ कहते हैं तो बीजेपी को गुस्सा होना चाहिए ना की किसी अन्य नेता (अजित पवार) को।

अजित मेरी विश्वसनीयता पर सवाल खड़े नहीं कर सकते

इंडिया टीवी से बातचीत के दौरान संजय राउत ने कहा कि (अजित पवार) वो क्या मेरी विश्वनियता पर सवाल खड़े कर सकते हैं। शरद पवार जरूर कर सकते हैं, मैं उनकी (शरद पवार) ही बात मानूंगा। राउत ने कहा कि महाराष्ट्र में विपक्ष को तोड़ने की कोशिश हो रही है। यह बात सच है या नहीं यह अजित पवार बताएं। क्या शिवसेना को नहीं तोड़ा गया। क्या एनसीपी पर हमले नहीं हो रहे हैं। यह बात शरद पवार खुद बोल रहे हैं। इस तरह का पत्र उन्होंने अमित शाह और मोदी जी को लिखा है। अगर मैं यह सच सामने रखता हूं तो दिक्कत क्या है।

मेरे सच से किसी को चुभन होती है तो मैं क्या करुं

संजय राउत ने कहा, ₹मैं बोलता रहूंगा, लिखता रहूंगा। मैंने सच लिखा है और अगर इस सच से किसी को चुभन होती है तो मैं क्या करूं। महाविकास आघाडी का नेतृत्व सामूहिक नेतृत्व कर रहा है। उद्धव ठाकरे बड़े नेता हैं और शिवसेना के प्रमुख हैं। उनकी पद और प्रतिष्ठा बहुत ऊपर है। (हमारे खुलासे से) बीजेपी बैकफुट पर चली गई है। उनका नकाब हमने उतार दिया है। राउत ने आगे कहा कि विपक्ष को तोड़ने के लिए केंद्रीय जांच एजेंसियों का इस्तेमाल किया जा रहा है और इसका सबसे ज्यादा इस्तेमाल बंगाल, बिहार और महाराष्ट्र में हो रहा है। हम सब इसके खिलाफ मिलकर लड़ेंगे।

पंजाब में जिंबाब्वे की छात्रा से दुष्कर्म, रसोई में वारदात को दिया अंजाम, आरोपी को पुलिस ने पकड़ा

खन्ना (पंजाब), 19 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब के खन्ना में रहने वाली जिंबाब्वे की एक छात्रा से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी छात्र अफ्रीकी देश लाइबेरिया का रहने वाला है। पुलिस ने छात्र को गिरफ्तार कर लिया है। छात्रा मंडी गोबिंदगढ़ स्थित एक विश्वविद्यालय में पढ़ती है और किराये पर रहती है। कुछ दूरी पर अन्य विदेशी छात्र भी रहते हैं। ये छात्र खन्ना के एक कॉलेज में पढ़ते हैं। ये सभी आपस में दोस्त हैं। सोमवार रात पीड़िता कमरे के बाहर बैठी थी तो आरोपी प्रोमिस ने छात्रा को अंदर बुलाया। आरोपी के दूसरे भाई वहां शराब पी रहे थे। आरोपी ने उसे रसोई में खाना बनाने को कहा। जब वह रसोई में खाना बना रही थी तो आरोपी ने उसे शारीरिक संबंध बनाने को कहा।

कोई भी हो धर्म, यदि बेटी अविवाहित तो

उसे पिता से शादी का उचित खर्च प्राप्त करने का अधिकार: केरल हाईकोर्ट

कोच्चि, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। केरल हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए बड़ी टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि प्रत्येक अविवाहित बेटी को अपने पिता से उचित विवाह खर्च प्राप्त करने का अधिकार है। कोर्ट ने यह भी कहा कि ऐसा सभी धर्मों के लिए है। जस्टिस अनिल के नरेंद्रन और जस्टिस पीजी अजित कुमार की खंडपीठ ने यह टिप्पणी की है। न्यायमूर्ति अनिल के नरेंद्रन और न्यायमूर्ति पीजी अजित कुमार की खंडपीठ ने इस सवाल कि क्या एक ईसाई बेटी को अपने पिता की अचल संपत्ति या उससे होने वाले मुनाफे से शादी का खर्च लेने का अधिकार है? पर विचार करते हुए यह टिप्पणी की। कोर्ट ने सभी पक्षों के तर्क सुनने के बाद कहा, 'यह हर अविवाहित बेटी का अधिकार है, भले ही उसका धर्म कुछ भी हो।' कोर्ट ने कहा, 'किसी के धर्म के आधार पर इस तरह के अधिकार का दावा करने से भेदभावपूर्ण बहिष्कृत नहीं किया जा सकता है। अविवाहित बेटी का अपने पिता से शादी का खर्च लेने का अधिकार एक कानूनी अधिकार है।' दरअसल इस मामले में दो बहनों ने याचिका दायर की है। फिलहाल दोनों बहनें अपनी मां के साथ रहती हैं। याचिकाकर्ता बहनों के अनुसार उनके पिता ने उनकी मां के सोने के गहने बेचकर और मां एवं ननिहाल से आर्थिक सहायता लेकर संपत्ति खरीदी। अब वह इस संपत्ति को किसी अन्य व्यक्ति के नाम करना चाहते हैं। मालूम हो कि दोनों बहनों ने पिता को ऐसा करने से रोकने का आदेश जारी करने के लिए कोर्ट में याचिका दायर की है। ताकि जरूरत पड़ने पर इस संपत्ति को कुर्क करके या इसके लाभ से विवाह खर्च वसूला जा सके। दोनों बहनों का तर्क है कि यदि प्रतिवादी संपत्ति को किसी अन्य व्यक्ति के नाम कर देता है तो उनका खर्च प्राप्त करने का अधिकार प्रभावित होगा। वहीं पीठ ने पाया कि संपत्ति हस्तांतरण अधिनियम की धारा 39 के तहत, किसी भी व्यक्ति को अचल संपत्ति के मुनाफे से रखरखाव, या उन्नति या शादी के प्रावधान प्राप्त करने का अधिकार है, उस व्यक्ति की अचल संपत्ति के खिलाफ दावा लागू किया जा सकता है।

गुरु रामभद्राचार्य की भविष्यवाणी

मध्यप्रदेश में फिर खिलेगा कमल, रामखेलावन पटेल के मंत्री बनने का किया दावा

सतना, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। विधानसभा चुनावों के नजदीक आते ही अब भविष्यवाणियों का दौर भी शुरू हो गया है। बागेश्वर धाम के पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के गुरू रामभद्राचार्य ने राज्य मंत्री रामखेलावन पटेल के लिए भविष्यवाणी की है। रामभद्राचार्य के अनुसार रामखेलावन पटेल दूसरी बार प्रदेश में मंत्री बनेंगे। उनकी इस भविष्यवाणी का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बता दें, फरवरी महीने में राजधानी भोपाल में जगद्गुरू रामभद्राचार्य ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के लिए भी भविष्यवाणी की थी। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में जगद्गुरु रामभद्राचार्य से कहते सुना जा सकता है कि यहां फिर भाजपा आएगी, चाहे कुछ भी हो जाए और राज्य मंत्री रामखेलावन पटेल को दोबारा मंत्री बनने का आशीर्वाद देते हुए बोले- तुमको अगली बार मंत्री बनाएंगे।

यह भविष्यवाणी उन्होंने खजुरीताल मानसपीठ शताब्दी महोत्सव कार्यक्रम के दौरान की। मंगलवार को कथा कार्यक्रम में पहुंचे राज्यमंत्री रामखेलावन पटेल जगद्गुरु रामभद्राचार्य से आशीर्वाद लेने पहुंचे, तो उन्होंने भविष्यवाणी करते हुए उन्हें मंत्री बनने का आशीर्वाद दिया। राजधानी भोपाल में फरवरी महीने में जगद्गुरु रामभद्राचार्य की रामकथा का आयोजन चल रहा था। कथा के समापन मौके पर सीएम शिवराज सिंह चौहान पत्नी साधना सिंह चौहान के साथ कथा स्थल पर पहुंचे थे। व्यास पीठ से ही जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने सीएम शिवराज सिंह चौहान के लिए भी भविष्यवाणी की थी। गुरू रामभद्राचार्य ने कहा था कि अगला चुनाव जीतने पर मैं आपके शपथ ग्रहण में आउंगा और आपका तिलक करुंगा।

छोटा राजन का फाइनेंस हैंडलर अबू सावंत मुंबई डिपोर्ट

सीबीआई के बाद मुंबई क्राइम ब्रांच लेगी कस्टडी

मुंबई, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा राजन के सबसे करीबी लोगों में से एक व उसका फाइनेंस हैंडलर संतोष सावंत उर्फ अबु सावंत को केंद्रीय एजेंसियों और मुंबई क्राइम ब्रांच द्वारा संयुक्त रूप से की गई कार्रवाई के बाद सिंगापुर से मुंबई डिपोर्ट किया गया है। दरअसल, सावंत के खिलाफ मुंबई क्राइम ब्रांच के साथ-साथ सीबीआई में भी मामला दर्ज है। ऐसे में क्राइम ब्रांच का कहना है कि सावंत को पहले सीबीआई कस्टडी में लेगी। सूत्रों के मुताबिक, सावंत होटल व्यवसायिक की आड़ में सिंगापुर में रह कर छोटा राजन के लिए काम कर रहा था। दावा कर कहा गया है कि सावंत करीब 22 सालों से राजन के गैंग से जुड़ा हुआ है।

छोटा राजन पर जब हमला हुआ तो

सूत्र बताते हैं कि सावंत छोटा राजन का सबसे करीबी लोगों में से एक है। राजन के गैंग में डीके राव के बाद दूसरे नंबर पर सावंत का नाम आता था। साल 2000 में जब छोटा राजन पर हमला हुआ तो उसके गैंगे के रवि पुजारी, हेमंत पुजारी, बंटी पांडे, संतोष, विजय शेट्टी, एजाज, लकड़ा वाला जैसे उसके नजदीकियों ने साथ छोड़ दिया था। वहीं, सावंत ने डीके राव के साथ मिलकर राजन का साथ दिया जिसके बाद वो राजन का करीबी बन गया।

राजन गैंग में सावंत का ये होता था काम

राजन गैंग में डीके राव का काम अपराधों की एक्टिविटी को अंजाम देने का होता था तो वहीं सावंत डॉन राजन की काली कमाई का हिसाब-किताब रखता था। सावंत के पिता पेशे से रियल एस्टेट से जुड़े हुए थे जिसके चलते उसे प्रॉपर्टी की खास जानकारी की थी। सावंत ने राजन कंपनी की प्रॉपर्टी डीलिंग और फाइनेंस को पुरी तरह टेकओवर कर लिया था। मीडिया रिपोर्ट दावा करती हैं कि, गैंग के लोगों के लिए मुंबई समेत देश में टारगेट सेट करना, प्रोटेक्शन मनी के नाम पर उनसे संपर्क कर धमकी और वसूली करना ये सब सावंत के ही जिम्मे रहा है। इसके अलावा, गैंग के किसी सदस्य के पकड़े जाने पर जमानत का इंतजाम करना साथ ही राजन का इनवेस्टमेन्ट भी सावंत हैंडल करता था।

सावंत के खिलाफ

साल 2000 में प्रत्यार्पण को लेकर कागजी कार्रवाई की शुरुआत हुई जिसके बाद सावंत के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस निकला। ऐसे में दशक भर की मेहनत के बाद उसे डिपोर्ट किया गया है। सावंत के खिलाफ मुख्य तौर पर धमकी, वसूली जैसे आरोप हैं साथ ही मकोका के तहत भी मामले दर्ज हैं।

श्रद्धा हत्याकांड की चार्जशीट रिपोर्ट प्रसारित करने पर लगी रोक, हाईकोर्ट ने दिया निर्देश

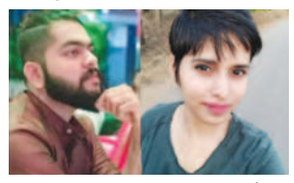

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को सभी समाचार चैनलों को श्रद्धा वाकर हत्या मामले में चार्जशीट की सामग्री प्रदर्शित करने या चलाने से रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति रजनीश भटनागर ने केंद्र को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया कि दिल्ली पुलिस द्वारा दायर याचिका के निस्तारण तक कोई भी समाचार चैनल इस तरह की सामग्री प्रदर्शित न करे। यह आदेश दिल्ली पुलिस की एक याचिका पर पारित किया गया था, जिसमें आरोप पत्र और मामले में जांच के दौरान एकत्र की गई अन्य सामग्री में निहित गोपनीय जानकारी को प्रकाशित करने, छापने और प्रसारित करने से मीडिया घरानों को रोकने की मांग की गई थी।

महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में छत से गिरकर मौत

ग्वालियर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। ग्वालियर शहर के गोला का मंदिर थाना क्षेत्र के ओम साईं अपार्टमेंट में रहने वाली एक महिला की छत से गिरकर संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। हालांकि महिला के पति बृजेंद्र परिहार का आरोप है कि उसका पूर्व सहयोगी गुड्डू शर्मा मंगलवार शाम को उसके घर आया था। पत्नी मंजू परिहार द्वारा उसे पति की गैर मौजूदगी में बाद में आने को कहा गया। इसके बाद गुड्डू ने महिला मंजू परिहार के साथ मारपीट शुरू कर दी। बृजेंद्र ने बताया कि वह मंगलवार को शहर से बाहर गया हुआ था, घर में उसकी मां और पत्नी थे।

गुड्डू शर्मा और बृजेंद्र परिहार ट्रैवल एजेंसी का साथ में काम करते थे। इन दोनों के बीच में कुछ लेनदेन होने का भी पता चला है, हालांकि पति द्वारा बताई गई कहानी पर फिलहाल पुलिस विश्वास नहीं कर पा रही है। क्योंकि मेन रोड पर बने ओम साईं अपार्टमेंट में किसी दूसरे व्यक्ति के घर जाकर उसकी पत्नी से खुलेआम सास के सामने

मारपीट करना और उसे लिफ्ट से अपार्टमेंट की पांचवी मंजिल तक ले जाना, वहां लाठी डंडे से मारपीट करना फिर छत से फेंक देना, यह बात पुलिस को अटपटी लग रही है। जबकि बृजेंद्र का यही सब कहना है। बृजेंद्र का कहना है कि उसकी सास ने अपनी बहू को बचाने की कोशिश की लेकिन वह लिफ्ट ऑपरेट करना नहीं जानती थी, इसलिए वहां जीने के रास्ते छत पर गई, लेकिन तब तक गुड्डू शर्मा उसकी पत्नी को नीचे फेंक चुका था। पुलिस ने फिलहाल इस मामले में मर्ग कायम कर लिया है और फ्लैट को भी सील कर दिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

जम्मू कश्मीर: पैंथर्स पार्टी की महासचिव अनीता ठाकुर आजाद पार्टी में हुईं शामिल

जम्मू, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर पैंथर्स पार्टी की महासचिव अनीता ठाकुर अब डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) में शामिल हो गई हैं। बुधवार को डीपीएपी प्रमुख गुलाम नबी आजादी की उपस्थिति में उन्होंने पार्टी के साथ अपने नए राजनीतिक सफर की शुरुआत की। इस दौरान गुलाम नबी आजाद ने अनीता ठाकुर का पार्टी में स्वागत किया। उन्होंने कहा कि दिवंगत नेता प्रो भीम सिंह के साथ मिलकर प्रदेश हित के लिए उन्होंने काम किया। वह उम्मीद जताते हैं कि डीपीएपी में शामिल होने से पार्टी और विकसित होगी।

शारदा घोटाले में सीएम ममता के खिलाफ जांच की मांग

सुवेंदु अधिकारी बोले- सीबीआई के पास पर्याप्त सबूत

कोलकाता, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष (एलओपी) शुभेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी सरकार पर जमकर निशाना साधा और मांग की कि केंद्रीय एजेंसियां शारदा घोटाले के तहत मुख्यमंत्री ममता की जांच करें। टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा एक ताजा नोटिस पर प्रतिक्रिया देते हुए, सुवेंदु ने एजेंसी की कार्रवाई को तत्काल और सक्रिय कहा। गौरतलब है कि सीबीआई ने मंगलवार को अभिषेक बनर्जी को राज्य में शिक्षक भर्ती घोटाले के सिलसिले में एजेंसी के सामने पेश होने का नोटिस दिया। मीडिया से बात करते हुए, हुगली के सिंगूर में भाजपा नेता ने कहा, सीबीआई बहुत अच्छा और सक्रिय काम कर रही है। राज्य सरकार के

इतने असहयोग के बावजूद, एजेंसी त्वरित काम कर रही है। टीएमसी विधायक जीबन कृष्णा साहा ने अधिकारियों से उनका फोन छीनने की कोशिश की और सबूत नष्ट करने की कोशिश की। इसके मद्देनजर सीबीआई की कार्रवाई सही है और यह जारी रहनी चाहिए, वरना ममता और उनके लोग सारे सबूत नष्ट कर देंगे। बीजेपी नेता ने आगे मांग की कि केंद्रीय एजेंसियां कथित शारदा घोटाले के संबंध में ममता बनर्जी की भी जांच करें। अधिकारी ने कहा, अभिषेक बनर्जी के खिलाफ कई मामले चल रहे हैं। मैं सिर्फ केंद्रीय एजेंसियों से बुआ-भतीजा (ममता और अभिषेक बनर्जी) के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग करता हूं। सीबीआई के पास शारदा घोटाले के तहत ममता की जांच के लिए पर्याप्त सबूत हैं लेकिन यह जांच नहीं कर रही है। अगर दिल्ली आबकारी नीति मामले में सीएम केजरीवाल से पूछताछ की जा सकती है तो ममता से क्यों नहीं? बंगाल के नेता प्रतिपक्ष ने आगे कहा, इसी तरह, अभिषेक बनर्जी के खिलाफ और उनके कई परिवार के सदस्यों की संलिप्तता के बारे में बहुत सारे सबूत हैं। बंगाल के लोग पूछ रहे हैं कि उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है? साथ ही, मैं इस मुद्दे को रैलियों और अभियान के दौरान पूरे समय उठा रहा हूं। अगर मैं झूठ बोल रहा हूं, तो वह (अभिषेक बनर्जी) मेरे खिलाफ मानहानि का मामला क्यों नहीं दायर कर रहे हैं।

मुझे 'ए लड़की' कहकर बुलाते थे- कांग्रेस नेता का यूथ विंग के अध्यक्ष पर यौन शोषण का आरोप

दिसपुर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। असम यूथ कांग्रेस की प्रमुख डॉ.अंगकिता दत्ता ने ईकाई के राष्ट्रीय प्रमुख श्रीनिवास बीवी और सचिव प्रभारी वर्धन यादव पर उत्पीड़न का आरोप लगाया है। उन्होंने अपने बयान में कहा कि वर्धन महिलाओं का सम्मान करना नहीं जानते हैं। उन्होंने कहा मुझे डॉ। दत्ता या अध्यक्ष के रूप में नहीं बल्कि मेरे लिए 'ए लड़की' शब्द का इस्तेमाल कर संबोधित किया है। अंगकिता दत्ता ने कहा कि रायपुर पूर्ण सत्र के दौरान श्रीनिवास जी ने मुझसे पूछा 'क्या पीती हो तुम, वोडका पीती हो?' मैं ये सुनकर हैरान थी। मैं इतनी हैरान थी कि मैं कुछ बोल ही नहीं पाई। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ शिकायतों के बाद भी उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई।

मुख्यमंत्री के साथ बनाए जा रहे है पोस्टर- दत्ता

उन्होंने आगे कहा उन्होंने अब मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के साथ मेरे पोस्टर बनाए जा रहे हैं और कहा जा रहा है कि मैं सीएम को खुश करने की कोशिश कर रही हूं। अगर कोई महिला अपने अपमान की बात करती है, तो पार्टी इस तरह की प्रतिक्रिया देती है? मेरे दादा, पिता और मैं- हम सभी राज्य के कांग्रेस अध्यक्ष रहे हैं। हम पार्टी नहीं छोड़ना चाहते हैं। यदि आप चाहते हैं तो हमें बाहर फेंक दें। लेकिन हम पार्टी से प्यार करते हैं। डॉ। अगंकिता ने कहा कि श्रीनिवास और वर्धन यादव जैसे लोगों ने पार्टी के साथ-साथ राजनीति को नष्ट कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि अब उनके खिलाफ सीबीआई और ईडी के मामले लाए जा रहे हैं। मैं इन मामलों को अकेले लड़ रही हूं, मैं चाहती तो बीजेपी का हिस्सा बन सकती थी। मैं, मेरी मां और तीन बहनें इससे लड़ रही हैं। उन्होंने कहा कि कि मुझे पता है कि मैं गलत नहीं हूं, लेकिन पार्टी की ओर से जेंडर भेदभाव की शिकायत पर इस तरह की प्रतिक्रिया देना भी सही नहीं है। वहीं इसे लेकर अब बीजेपी की ओर से भी प्रतिक्रिया सामने आई है। बीजेपी नेता और राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य खुशबू सुंदर ने कहा कि कांग्रेस में महिलाओं के प्रति सहानुभूति की कमी चौंकाने वाली है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा, ₹युवा कांग्रेस नेता डॉ। अंगकिता दत्ता ने उत्पीड़न के एक गंभीर मामले में कांग्रेस द्वारा कार्रवाई की कमी के बारे में अपनी चिंताओं को व्यक्त करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया है! कांग्रेस हर बार नए निचले स्तर पर गिरकर हमें चौंका देती है। राहुल गांधी और प्रियंका दोनों नींद में हैं। डॉ। अगंकिता के आरोपों पर भारतीय युवा कांग्रेस ने उनसे माफी मांगने के लिए कहा है। साथ ही ये भी कहा गया है कि श्रीनिवास बीवी के खिलाफ सभी आरोप झूठे और तुच्छ हैं। इसके अलावा पार्टी की तरफ से ऐसा कहा गया है कि वे सीएम बिसवा के साथ लगातार संपर्क में हैं। बीजेपी में शामिल होने के लिए पार्टी को बदनाम कर माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है। वहीं अब इस पूरे मामले को लेकर राष्ट्रीय महिला आयोग ने जांच करने की बात कही गई है। इसे लेकर आयोग ने एक ट्वीट भी किया है। इसमें लिखा गया है कि महिला आयोग असम युवा कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष अंगकिता दत्ता के

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार

छल करोगे तो छल मिलेगा,
आज नहीं तो कल मिलेगा,
अगर जियोगे जिंदगी सच्चाई से,
तो सुकून हर पल मिलेगा!

सीबीआई के सामने पेश हुए वाईएस अविनाश रेड्डी

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कडपा के सांसद वाई.एस. अविनाश रेड्डी बुधवार को पूर्व मंत्री वाई.एस. विवेकानंद रेड्डी की हत्या के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के सामने पेश हुए। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी के चचेरे भाई अविनाश रेड्डी सीबीआई द्वारा जारी नोटिस के जवाब में सुबह करीब 10.30 बजे हैदराबाद में सीबीआई के क्षेत्रीय कार्यालय पहुंचे। उनके साथ उनके वकील भी थे। यह पांचवीं बार है जब वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के सांसद सीबीआई के सामने पेश हुए। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने मंगलवार को सीबीआई को अविनाश रेड्डी को 25 अप्रैल तक गिरफ्तार नहीं करने का निर्देश दिया था। अदालत ने सांसद की अग्रिम जमानत याचिका पर अपने अंतरिम आदेश में उन्हें 25 अप्रैल तक रोजाना सीबीआई के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया। सीबीआई ने 17 अप्रैल को अविनाश रेड्डी को पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन एजेंसी ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई के कारण पूछताछ को दो बार टाल दिया। अग्रिम जमानत याचिका पर अंतिम आदेश 25 अप्रैल को सुनाया जाएगा। सीबीआई के अविनाश रेड्डी से उनके पिता वाई एस भास्कर रेड्डी और एक अन्य आरोपी उदय कुमार रेड्डी की उपस्थिति में पूछताछ करने की संभावना है। सीबीआई अदालत द्वारा भास्कर रेड्डी और उदय कुमार रेड्डी को सीबीआई हिरासत में भेजे जाने के एक दिन बाद, केंद्रीय एजेंसी ने चंचलगुडा सेंट्रल जेल से उनकी हिरासत ले ली और उस्मानिया जनरल अस्पताल में मेडिकल जांच के बाद उन्हें सीबीआई कार्यालय ले आई। भास्कर रेड्डी को सीबीआई ने 16 अप्रैल को गिरफ्तार किया था जबकि उनके अनुयायी उदय कुमार रेड्डी को 14 अप्रैल को आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले के पुलिवेंदुला शहर में गिरफ्तार किया गया था। दोनों को हैदराबाद लाया गया जहां एक अदालत ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया। भास्कर रेड्डी की हिरासत की मांग वाली अपनी याचिका में सीबीआई ने अविनाश रेड्डी को सह-आरोपी बनाया था। सांसद के वकील ने मंगलवार को हाईकोर्ट में दलील दी थी कि मामले में सरकारी गवाह बने दस्तागिरी के बयान के अलावा सीबीआई के पास अविनाश के खिलाफ कोई सबूत नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री वाई एस राजशेखर रेड्डी के भाई और जगन मोहन रेड्डी के चाचा विवेकानंद रेड्डी की चुनाव से कुछ दिन पहले 15 मार्च, 2019 को पुलिवेंदुला स्थित उनके आवास पर हत्या कर दी गई थी। राज्य के 68 वर्षीय पूर्व मंत्री और पूर्व सांसद अपने घर पर अकेले थे, तभी अज्ञात लोगों ने उनके घर में घुसकर हत्या कर दी। सीबीआई ने विवेकानंद रेड्डी की बेटी सुनीता रेड्डी की एक याचिका पर सुनवाई करते हुए आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के निर्देश पर 2020 में मामले की जांच अपने हाथ में ली, जिसने कुछ रिश्तेदारों पर संदेह जताया था। सुनीता रेड्डी द्वारा आंध्र प्रदेश में निष्पक्ष सुनवाई और जांच पर संदेह जताए जाने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल नवंबर में इस मामले को हैदराबाद स्थानांतरित कर दिया था।

वाईटीडीए राजस्व बढाने पर ध्यान दें : सीएस

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने अधिकारियों को वर्तमान यदाद्री मंदिर विकास क्षेत्र (वाईटीडीए) को आगे बढ़ाने और आय के स्रोत पैदा करने के विकल्प तलाशने की सलाह दी है। यदाद्री मंदिर विकास प्राधिकरण के विकास पर बुधवार को यहां बीआरकेआर भवन में आयोजित एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव ने कहा कि चूंकि अब वाईटीडीए के तहत केवल सात गांव हैं, इसे और विस्तारित किया जाना चाहिए और इसके लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किए जाने चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि अधिकारियों को मंदिर के आसपास के क्षेत्रों और गांवों को विकसित करके स्वयं की आय के स्रोतों में सुधार करने पर ध्यान देना चाहिए।

शांति कुमारी ने कहा कि यदाद्रि देवस्थानम का निर्माण अद्भुत है। मुझे उम्मीद है कि आने वाले दिनों में इसे तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम की तर्ज पर विकसित किया जा सकता है। बैठक के दौरान मंदिर की ऑडिट रिपोर्ट और शिल्परमम की गतिविधियों की भी समीक्षा की गई। इस अवसर पर विशेष मुख्य सचिव वित्त के. रामकृष्ण राव, विशेष मुख्य सचिव एमए एंड यूडी अरविंद कुमार, प्रमुख सचिव राजस्व नवीन मित्तल, प्रमुख सचिव वाईएटी एंड सी संदीप कुमार सुल्तानिया, आयुक्त परिवहन बुद्ध प्रकाश, आयुक्त बंदोबस्ती अनिल कुमार, वीसी और सीईओ वाईटीडीए किशन राव, ईओ गीता और अन्य अधिकारियों ने बैठक में भाग लिया।

स्कूल में 41 वर्षीय टीचर की हार्ट अटैक से मौत

संगारेड्डी, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी जिले के चौटाकुर स्थित मंडल परिषद प्राथमिक विद्यालय के परिसर में मंगलवार को एक सरकारी स्कूल के शिक्षक की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गयी। संगारेड्डी कस्बे की चाणिक्यपुरी कॉलोनी की रहने वाली पद्मलता (41) ब्रेक के दौरान पानी पीने के दौरान गिर गई थीं, जिसके बाद उनके सहयोगियों ने उन्हें संगारेड्डी के सरकारी सामान्य अस्पताल में पहुंचाया। हालांकि इलाज के दौरान उसने अंतिम सांस ली। इस घटना से छात्र, शिक्षक और ग्रामीण सदमे में हैं।

देशभर के पिछड़े वर्गों को एकपुट होने की जरूरत : वीएच

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, पूर्व पीसीसी अध्यक्ष व सांसद वी. हनुमंत राव ने कहा कि हमने पीएम नरेंद्र मोदी से कितनी बार बीसी क्रीमी लेयर को हटाने के लिए कहा, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। आज मीडिया से बात करते हुए वीएच ने बताया कि देश भर में ओबीसी प्रतिनिधियों की समान मांग है, लेकिन पीएम मोदी को कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के इस बयान कि कांग्रेस के सत्ता में आने पर जनगणना कराई जाएगी और आरक्षण बढ़ाया जाएगा का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह राहुल गांधी द्वारा लिया गया एक ऐतिहासिक फैसला है। राहुल गांधी के वादे को गांव-गांव ले जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि गांधी परिवार द्वारा दी गई बातों का पालन किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने तेलंगाना के गठन का वादा किया था और इसे उन्होंने कर दिखा या। इस आश्वासन के लिए सभी को राहुल का शुक्रिया अदा करना चाहिए। किंतु पीएम मोदी ने अब तक चुनाव में किया गया एक भी वादा पूरा नहीं किया। उन्होंने इस माह की 25 तारीख को सभी बीसी संघों के साथ बैठक आयोजित की जाएगी। इससे पहले वारंगल में बीसी गर्जन सभा के आयोजन के बाद कांग्रेस सत्ता में आई थी। बीसी को पार्टी के करीब लाने के लिए एजेंडा लेना चाहिए। अब भी कांग्रेस को एक बार फिर बीसी गर्जन सभा का गठन करना चाहिए।

उधर, सीएलपी नेता मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने आज मुख्यमंत्री केसीआर को एक खुला पत्र लिखा और उनसे तेलंगाना में बीसी बंधु योजना शुरू करने की मांग की। सीएलपी नेता ने अपने पत्र में सीएम को बताया कि तेलंगाना राज्य बनने के आठ साल बाद भी कमजोर वर्गों के जीवन में कोई बदलाव नहीं आया है. उन्होंने सीएम को बताया कि उन्होंने अपनी चल रही पीपुल्स मार्च पदयात्रा के दौरान अविभाजित आदिलाबाद और करीमनगर जिलों के विभिन्न गांवों से कमजोर वर्गों के रहने की स्थिति का बारीकी से अवलोकन किया है।

आसिफाबाद जिला पुलिस का प्रदर्शन सराहनीय : आईजी

कुमरभीम आसिफाबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आईजी चंद्रशेखर रेड्डी आईपीएस ने कहा कि कुमरम भीम आसिफाबाद जिला पुलिस का प्रदर्शन, विशेषकर सामुदायिक पुलिसिंग में सेवाएं सराहनीय है। उन्होंने बुधवार को वांकिडी मंडल के इंदानी गांव के बाहरी इलाके में पुलिस फायरिंग रेंज का उद्घाटन किया। इस मौके पर जिला पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गई। कुमरम भीम आसिफाबाद जिला महाराष्ट्र के करीब है और माओवाद प्रभावित क्षेत्र है इसलिए सतर्कता की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि विशेष रूप से जानलेवा जलग्रहण क्षेत्रों में पुलिस को हमेशा सतर्क रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि आम चुनाव नजदीक आने को देखते हुए कड़ा रुख अपनाना चाहिए और सोशल मीडिया पर झूठी खबरों पर लगाम लगाने के लिए हमें पहल करनी चाहिए।डीएसपी से जिले के प्रत्येक थाने के प्रदर्शन के बारे में पूछा गया। उन्होंने कहा कि उन्हें हमेशा जनता के लिए उपलब्ध रहना चाहिए और अपराध नियंत्रण के लिए हर थाने में अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाने चाहिए। इस कार्यक्रम में जिला एसपी के सुरेश कुमार आईपीएस, एडिशनल एसपी अचेश्वर राव, भीम राव, डीएसपी, सीआई और एसआई ने भाग लिया।

अग्रवाल समाज बालकमपेट शाखा की वार्षिक साधारण सभा एवं चुनाव 7 मई को

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज बालकमपेट शाखा की वार्षिक साधारण सभा एवं चुनाव 7 मई को जगदीश प्रसाद के कार्यालय में सम्पन्न हुई। सभा में शाखा के चुनाव आगामी 7 मई को होना निश्चित हुआ है। पवन टिबरेवाल को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है। बैठक में जलशाला की मरम्मत और पुनः इस महीने के अंत तक शुरू करने की जिम्मेदारी जगदीश सराफ, प्रवीण जैन और महेंद्र अग्रवाल ने ली। सभा में जगदीश सराफ, प्रवीण जैन, नरेश अग्रवाल, प्रमोद रूंगटा और आनंद प्रकाश उपस्थित थे। प्रमोद रूंगटा ने सभी को धन्यवाद दिया।

अग्रवाल समाज शिवरामपल्ली शाखा के चुनाव 30 को

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज शिवरामपल्ली शाखा के चुनाव 30 अप्रैल को किये जाएंगे। सर्व प्रथम महाराजा अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना की गई तत्पचात शाखा के अध्यक्ष राजेश जैलिया ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया। मंत्री ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। सभी सदस्यों की सहमति से ये निर्णय लिया गया कि वार्षिक साधारण सभा व द्विवार्षिक चुनाव 30 अप्रैल रविवार को श्री राधा ढाबा, कट्टेदान, हैदराबाद में प्रातः 11 से 1 बजे होंगे। उक्त आशय की सुचना मानद मंत्री श्याम सुंदर अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी गयी है। सभा में अध्यक्षीय भाषण, मानद मंत्री द्वारा रिपोर्ट, कोषाध्यक्ष द्वारा आय व्यय का ब्योरा व शाखा के द्विवार्षिक चुनाव करवाये जायेंगे। द्विवार्षिक चुनाव सम्पन्न करवाने के लिए शाखाध्यक्ष राजेश जैलिया ने सुनील कुमार अग्रवाल एवं सुभाष अग्रवाल को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है। बैठक में अध्यक्ष राजेश जैलिया, उपाध्यक्ष अमित अग्रवाल, मानद मंत्री श्याम सुंदर अग्रवाल, सयुक्त मंत्री पंकज गुप्ता, कोषाध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य राकेश कुमार जालान आदि उपस्थित थे।

नारनौल अग्रवाल समिति की कार्यकारिणी सभा का आयोजन

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नारनौल अग्रवाल समिति, हैदराबाद-सिकंदराबाद की कार्यकारिणी सभा का आयोजन बशीरबाग पर किया गया। अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल भालवाले ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया। मंत्री अशोक कुमार अग्रवाल ने पिछली सभा के मिनट प्रस्तुत किए। मिट्टी का शेर, चार कमान में उपस्थित नारनौल सदन का रिनोवेशन का कार्य पूर्ण हो गया है। 23 अप्रैल रविवार को सदन में सुंदरकांड के पाठ का आयोजन किया जा रहा है। सायं 4:00 पाठ प्रारंभ होंगे पाठ के पश्चात प्रसाद की व्यवस्था की गई है सभी सदस्यों से अनुरोध है अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित रहे। वर्तमान कार्यकारिणी का कार्यकाल समाप्त होने जा रहा है। अतः नई कार्यकारिणी के चुनाव 4 जून 2023 रविवार को होटल वेज पार्क में कराए जाएंगे। अशोक कुमार सिंघल को चुनाव अधिकारी एवं रविंद्र अग्रवाल को सहयोगी नियुक्त किया गया है। सभा में राजेंद्र अग्रवाल भालवाले,अशोक कुमार अग्रवाल, आर अशोक कुमार, ओम प्रकाश अग्रवाल, महावीर प्रसाद अग्रवाल, विनोद जी जैन, डी.के. गोयल, रविंद्र अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, संजय अग्रवाल, कमल अग्रवाल,अशोक सिंघल, आर.दीपक अग्रवाल, श्रीमती रेखा अग्रवाल, रेनू अग्रवाल आदि ने भाग लिया। अशोक कुमार के धन्यवाद ज्ञापन के साथ सभा का समापन हुआ।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, GHOUSIA FATMA, R/o, 20-4-973/16, Khilwath, Charminar, Hyd-02, changed my name as GHOUSIA BEGUM W/o. KHAJA SHARFUDDIN

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

मंत्री ने नौकरियों की भर्ती पर खुली चुनौती दी

सूर्यापेट, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। ऊर्जा मंत्री जी. जगदीश रेड्डी ने तेलंगाना में नौकरियों की भर्ती पर खुली बहस के लिए कांग्रेस और भाजपा दोनों को चुनौती दी है। बुधवार को यहां मीडिया से बात करते हुए, मंत्री जगदीश रेड्डी के साथ सांसद बदुगुला लिंगैया यादव, विधायक सिदी रेड्डी और गदरी किशोर और जिला पंचायत अध्यक्ष दीपिका युगंदर राव ने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली बीआरएस सरकार ने पिछले नौ वर्षों के दौरान कुल 1,32,632 की भर्ती की है।

आज गुरुवार, 20-4-2023 को अमावस्या है।
जय गौमाता
गौमाता की परिक्रमा करने मात्र से सभी ग्रहों की कृपा प्राप्त होती है, एवं व्यक्ति दीर्घायु ऐश्वर्यवान बनकर पुण्य को प्राप्त करता है।
निवेदक : कार्यसमिति
शिव मंदिर गौशाला
शमशेरगंज, हैदराबाद, फोन : 7842048773, 9959271866
ॐ शिव मंदिर गौशाला
पालमाकुल, शमशाबाद फोन : 7842048773, 9849666304
पुरानापुल, बहादुरपुरा, जू पार्क से होते हुए ताइवन चौरस्ता से बाएँ ओर सिर्फ 5 मिनट में गौशाला पहुँच सकते है।
किसी भी पारिवारिक शुभकार्य पर गौमाता का स्मरण अवश्य करें।

आज गुरुवार दि.20 अप्रैल 2023 अमावस्या के अवसर पर पधारे
श्री आईजी गौशाला
(रजिस्ट्रेशन नं. 720/2008)
118, मल्काराम, जवाहरनगर (चेनापुर-बालाजी नगर) खापरा मंडल
☎ 7396306337
आज की महाप्रसादी - परसराम सुरेन्द्रकुमार गोपाल बर्फा बेगम बाजार (मरुधर में निम्बोल)
फर्म : ज्योति इंटरप्राइजेस महाराजगंज, हैदराबाद (तेलंगाना) मोबाइल : 9885857782, 9652000067
गौशाला के बैंक एकाउंट मे अपनी दान राशी जमा कराकर, पुण्य के भागीदार बने
Sri Aaiji Gowshala, SBI, Cheeryal Branch, A/c. No. 62492036580 IFSC Code : SBIN0020435
निवेदक : श्री आईजी गौशाला के पदाधिकारी व सदस्यगण
अध्यक्ष : जे.सी. प्रकाश चोलाराम हाम्बड़ ☎ 9573599190 सचिव : मंगलाराम पंवार ☎ 9246108583

जय गौमाता की श्री महावीराय नमः
चलिए प्रशांत वातावरण में पल रहे 260 गौवंश को रोटी और हराचारा खिलाकर इस पुनीत कार्य में सहभागी बनें।
अहिंसा परमोधर्म, जीव दया उत्तम कार्य
आज अमावस्या आज गुरुवार, 20-4-2023 "गौ सेवा" कर पुण्य के भागी बनें
प्रति अमावस्या को प्रसादी की व्यवस्था रहेगी
Sri Jain Goshala
निवेदक : श्री जैन गौशाला
6-150, यादगिरीपल्ली रोड, किसरा विलेज, मेड़चल ज़िला (तेलंगाना)
सहयोग एवं जानकारी हेतु सम्पर्क करें : अनिल गांधी, दीपक प्रजापत : 9010128515, 9030660045
BANK DETAILS
BANK : Agrasen Co - operative Urban Bank Limited.
Name : Dileep Kumar Gandhi Jain Goshala Trust
BRANCH : Ranigunj, Secunderabad A/c. No .: 004400300000009 IFSC : YESB0ACUB04
ऑनलाईन गौ ग्रास सेवा के लिए गुगल पे/फोन पे करें : 9010128515 G Pay PhonePe
शुभकामनाओं सहित : नवकार ज्वेलर्स, जनरल बाजार, सिकन्दराबाद

।। जय गौ माता।। जय जय रघुवीर समर्थ ।। श्री श्री श्री सद्गुरु ।।
श्री समर्थ कामधेनु गौशाला
कामधेनु गौ मंदिर
श्री सद्गुरु समर्थ नारायण आश्रम, शिवबाग़, जियागुड़ा, हैदराबाद. फोन : 9296358630, 7013711317
समर्थ नारायण महाराज
आज गुरुवार, 20-4-2023 को अमावस्या है।
"गौ माता की सेवा से आयु, स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। पापों का नाश होता है।" गौ-ग्रास सेवा से सुख-शांति, मंगलमय जीवन, सर्व दोष निवारण का लाभ उठाएँ। गौशाला में गौ दान की सुविधा उपलब्ध है।
श्री प्रभुदत्तजी महाराज
Online गौ सेवा के लिये
(For Income Tax Exemptions u/s 80g)
SHREE KALPAVRUKSHA KAMDHENU WELFARE TRUST
SBI Bank King koti Branch A/c No. 10015542319 IFSC: SBIN0007054
SHRI SADGURU SAMRATH NARAYAN ASHRAM
SBI PPB, Red Hills A/c No. 20100020864 IFSC: SBIN0002790
PAYTM - 9296358630/GOOGLE PAY/PHONE PAY/7013711317

सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
ब्रिगेट रोड नें 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, मोबाईल 9000366660
GB GOPAL BALDAWA GROUP

गावो विश्वस्य मातर ।। जय श्री कृष्ण ।। जय गो माता
श्री गोपाल गौशाला
संत विनोबानगर, रामदास पल्ली के पास, सागर रोड, इब्राहिमपटनम
आज गुरुवार, 20-4-2023 को अमावस्या है।
अमावस्या के उपलक्ष्य में सभी गौ प्रेमियों से विनम्र अनुरोध है कि गौसेवा कर पुण्य के भागी बने और हमें सहयोग राशी इन बैंक खाते में जमा करा सकते है।
प्रसाद की व्यवस्था श्री मांगीलालजी बी.एन.रेड्डी नगर की ओर से है।
विशेष सेवा : गौभक्त अपने जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ, अपने पूज्य एवं प्रियजनों की याद में गौशाला में संपूर्ण एक दिन की सेवा हेतु 21,000/- देकर पुण्य एवं शांति का लाभ लेवे।
अन्य सेवा : एक कट्टा घास का प्रति दिन एक माह तक 500/-
एक गाय की मासिक सेवा 1100/-
गूड - दलिया या चुन्निभूसा एक दिन की सेवा 3100/-
एक DCM गाडी घाँस या एक समय की संपूर्ण गोवंश की भोजन व्यवस्था 11,000/-
SRI GOPAL GOSHALA TRUST
STATE BANK OF INDIA, VANASTHLIPURAM BRANCH,
S/A NO. 62127047988 IFSC CODE : SBIN0020564
SRI GOPAL GOSHALA TRUST
MAHESH BANK, VANASTHLIPURAM BRANCH,
S/A NO. 025001100001224 IFSC CODE : APMC0000025
निवेदक : श्री गोपाल गौशाला ट्रस्ट (रजि.)
सम्पर्क सूत्र : तुलसीराम बंसल - 9247262215, सतवीर गर्ग - 9346098880, महावीरप्रसाद अग्रवाल - 9246340476, विपुल गोयल - 9391006820, अर्जुन गोयल - 9246565555, विनोद गर्ग (ट्रस्टी-लेखा जोखा) - 9885237833
गोशाला व्यवस्थापक : राजूराम सेपटा - 8019106318, रमेश काबरा - 9290434314 एवं समस्त ट्रस्टीगण

विश्व मंगल गौशाला
सोमारम ग्राम, मेडचल, हैदराबाद (तेलंगाना)
सस्नेह निमंत्रण
आज गुरुवार 20 अप्रैल 2023 प्रातः 11 बजे से
वैशाख अमावस्या
शुभ स्थल : विश्व मंगल गौशाला सोमारम ग्राम, मेडचल, हैदराबाद
इस पावन अवसर पर सभी गौ-भक्तों से निवेदन है कि नीम एवं पीपल के पौधे लाकर गौशाला प्रांगण में लगाएँ
सभी से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर गौसेवा, दान, पुण्य के भागीदार बनें। सभी धर्मप्रेमियों, गौ-भक्तों से विनती है कि वे दान-पुण्य का कार्य गूगल-पे/फोन-पे द्वारा भी कर सकते हैं। समय निकालकर सपरिवार अवश्य पधारें।
गौ-माता पूजन * भजन भोजन प्रसादी
भजन गायक : श्री लक्ष्मण सुथार, श्री लिखमाराम सुथार
दूरभाष : 9866405646, 9346917593
Bank Details : GOU GRAM VIKAS SEVA SAMITHI
A/c No. 50200063938688 | IFSC : HDFC0009429
HDFC Bank, Kanajiguda Branch

आज अमावस्या है
हमे आपका प्यार एवं जीवन निर्वाह के लिए घाँस चाहिये । बदले मे हम आपको अति मूल्यवान गोबर एवं मूत्र प्रदान कर देते है । इससे आप रसायन मुक्त खेती करें । आपको पौष्टिक अनाज, फल एवं सब्जी मिलजाते है ।
सत्यम् शिवम् सुंदरम् गौ निवास
SATYAM SHIVAM SUNDARAM GAUNIVAS
Estd. 2001 Regd. 664/2010
#7-4-117/3/1/1, Gagan Pahad, Rajiv Gandhi International Airport Road, R.R. Dist, Hyderabad - 500 052, Telangana
Cell : 99853 85399, 99894 03635, 94404 37618, 99121 42260 , 92465 22435, 93472 11966, 94412 10591, 94414 22085
Bankers : BANK OF BARODA, Nallakunta Branch, Hyderabad, T. S .
A/c. : 75450200001071 IFSC CODE : BARBOVJNAKU
Paytm/Google Pay Number : KARAN CHALLANI - 94909 41319
TO AVAIL 80G KINDLY DONATE- AKSHYA PASHU PAKSHI TRUST
CANARA BANK - BASHEERBAGH BRANCH HYDERABAD
A/c : 0878132000033 IFSC CODE : CNRB0000878

निकाय चुनाव में प्रचार से दूर रहेंगी मायावती

किसी भी जिले में नहीं करेंगी रैली

लखनऊ, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। नगर निकाय चुनाव के प्रचार अभियान से बसपा सुप्रीमो मायावती दूर ही रहेंगी। माना जा रहा है कि वह किसी भी जिले में रैली नहीं करेंगी। इस बार पूरी जिम्मेदारी प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल और कोआर्डिनेटरों की रहेगी। वैसे भी बसपा प्रदेश अध्यक्ष के लिए यह चुनाव अग्नि परीक्षा है, क्योंकि वह पहला चुनाव करा रहे हैं। दूसरा, इसी से लोकसभा चुनाव में बसपा का भविष्य भी तय होगा। पहले चरण के चुनाव के लिए नामांकन हो चुके हैं। वहीं, दूसरे चरण के नामांकन शुरू हो गए हैं। पहले चरण के लिए प्रत्याशियों की तस्वीर साफ हो गई है। बसपा ने महापौर पद पर 60 प्रतिशत मुस्लिम प्रत्याशी उतारकर अपनी मंशा स्पष्ट कर दी है। बसपा मुस्लिम-दलित समीकरण के सहारे ही इस मैदान में है। अब चुनाव के लिए प्रचारक भी तय होने शुरू हो गए हैं। बताया जा रहा है कि बसपा सुप्रीमो मायावती चुनाव में केवल मार्गदर्शन करेंगी और अपने यहां वार रूम बनाकर मॉनिटरिंग करेंगी। इसके अलावा पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा भी शायद ही किसी रैली में शामिल होंगे।

बिहार में 44 डिग्री तक पहुंचा पारा

पटना में हीट वेव को देखते हुए डीएम ने स्कूलों का समय फिर बदला

पटना, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार में हीट स्ट्रोक को देखते हुए अलर्ट जारी है। आसमान से आग बरस रहे हैं। नवादा समेत प्रदेश के कई जिलों में तापमान 44 डिग्री तक पहुंच गया है। राजधानी पटना का तापमान 44.1 डिग्री रहा तो वहीं शेखपुरा का अधिकतम तापमान 44.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसको देखते हुए पटना के डीएम चंद्रशेखर सिंह ने स्कूलों के समय को बदलने का निर्देश जारी किया है।

बुधवार से यह लागू होगा। अब स्कूलों में कितने बजे होगी छुट्टी?

जिलाधिकारी की ओर से मंगलवार की शाम जारी किए गए ऑर्डर में कहा गया है कि जिले में रह रहे अधिक तापमान और विशेष रूप से दोपहर के समय अधिक गर्मी के कारण बच्चों के स्वास्थ्य और जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है। इसको देखते हुए सुबह 10.45 बजे के बाद सभी शैक्षणिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाया जाता है।

इसके पहले भी निकाला गया था ऑर्डर

बताया गया है कि यह आदेश जिले के प्री-स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों सहित सभी सरकारी और निजी स्कूलों पर लागू होगा। यानी अब सुबह 10.45 बजे स्कूलों में बच्चों की छुट्टी कर दी जाएगी। इसके पहले भी पटना के डीएम ने ऑर्डर जारी किया था। पिछले निर्देश में शनिवार 15 अप्रैल से स्कूलों में पढ़ाई का समय बदला गया था। उस समय सुबह 11:45 बजे तक ही स्कूलों में कक्षा जारी रखने का निर्देश दिया गया था। अब एक बार फिर हीट वेव को देखते हुए फिर से समय में बदलाव करना पड़ा है।

हीट वेव की चपेट में हैं 18 जिले

प्रदेश के 18 जिले हीट वेव की चपेट में रहे। पांच जिलों में सिवियर हीट वेव और 13 जिलों में हीट वेव की स्थिति रही। पटना, वाल्मीकि नगर, पूर्णिया, सबौर, डेहरी, वैशाली, जमुई, भोजपुर, बांका, नवादा, कटिहार, हरनौत और अगवानपुर में हीट वेव की स्थिति रही। इसके अलावा सुपौल, फारबिसगंज, शेखपुरा, मोतिहारी और खगड़िया में सिवियर हीट वेव की स्थिति रही।

17 सीटों पर अखिलेश यादव ने घोषित किए मेयर उम्मीदवार

लखनऊ, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी ने यूपी निकाय चुनाव के लिए सभी सीटों पर उम्मीदवार का एलान कर दिया है। पार्टी के ओर से बुधवार इसकी सूची जारी कर दी गई है। सपा के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने बुधवार को इसकी सूची जारी की। सपा के इस फैसले के बाद स्पष्ट हो गया है कि गठबंधन के साथियों को पार्टी ने मेयर पद के लिए एक भी सीट नहीं दी है। सपा ने आगरा मेयर सीट से जूही प्रकाश जाटव, झांसी सीट से सतीश जतारिया, शाहजहांपुर से अर्चना वर्मा, फिरोजाबाद से मशरुर फातिमा, मेरठ से सीमा प्रधान, लखनऊ से वंदना मिश्रा, कानपुर से वंदना वायपेयी और गाजियाबाद से निलम गर्ग को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। इसके अलावा पार्टी ने पीएम मोदी को गढ़ वाराणसी में ओपी सिंह को अपना प्रत्याशी बनाया है।

इन्हें भी मिला टिकट

अखिलेश यादव ने प्रयागराज से अजय श्रीवास्तव, अलीगढ़ से पूर्व विधायक जमीर उल्ला खां, बरेली से संजीव सक्सेना, मुरादाबाद से सैय्यद रईस उद्दीन, सीएम योगी के गढ़ गोरखपुर से काजल निषाद, अयोध्या से आशीष पांडेय और मथुरा-वृंदावन सीट से तुलसी राम शर्मा को सपा का मेयर प्रत्याशी बनाया है। खास बात ये है कि सपा ने मेयर पद के लिए किसी भी यादव को अपना उम्मीदवार नहीं बनाया है। जबकि दूसरी ओर चार मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट दिया है।

गोपालगंज में स्कूल जा रहे 9वीं के छात्र की हत्या

गोपालगंज, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। बुधवार की सुबह गोपालगंज में स्कूल जा रहे एक 9वीं के छात्र की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। छात्र घर से स्कूल जाने के लिए निकला था। घटना बरौली थाना क्षेत्र के प्रेम नगर आश्रम के पास की है। मृतक छात्र का नाम प्रतीक कुमार है। वह अपने मामा के यहां रहता था। हत्या के बाद परिजनों ने जमकर बवाल किया। बरौली थाने के पास शव को सड़क पर रखकर सीवान-सरफरा स्टेट हाईवे को जाम कर दिया। पुलिस ने इस पूरे मामले में दो लोगों को हिरासत में लिया है। उनसे पूछताछ कर रही है। छात्र प्रतीक की उम्र 15 साल के आसपास है। हत्या के इस मामले में लव ट्रायंगल की बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि एक ही लड़की से दो दोस्त प्यार करते थे।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने फिर दी माफियाओं को चेतावनी

'किसी के नाम से डरने की जरूरत नहीं

लखनऊ, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार माफियाओं और गैंगस्टर्स के खिलाफ लगातार अभियान चला रही हैं। कभी बुलडोजर, तो कभी एनकाउंटर के जरिए आपराधिक रिकॉर्ड वाले तत्वों का सफाया किया जा रहा है। इस बीच सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उनकी सरकार उत्तर प्रदेश पर लगे दंगों वाले राज्य का कलंक मिटा चुकी है और जो लोग इस उत्तर प्रदेश की पहचान के लिए संकट हुआ करते थे वह आज खुद संकट में हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, "2017 से पहले उत्तर प्रदेश दंगों के लिए जाना जाता था। हर दूसरे दिन दंगा होता था। 2012-17 के बीच 700 से ज्यादा दंगे हुए थे मगर 2017 में हमारी सरकार आने के बाद दंगे की नौबत ही नहीं आई।" मुख्यमंत्री ने कहा, "आज उत्तर प्रदेश में किसी जनपद के नाम से डरने की आवश्यकता नहीं है। यूपी की पहचान के लिए जो लोग संकट हुआ करते थे, आज वे स्वयं संकट में हैं। आज कोई भी अपराधी किसी व्यापारी को धमका नहीं सकता। उत्तर प्रदेश सरकार निवेशकों की पूंजी को सुरक्षित रखने में सक्षम है।"

गावों में भी 'स्ट्रीट लाइट्स' जगमगा रही हैं- योगी

बिजली आपूर्ति के क्षेत्र में अपनी सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए योगी ने कहा, "पहले कहा जाता था कि जहां से अंधेरा शुरु हो, वहां से उत्तर प्रदेश शुरू हो जाता है। प्रदेश के 75 में से 71 जनपद अंधेरे में होते थे। आज यह अंधेरा दूर हो चुका है और प्रदेश के गावों में भी 'स्ट्रीट लाइट्स' जगमगा रही हैं।" योगी ने कहा, "उत्तर प्रदेश न केवल अपने औद्योगिकीकरण के लिए बल्कि नगरीय व्यवस्था की दृष्टि से भी देश का एक महत्वपूर्ण प्रदेश माना जाता था। लेकिन एक कालखंड ऐसा भी आया जिसमें राज्य की इस पहचान को पूरी तरह समाप्त सा कर दिया था। हैंडलूम और पावरलूम को उचित प्रोत्साहन ना मिलने के कारण वह भी दम तोड़ने लगे थे।" उन्होंने कहा कि पिछले नौ साल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने जो प्रगति की है उसका लाभ पिछले करीब छह साल में सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश को मिला है। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश के पिछले कुछ साल में बहुत काम हुआ है और यही वजह है कि राज्य एक हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है।

अमन मणि त्रिपाठी बीएसपी से भी आउट

पहले सपा ने दिखाया था बाहर का रास्ता

लखनऊ, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बाहुबली नेता अमरमणि त्रिपाठी के बेटे अमनमणि को बहुजन समाज पार्टी ने भी बाहर का रास्ता दिखा दिया है। अमनमणि पर यूपी निकाय चुनाव के दौरान पार्टी में बगावत करने और पार्टी लाइन के खिलाफ काम करने का आरोप है। उनके निष्कासन की जानकारी महाराजगंज जिलाध्यक्ष विरेंद्र राव ने दी। उन्होंने इस संबंध में एक प्रेस विज्ञप्ति भी जारी किया है। इसमें बताया है कि पूर्व विधायक अमनमणि लगातार अनुशासनहीनता कर रहे थे। प्रेसनोट में बसपा जिलाध्यक्ष ने बताया कि इसके लिए उन्हें कई बार चेतावनी भी दी गई। इसके बाद भी नहीं माने तो यह कार्रवाई की गई है। बता दें कि उत्तर प्रदेश के महराजगंज जिले की नौतनवा विधानसभा सीट पर पहले अमरमणि त्रिपाठी विधायक चुने जाते रहे। उनके बाद उनके बेटे अमनमणि चुने गए। 2022 के विधानसभा चुनाव में भी वह बीएसपी के बैनरतले मैदान में उतरे थे, लेकिन चुनाव हार गए। पार्टी सूत्रों के मुताबिक इसके बाद से ही वह लगातार पार्टी लाइन के खिलाफ काम कर रहे थे। इसके लिए जिलाध्यक्ष ने कई बार उन्हें मौखिक और लिखित तौर पर आगाह करते हुए चेतावनी भी दी थी। बावजूद इसके उनकी आदतों में कोई सुधार नहीं हुआ तो पार्टी की ओर से मंगलवार को प्रेस नोट जारी करते हुए उन्हें पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। अमनमणि की इन्हीं हरकतों के चलते उन्हें पहले सपा से भी बाहर किया गया था। सपा से निकाले जाने के कुछ दिन बाद ही उन्होंने बसपा का दामन थाम लिया था। अमनमणि साल 2017 तक समाजवादी पार्टी के टिकट पर इसी नौतनवां सीट से विधायक चुने जाते रहे हैं। इसके बाद वह निर्दलीय भी चुनाव जीते। हालांकि वह 2022 के विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी का दामन थामा था। वह 2022 में पहली बार बसपा के टिकट पर चुनाव लड़े लेकर हार का सामना करना पड़ा था। बताया जा रहा है कि बसपा ने निकाय चुनाव के लिए दूसरे चरण के प्रत्याशियों के नाम तय कर दिए हैं। इन प्रत्याशियों के नामों की घोषणा जिला स्तर पर की जा रही है। आरोप है कि अमनमणि पार्टी द्वारा नामित प्रत्याशी का साथ देने के बजाय दूसरे प्रत्याशियों के समर्थन में प्रचार प्रसार कर रहे हैं।

पटना की मोनिका दास बनी चुनाव आयोग की स्टेट आइकान

देश की पहली ट्रांसजेंडर बैंकर बन रच चुकी हैं इतिहास

पटना, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार की स्टाइलिश ट्रांसजेंडर नाम से मशहूर मोनिका दास को राज्य चुनाव आयोग ने निर्वाचन प्रक्रिया में मंगलामुखी समुदाय की सक्रिय सहभागिता को सुनिश्चित करने के लिए स्टेट आइकान बनाया है। पूर्व में मोनिका दास बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2020 में राज्य की पहली ट्रांसजेंडर पीठासीन पदाधिकारी के रूप में चुनाव कार्यो का संपादन कर चुकी है। देश की पहली ट्रांसजेंडर बैंकर बनकर तीस साल की मोनिका दास इतिहास दर्ज कर चुकी हैं। मोनिका दास वर्तमान में पटना में केनरा बैंक में अधिकारी है। मोनिका दास का जीवन कहानी संघर्षों से भरा रहा है। मोनिका ने एक इंटरव्यू में बताया था कि जब वे तीन साल की थीं तब उनके ट्रांसजेंडर होने की जानकारी हुई। मोनिका के पिता ने उनका नाम गोपाल रखा था। ट्रांसजेंडर होने की वजह से उन्हें घर से लेकर बाहर तक जिल्लत झेलनी पड़ती थी। भाइयों को उनसे शर्म आती थी। बचपन तानों के बीच गुजरा। बचपन में कोई दोस्ती नहीं करता था।

सब मिलकर मजाक उड़ाते थे। मोनिका दास बतातीं है कि वे दिखने में काफी सुंदर हैं। हालांकि, बचपन में चाल-ढाल और बोलचाल लड़कों जैसा था, लेकिन उनकी पर्सनालिटी लड़कियों जैसी थी। मोनिका के मुताबिक, काफी पहले से उनका मन लड़कियों की तरह रहने को करता था। मोनिका बताती हैं कि स्कूल के दिनों में क्लास-मेट उनका मजाक उड़ाते थे। इन सब के कारण मोनिका काफी अलग-थलग रहती थीं। क्लास-मेट ताने देते थे, तो घर आकर खूब रोती थीं।

हालांकि, उन्होंने आत्मविश्वास को टूटने नहीं दिया और ट्रांसजेंडर के तौर पर अपनी अलग पहचान बनाने की ठान ली। उन्होंने मन लगाकर पढ़ाई की और सफलता के करीब बढ़ती चली गईं। उन्होंने नवोदय विद्यालय से 12वीं तक की पढ़ाई की। फिर ग्रैजुएशन पटना यूनिवर्सिटी से किया। मोनिका दास पटना लॉ कालेज से एलएलबी हैं। उनके पिता भगवान दास ढोली सेल्स टैक्स अफसर थे, जबकि मां अनीमा रानी भौमिक बीएसएनएल की रिटायर्ड एम्प्लॉई हैं। मोनिका के दो भाई बैंक में हैं और दो प्राइवेट नौकरी करते हैं।

शॉर्ट सर्किट से हुआ बड़ा नुकसान

आगरा, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। जनपद के सिकंदरा थाना क्षेत्र के एक जूता फैक्ट्री में बुधवार सुबह भीषण आग लग गयी। गार्ड ने फैक्ट्री से धुंआ उठता देख तुरंत मालिक को इसकी जानकारी दी। इसके बाद पुलिस और फायरब्रिगेड को आग की सूचना मिली। मौके पर पहुंची दमकल विभाग की गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने की वजह शॉट सर्किट बताई जा रही है। फिलहाल घटना की जांच की जा रही है। फैक्ट्री में मौजूद ज्वलनशील सामग्री को बाहर निकाला जा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, क्षेत्र के प्राक्षी टावर के पास इंडस्ट्रियल एरिया में कश्यप फुटवियर कंपनी है। इसे दीपक कश्यप संचालित करते हैं। फैक्ट्री में करीब 20 लोग काम करते हैं। लेकिन, आग सुबह लगने के चलते उस समय कोई भी व्यक्ति फैक्ट्री में मौजूद नहीं था। फैक्ट्री में जब आग लगी तब गेट पर मौजूद गार्ड ने फैक्ट्री से धुंआ उठता देखा, तो दीपक कश्यप को इसकी सूचना दी।फैक्ट्री मालिक दीपक कश्यप ने बताया कि उन्होंने आग लगने की सूचना पुलिस कण्ट्रोल रूम को दी। थोड़ी देर में पुलिस आयी। भीषण आग को देखकर तत्काल पुलिस ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी गयी। इसके बाद दमकल की 4 गाड़िया मौके पर पहुंची। आग फैक्ट्री के दूसरे तल पर लगी थीं। दूसरे तल पर जूता बनाने का कच्चा माल तैयार होता था। वहां केमिकल के भी ड्रम मौजूद थे। आग बुझाने के लिए फायरब्रिगेड कर्मियों को कई घंटों तक कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। फैक्ट्री मालिक ने लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई है।

अतीक-अशरफ मर्डर से इरफान सोलंकी को लगा डर

पुलिस के पास पहुंची पत्नी, बोलीं- विधायक जी को सुरक्षा दें

कानपुर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रयागराज में पुलिस कस्टडी में हुई पूर्व सांसद माफिया डॉन अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ अहमद की निर्मम हत्या के बाद कानपुर के सीसामऊ विधानसभा से सपा विधायक इरफान सोलंकी की पत्नी नसीमा ने पुलिस कमिश्नर से मिलकर विधायक पति और अपने परिवार की सुरक्षा की गुहार लगाई है, बताते चलें कि सपा विधायक एक महिला के प्लाट पर आगजनी समेत अन्य मामलों में महाराजगंज जेल में बंद है। वहीं सोमवार को विधायक इरफान की पत्नी ने पुलिस आयुक्त से कुछ अज्ञात लोगों पर घर की रेकी करने का आरोप लगाते हुए अपने और अपने परिवार के साथ अनहोनी होने की आशंका जताई है। जिस पर संज्ञान लेते हुए पुलिस कमिश्नर बीपी जोगदंड ने मामले की जांच थाना प्रभारी को देते हुए सुरक्षा मुहैया कराने के आदेश दिए हैं,

बता दें कि सपा विधायक और उनके करीबियों पर कमिश्नरेट पुलिस लगातार शिकंजा कस रही है। अब तक पुलिस ने इरफान की 100 करोड़ से ज्यादा की संपत्तियों को जब्त कर लिया है। उधर अतीक अहमद और अशरफ की मौत के बाद सपा विधायक का परिवार भी दहशत में आ गया है, उनकी पत्नी का कहना है कि अतीक अहमद से उनके परिवार का कोई नाता नहीं है, लेकिन पूरा परिवार इस हत्याकांड से बहुत डरा हुआ है।

यही वजह है कि सोमवार को जब इरफान सोलंकी को महाराजगंज जेल से कानपुर लाया गया तो उनके परिवार की एक गाड़ी लगातार पुलिस स्कॉट के साथ चलती रही। प्रशासन ने भी प्रयागराज की घटना से सबक लेते हुए कानपुर कोर्ट में मेटल डिटेक्टर पीएसी समेत भारी पुलिस बल को तैनात किया और सपा विधायक इरफान सोलंकी को कड़े सुरक्षा घेरे में कोर्ट में पेश किया गया। इस दौरान आला अफसर भी चौकन्ना बनें रहे।

पटना में अग्रणी होम्स के मालिक के ठिकानों पर ईडी की रेड फ्लैट बुकिंग के नाम 14 करोड़ की ठगी का आरोप

पटना, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। पटना में फ्लैट बुकिंग के नाम पर गड़बड़ी करने वाली हाउसिंग फाइनेंस कंपनी अग्रणी होम्स पर ईडी की टीम ने छापेमारी की है। ईडी की टीम ने पटना में अग्रणी होम्स के मालिक और करीबियों के 5 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की गई है। इसके साथ ही कंपनी के दिल्ली, लखनऊ और वाराणसी सहित अन्य ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। ईडी की टीम ने इस कंपनी के सारे दस्तावेज और डाटा जब्त कर लिया। देर रात तक दस्तावेजों की जांच जारी ही थी।

कंकड़बाग, गोला रोड समेत कई इलाकों में रेड

सूत्रों की मानें तो देर शाम दिल्ली से पटना पहुंची ईडी की टीम अग्रणी होम्स के मालिक आलोक सिंह के घर पहुंची। वहीं एक अलग टीम ने उनके करीबियों, रिश्तेदारों के ठिकानों पर पहुंची। इन इलाकों में योगीपुर, कंकड़बाग, कांटी फैक्ट्री रोड, गोला रोड इलाके शामिल हैं। टीम की यह कार्रवाई देर रात तक जारी रही। हालांकि, इस मामले में ईडी के अधिकारी ने बयान नहीं दिया। बताया जा रहा है कि पटना में फ्लैट बिक्री के एग्रीमेंट डाक्यूमेंट्स, एकाउंट और अन्य दस्तावेज को ईडी के अधिकारियों ने खंगलाा। इसमें कई अनियमितता मिली हैं। ईडी यह कार्रवाई प्रीवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत की है।

फ्लैट बुकिंग के नाम पर 14 करोड़ रुपये गबन

दरअसल, अग्रणी होम्स पर आरोप कि पटना के आम लोगों फ्लैट बुकिंग के नाम पर पैसे लिए गए। यह राशि 14 करोड़ रुपये की थी। इसके बाद उन्होंने न पैसा लौटाया और न फ्लैट दिया। इस मामले में केस हुआ। मामला कोर्ट में पहुंचा। इसके बाद पटना पुलिस ने अग्रणी होम्स के निदेशक आलोक कुमार को छापेमारी कर उत्तर प्रदेश के वाराणसी से गिरफ्तार किया था। अग्रणी होम्स के निदेशक पर पटना के करीब तीन सौ लोगों से ठगी और फ्लैट नहीं देने का आरोप लगा। इस मामले को लेकर लोग भू-संपदा विनियमन प्राधिकरण (रेरा) में भी गए थे, वहां से अग्रणी होम्स को रुपये लौटाने या फ्लैट देने का आदेश निर्गत किया गया था, लेकिन निदेशक ने उसकी अनदेखी की थी। केस करने वाले लोगों को करना है कि पुलिस इस मामले को गंभीरता से ले ताकि सही समय पर सभी के पैसे लौट पाएं।

जदयू विधायक गोपाल मंडल के बेटे का होटल बिग डैडी राख में तब्दील

अगलगी के बाद बोले एमएलए- लिया था करोड़ों का कर्ज

भागलपुर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। भागलपुर के गोपालपुर से जदयू विधायक नरेंद्र कुमार नीरज उर्फ गोपाल मंडल के बेटे आशीष मंडल उर्फ टिंकू के विवादित रेस्टोरेंट बिग डैडी में बुधवार की अलसुबह भीषण आग लग गई। आग की लपटें इतनी भयावह थी कि रेस्टोरेंट के आसपास के छह घर भी उसकी चपेट में आ गए। धू-धू कर जल रहे रेस्टोरेंट और आसपास के घरों को देख स्थानीय व्यक्ति ने अग्निशमन विभाग को दी। अग्निशमन दस्ते को आग पर काबू पाने में दो घंटे से ज्यादा वक्त लग गए। अग्निशमन की कई गाड़ियां बुलानी पड़ी। रेस्टोरेंट में अचानक लगी आग को लेकर विधायक पुत्र आशीष मंडल ने आरोप लगाया है कि यह सब असामाजिक तत्वों के सहयोग से किया गया है। उनसे भूमि संबंधी विवाद को लेकर पुरानी रंजिश रखने वाले प्रापर्टी डीलर लाल बहादुर शास्त्री उर्फ लड्डू शास्त्री और उनके सहयोगियों ने घटना को अंजाम दिया है।

आग लगाने वालों की मंशा आग लगा कर जान से मार डालने और उसे हादसे का रूप देने की थी। रेस्टोरेंट में अगलगी से लाखों का नुकसान हो गया। संयोग था कि सभी लोग सुरक्षित बच गए। घटना की जानकारी विधायक पुत्र ने बरारी थाने को दी है। रेस्टोरेंट के आसपास के घरों के चपेट में आ

जाने से उन घरों में रहने वालों को भी काफी नुकसान हुआ है। नकदी, जेवरात, कपड़े आदि जल गए। विधायक पुत्र ने बताया कि सोमवार को उनके पिता के आवासीय परिसर के सामने भी आग लगाई गई थी। तत्काल स्थानीय लोगों ने ही बुझा दिया था। आग लगने से रेस्टोरेंट का 50 लाख रुपये से अधिक की क्षति का दावा किया गया है। इधर, बरारी पुलिस रेस्टोरेंट मालिक आशीष मंडल की जानकारी पर घटना की छानबीन में जुट गई है। जिला अग्निशमन पदाधिकारी हरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि आग लगने की घटना की छानबीन की जा रही है। जदयू विधायक गोपाल मंडल ने कहा कि उनके बेटे के रेस्टोरेंट में दुश्मनी के कारण आग लगा दी गई है। करोड़ों की लागत से बेटे ने बिग डैडी रेस्टोरेंट का निर्माण कराया था। इसके लिए कितनों से कर्ज लिया था। छह माह सिर्फ रेस्टोरेंट के इंटीरियर डेकोरेशन में समय लगा था। सोचा था कि बेटा अपने पैर पर खड़ा हो रहा है। कोई रोजगार तो मिल गया है। अब पुलिस पता लगाए कि किसने ऐसा किया। बेटे ने तो पुलिस को जानकारी दी है कि किसने आग लगवा कर उसे मार डालने और हादसे का रूप दिये जाने की साजिश रची। अबतक मिली जानकारी के मुताबिक, बरारी थाना क्षेत्र के छोटी हाउसिंग बोर्ड कालोनी मुसहरी के पास स्थित बिग डैडी होलट में शार्ट सर्किट से आग लगने का अनुमान है। हालांकि, होटल में आग लगी है या लगाई गई है, इसको लेकर अभी कुछ भी स्प्ष्ट नहीं है।

जातीय गणना पर रोक के अंतरिम आदेश से पटना हाई कोर्ट का इनकार, पीके शाही ने रखा सरकार का पक्ष

पटना, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार में जातीय गणना को लेकर शुरू से ही बवाल मचा है। इसका दूसरा चरण 15 अप्रैल को ही शुरू हुआ है। 15 मई तक इसे पूरा किया जाना है। इस मामले में पटना हाई कोर्ट ने बिहार में जाति आधारित गणना के दूसरे चरण पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। मुख्य न्यायाधीश के. विनोद चंद्रन व न्यायमूर्ति मधुरेश प्रसाद की खंडपीठ ने इन याचिकाओं पर सुनवाई की। दरअसल, इस संबंध में राज्य सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग की सात मार्च 2023 को जारी अधिसूचना रद्द करने के लिए लगभग आधा दर्जन याचिकाएं पटना हाई कोर्ट में दायर की गई हैं। राज्य सरकार का पक्ष रखते हुए महाधिवक्ता पीके शाही ने कोर्ट को बताया कि दायर अर्जी में आकस्मिक निधि से 500 करोड़ निकालने का आरोप लगाया गया है, जो निराधार है। इससे पहले आवेदक की ओर से सुप्रीम कोर्ट की वरिष्ठ वकील अपराजिता सिंह सहित हाईकोर्ट के वरिष्ठ वकील संजय सिंह, दीनू कुमार, रीतिका रानी, धनंजय कुमार तिवारी, एमपी दीक्षित सहित कई वकीलों ने अपनी-अपनी याचिका पर पक्ष रखना चाहा, लेकिन कोर्ट ने सभी मामलों पर चार मई को सुनवाई करने का आदेश दिया। कई वकीलों ने जाति आधारित गणना पर रोक लगाने का अनुरोध कोर्ट से किया। कोर्ट ने कहा कि इस केस में किसी तरह का अंतरिम आदेश नहीं दिया जाएगा। इधर, एडवोकेट अपराजिता सिंह ने कहा कि सरकार नागरिकों की गोपनीयता के अधिकार में दखल दे रही है। कोई नागरिक जाति का खुलासा नहीं करना चाहता है तो भी उसकी जाति की जानकारी सभी को हो जाएगी। सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का हवाला देते हुए कहा कि राज्य सरकार को ऐसा करने का अधिकार नहीं है।

शहडोल में बड़ा रेल हादसा: 2 मालगाड़ियां आपस में टक्कराईं

1 लोको पायलट की मौत, कई घायल

शहड़ोल, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के शहड़ोल में आज एक बड़ा ट्रेन हादसा हो गया, जहां 2 मालगाड़ियों की आपस में टक्कर हो गई। हादसे के बाद मालगाड़ी की बोगियां ट्रैक के दोनों तरफ गिर गईं, जिसने पास से गुजर रही एक और मालगाड़ी को अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना के बाद इंजन में आग लग गई, वहीं इस हादसे में 1 लोको पायलट की मौत और 3-4 लोग घायल है। इसके अलावा अभी 1-2 लोग अभी भी इंजन के अंदर फंसे हैं, जिनको निकालने के लिए रेस्क्यू जारी है। शहडोल। एमपी के शहडोल के सिंहपुर रेलवे स्टेशन में 2 माल गाड़ियों के टकरा जाने से बड़ा हादसा हो गया है, तो वहीं पास से धीरे-धीरे गुजर रही तीसरी मालगाड़ी पर कुछ डिब्बे भी गिर गए हैं। मौजूदा समय में इंजन पर आग लगी हुई है और बताया जा रहा है कि हादसे में 1 लोको पायलट की मौत हो गई है, वहीं कुछ लोग घायल हैं। इसके अलावा अभी कुछ लोगों की रेल गाड़ी के अंदर फंसे होने की भी खबर सामने आ रही है, जिनके लिए रेस्क्यू किया जा रहा है। फिलहाल एंबुलेंस और फायर बिग्रेड की टीम आ चुकी हैं। मध्यप्रदेश के शहडोल में बड़ा रेल हादसा: दरअसल घटना सुबह करीब 6:45 की है, जहां सिंहपुर स्टेशन पर ही एक मालगाड़ी खड़ी थी, जिसमें 2 इंजन लगे हुए थे। इसी दौरान पीछे से आ रही दूसरी मालगाड़ी स्टेशन पर खड़ी मालगाड़ी पर आकर चढ़ गई, इसकी वजह से यह बड़ा हादसा हुआ। वहीं पास वाले ट्रैक से गुजर रही एक और मालगाड़ी धीरे-धीरे जा रही थी, उसके ऊपर भी कुछ डिब्बे आ गिरे, जिससे पूरे ट्रैक पर टूट गया और हर जगह डिब्बे गिर गए। बता दें कि ये घटना बड़ी गंभीर है क्योंकि मालगाड़ी में टक्कर की वजह से इंजन में आग लग गई और उसमें मौजूद 5-6 लोग फंसे रह गए।

हालांकि मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू टीम ने काम शुरू किया तो 3-4 लोग सुरक्षित निकाले गए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है, लेकिन 1 लोको पायलट की मौत हो गई, इसके अलावा 1 या 2 लोग अभी भी इंजन में फंसे हुए हैं। फिलहाल फंसे हुए लोगों को बाहर निकालने की कोशिश की जा रही है, साथ ही इंजन पर आग बुझाने के लिए फायर बिग्रेड मौके पर पहुंच गई है। हादसे के बाद एंबुलेंस और स्वास्थ विभाग की टीम मौके पर तैनात हैं, साथ ही रेलवे के आला अधिकारी भी अब घटनास्थल पहुंच गए हैं।

अप एंड डाउन दोनों ट्रेनें बंद: घटना के बाद मौके पर लोगों का जमावड़ा लग गया है और फिलहाल सिंहपुर लाइन से ट्रेन का आवागमन बंद हो चुका है। अप एंड डाउन दोनों ट्रेनें बंद हो चुकी हैं, क्योंकि कई डिब्बें रेलवे ट्रैक से उतर गए हैं और पूरी रेलवे लाइन पर ही बोगियां इधर-उधर पड़ी हुई हैं। तस्वीरों को देखकर आप अंदाजा लगा सकते हैं कि हादसा कितना बड़ा और भीषण था।

फिलहाल सिंहपुर लाइन से होकर गुजरने वाली सभी ट्रेनों को रद्ध कर दिया गया है, अब वहां से सभी ट्रेनों की आवाजाही बंद कर दी गई है। लोगों को निकालने के लिए रेस्क्यू जारी है औक रेलवे लाइन कब तक क्लियर हो पाएगी, अभी इसकी कोई जानकारी नहीं है।

कर्नाटक में सामान समेत 187 करोड़ रुपये की नकदी और शराब जब्त

बेंगलुरु, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव 2023 के करीब आने के साथ ही पैसों का खेल जोर पकड़ता जा रहा है। पिछली बार जब्त की गई कुल नकदी, शराब और उपहार इस बार 20 दिनों के भीतर ही जब्त किए गए हैं। चुनाव निगरानी टीम द्वारा 29 मार्च से 17 अगस्त तक जब्त की गई नकदी, शराब, ड्रग्स, कीमती धातु और मुफ्त उपहार की कुल राशि 187.17 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। 2018 के चुनावों के दौरान जब्त की गई शराब, नकदी और उपहारों की कुल राशि 185.74 करोड़ रुपये थी। दूसरे शब्दों में, 2023 के चुनाव में 17 अप्रैल तक जब्त की गई कुल कीमत 2018 के चुनाव की तुलना में तीन गुना बढ़ गई है, राज्य चुनाव आयोग ने एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। जब्त सामानों का विवरण: अब तक कुल 75.17 करोड़ रुपये नकद जब्त किए गए हैं। मुफ्त उपहार के रूप में 19.05 करोड़ रुपए जब्त किए गए। कुल 40.93 करोड़ रुपये की 9,82,756 लीटर शराब, 15.2 करोड़ रुपये की 908 किलोग्राम ड्रग्स, 33.61 करोड़ रुपये की कीमत का 75.30 किलोग्राम सोना और 3.21 करोड़ रुपये की 454.707 किलोग्राम चांदी जब्त की गई। 1550 से अधिक प्राथमिकी दर्ज : विभिन्न एजेंसियों की ओर से 1550 मामले दर्ज कराए गए। इनमें नकदी, शराब, ड्रग्स, कीमती धातु और जब्त उपहार से जुड़े मामले हैं।

चुनाव की घोषणा की तारीख से अब तक कुल 69,104 हथियार जमा किए जा चुके हैं। चुनाव अधिकारियों ने बताया कि 18 हथियार जब्त किए गए हैं और 20 हथियारों के लाइसेंस रद्द किए गए हैं। सीआरपीसी अधिनियम के तहत 4,253 मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें से 6,468 व्यक्तियों से कवर लेटर प्राप्त किए गए। चुनाव की घोषणा के दिन से अब तक 10,817 गैर-जमानती वारंट जारी किए जा चुके हैं। आबकारी विभाग ने 1,984 गंभीर मामले दर्ज किए,

शराब लाइसेंस के उल्लंघन के 1,494 मामले, एनडीपीएस के तहत 69 मामले और कर्नाटक आबकारी अधिनियम, 1965 की धारा 15 (ए), कुल 10,193 मामले और 1,338 विभिन्न प्रकार के वाहन जब्त किए गए। आयकर विभाग ने बेंगलुरु शहर जिले के हेब्बल विधानसभा क्षेत्र से 67.54 लाख रुपये मूल्य का 1.448 किलोग्राम सोना और चिक्कापेट विधानसभा क्षेत्र से 55.83 लाख रुपये मूल्य का 1.457 किलोग्राम सोना जब्त किया है।

खुफिया दस्ते ने शांतिनगर विधानसभा क्षेत्र में 4,79,64,024 रुपये मूल्य का 7.999 किलोग्राम सोना जब्त किया है। चुनाव आयोग के अधिकारियों ने बताया कि निश्चित निगरानी टीम ने बेंगलुरु जिले में 30,00,000 रुपये नकद, रामनगर विधानसभा क्षेत्र से 1.97 करोड़ रुपये नकद और महादेवपुर विधानसभा क्षेत्र से 26,62,521 रुपये नकद जब्त किए हैं।

कठुआ: पुलवामा शहीदों का हिसाब दो

जिला मुख्यालय का घेराव करने पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ता, पुलिस ने रोका

कठुआ, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। जिला कठुआ में बुधवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय का घेराव करने का प्रयास किया। लेकिन भारी पुलिस बल ने बैरिकेट लगाकर रोक दिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिसकर्मियों के बीच हल्की नोकझोंक देखने को मिली। प्रदर्शनकारी पार्टी के सत्याग्रह कार्यक्रम के तहत जम्मू कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक द्वारा पुलवामा हमले की परिस्थितियों में सनसनीखेज खुलासे पर भाजपा सरकार से जवाबदेही तय करने की मांग रहे थे। उन्होंने पुलवामा शहीदों का हिसाब दो, भाजपा सरकार जवाब दो, के नारे लगाए। पार्टी के प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष रमन भल्ला के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता बड़ी संख्या में रैली की शक्ल में मुख्यालय की ओर बढ़े। लेकिन प्रदर्शन की पूर्व सूचना पर पहले ही भारी पुलिस बल बुला लिया गया था। पुलिस ने बेरिकेट लगाकर प्रदर्शनकारियों को आगे जाने से रोक दिया। कई प्रदर्शनकारी बैरिकेट के ऊपर चढ़कर पार करने की कोशिश कर रहे, लेकिन पुलिसकर्मियों ने उन्हें आगे नहीं बढ़ने दिया। रमन भल्ला ने कहा कि पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने महत्वपूर्ण सवाल उजागर किए हैं, जो राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से पूछा कि सीआरपीएफ जवानों को विमान क्यों नहीं दिए गए, जिन्हें बाद में 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के खतरे के बावजूद सड़क मार्ग से जाने के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने कहा कि घटना के चार साल बाद पुलवामा आतंकी हमले की जांच कहां तक पहुंची है। सरकार ने लोकतंत्र के प्रतीक के रूप में इमारतें बनाई हैं, लेकिन लोकतंत्र गायब है। कांग्रेस के कठुआ जिला अध्यक्ष पंकज डोगरा ने कहा कि भाजपा सरकार न्यूनतम शासन और अधिकतम मौन के साथ चल रही है।

शिवराज का कांग्रेस नेताओं पर हमला

बोले- ऊटपटांग बयान देने का अभियान चला रहे हैं कुछ नेता

भोपाल, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस नेताओं पर बड़ा हमला बोला है। उनका कहना है कि कांग्रेस में ऊटपटांग बयान देने का अभियान चल रहा है। ऐसा कहकर उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, दिग्विजय सिंह, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह, विधायक सज्जनसिंह वर्मा और जीतू पटवारी, सब पर हमला बोल दिया। दरअसल, मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव छह-सात महीने दूर हैं। ऐसे में दोनों तरफ से आक्रामक बयानबाजी शुरू हो गई है। नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह ने हाल ही में कहा कि रानी कमलापति को कोई नहीं जानता था, वह तो भाजपा चर्चा में ले आई। इससे पहले जीतू पटवारी ने विधानसभा में सरकार को घेरा तो भाजपा विधायकों की अपील पर विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम ने उन्हें बजट सत्र के लिए सस्पेंड कर दिया था। हाल ही में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, दिग्विजय सिंह और सज्जन सिंह वर्मा के भी इसी तरह के बयान आए हैं। भोपाल के स्मार्ट सिटी पार्क में पौधरोपण करने के बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष आदिवासी नायकों का अपमान करते हैं। उन्हें सिर्फ एक ही खानदान (गांधी परिवार) दिखता है। इसके बाद बेशर्मी से कमलनाथ भी उनका बचाव कर रहे हैं। अब नेता प्रतिपक्ष कह रहे है कि मैं बड़ा नेता बन गया। टक्कर में आ गया। क्या बड़ा नेता बनने के लिए ऊटपटांग बयान देना चाहिए। क्या टक्कर में आने के लिए यह किया जाएगा? शिवराज ने कहा कि अब कांग्रेस में बड़ा नेता बनने की होड़ लगी है। बड़ा कैसे बने? इसके लिए कोई विधानसभा में झूठ बोलता है और निलंबित हो जाता है। कोई विधानसभा में नियमावली फाड़ता है और बड़ा बनने की कोशिश करता है।

कोई दिव्यांग को मारता है और बड़ा बनने की कोशिश करता है। कोई ऐसे बयान देता है कि मध्यप्रदेश और देश में मुस्लिम की संख्या कम हो रही है। यह भी बड़ा नेता बनने के लिए कर रहे हैं। कमलनाथ जी को लगता है कि कहीं वह छोटे ना रह जाए। इसलिए छोटे मियां तो छोटे मियां बड़े मियां सुभान अल्लाह।।। वह (देवास जिले के) खातेगांव में जाकर बयान देते है कि खातेगांव के मतदाता नशे में है। वह लगातार भाजपा को जीता रहे हैं। इस वजह से नशे में है। क्या यह जनता का अपमान नहीं है।

हरियाणा सरकार को हाई कोर्ट से झटका

मनसा देवी मंदिर के पास मीट बैन के आदेश पर लगाई रोक

चंडीगढ़, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने हरियाणा सरकार के मनसा माता देवी मंदिर परिसर के आस-पास मीट बैन के आदेश पर अगली सुनवाई तक के लिए रोक लगा दी है। जस्टिस विनोद एस भारद्वाज ने मीट व्यापारियों की याचिका पर यह आदेश जारी किया। हरियाणा सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव, शहरी स्थानीय निकाय विभाग ने 20 दिसंबर, 2022 के आदेश के माध्यम से माता मनसा देवी मंदिर के आस-पास को पवित्र क्षेत्र घोषित किया था। इसके साथ ही यहां पर मांस और मांस उत्पादों की बिक्री और खरीद पर रोक लगा दी थी। याचिकाकर्ताओं ने फैसले के खिलाफ कोर्ट का रुख किया। सुनवाई के दौरान उन्होंने तर्क दिया कि फैसले के बारे में उन्हें कोई सार्वजनिक सूचना नहीं दी गई थी। साथ ही यह भी कहा कि आदेश किसी भी वैधानिक प्रावधान का उल्लेख नहीं करता था जिसके तहत ऐसी घोषणा जारी की गई थी। इसमें आगे कहा गया कि बिना किसी वैधानिक आधार के याचिकाकर्ताओं को उनके व्यवसाय को चलाने से रोकने की कार्रवाई की गई और उन्हें दिए गए अधिकारों का उल्लंघन है। यह आगे तर्क दिया गया कि याचिकाकर्ताओं को उक्त क्षेत्र में मांस और मांस उत्पादों की बिक्री और खरीद के लिए सक्षम प्राधिकारी ने विधिवत लाइसेंस जारी किया था, जिसमें उन्हें कानून के अनुसार बिजनेस करने का वादा किया गया था। कोर्ट ने अगली सुनवाई तक आदेश पर रोक लगाते हुए राज्य को जवाब दाखिल करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 7 अगस्त को होगी।

शिवराज सरकार के फैसले से मुश्किल में मुस्लिम कर्मचारी

मैहर मंदिर समिति से हटाने के आदेश

मैहर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की सरकार ने मां शारदा देवी प्रबंध समिति को मुस्लिम कर्मचारियों को हटाने के आदेश दिए हैं। इसी के साथ सरकार ने इस धार्मिक नगरी से मांस और मदिरा की दुकानों को भी बंद करने को कहा है। सरकार के इस फैसले से मंदिर समिति में काम कर रहे दो मुस्लिम कर्मचारियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। यह दोनों कर्मचारी नियमित हैं और साल 1988 से कार्यरत हैं। लेकिन सरकार के इस फरमान के बाद इन कर्मचारियों की नौकरी पर संकट खड़ा हो गया है। यह कर्मचारी आबिद हुसैन हैं और वह विधिक सलाहकार की भूमिका में हैं। वहीं दूसरे कर्मचारी अयूब खान जल व्यवस्था संभाल रहे हैं। राज्य सरकार की ओर से यह आदेश उप सचिव पुष्पा कलेश के हस्ताक्षर से जारी किया गया है।

इसमें उन्होंने विभाग के मंत्री के हवाले से बताया है कि धार्मिक नगरी मैहर में मांस मदिरा की दुकानों को तत्काल प्रभाव से बंद किया जा रहा है। इसी के साथ उन्होंने बताया है कि मां शारदा देवी मंदिर प्रबंध समिति में अब मुस्लिम कर्मचारी काम नहीं कर सकेंगे। पांच अप्रैल को जारी यह आदेश अब मंदिर प्रबंध समिति तक पहुंच चुका है। इस आदेश के बाद से ही मंदिर समिति में कार्यरत दोनों कर्मचारियों की नौकरी खतरे में पड़ गई है। इन कर्मचारियों का कहना है कि 35 साल की सेवा के बाद उन्हें उम्मीद नहीं थी कि इस प्रकार से सरकार एक झटके में उन्हें बाहर कर देगी। उधर, मैहर एसडीएम एवं मां शारदा प्रबंध समित के प्रशासक धर्मेंद्र मिश्रा ने बताया कि सरकार का पत्र मिला है। जल्द ही मंदिर प्रबंध समिति की बैठक बुलाकर इस पत्र के संबंध में विचार विमर्श किया जाएगा। इसके बाद जो भी निर्णय होगा, उसके मुताबिक आगे की कार्रवाई होगी। इससे पहले सतना जिले के एक हिंदू संगठन की ओर से मंत्री उषा ठाकुर को ज्ञापन सौंपा गया था। इसमें संगठन ने मां शारदा प्रबंध समिति के क्षेत्राधिकार से मुस्लिम कर्मचारियों को बाहर करने और शहर से मांस और मदिरा की दुकाने हटाने की मांग की गई थी। मंत्री ऊषा ठाकुर ने इस पत्र के संदर्भ में विभागीय अधिकारियों से जवाब मांगा था।

ओडिशा के बरगढ़ में दो पत्नियों के साथ पति का मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

बरगढ़, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। ओडिशा के बरगढ़ जिले में एक व्यक्ति अपनी दो पत्नियों के साथ घर में मृत पाया गया। यह घटना मंगलवार को भेदेन थाने के अखजीफुता गांव में हुई। अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) अमृत कुमार पांडा ने बताया कि मृत शरीर की पहचान 60 वर्षीय टंकाधर साहू और उनकी पत्नियां 55वर्षीय द्रौपदी साहू और 50 वर्षीय माधवी साहू के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि तीनों के शरीर में गहरे चोट के निशान भी मिले और पूरा शरीर खून से लथपथ था। पुलिस ने बताया कि पहली पत्नी से उसे संतान की प्राप्ति नहीं हुई तो यह जानते हुए भी कि भारत में दूसरी शादी अवैध है उसने दूसरी शादी की। जब तीनों का शव मिला तो घर अंदर से बंद था। फिलहाल पुलिस ने केस दर्ज कर जांच में जुटी हुई है।

पंजाब किडनी कांड: तीन और फर्जी मामले सामने आए

तीन सदस्यीय एसआईटी ने किया खुलासा

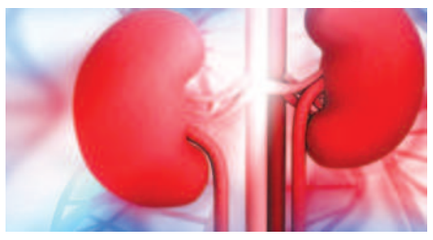

डेराबस्सी (पंजाब), 19 अप्रैल (एजेंसियां)। इंडस इंटरनेशनल अस्पताल के किडनी कांड में बड़ा खुलासा हुआ है। एसआईटी की जांच में तीन और फर्जी मामले सामने आए हैं। इससे पहले चार फर्जी मामले सामने आए थे। तीन और मामले सामने आने के बाद अब तक सात मामले सामने आ चुके हैं। पिछले तीन साल में अस्पताल ने 35 किडनी ट्रांसप्लांट की है। इनमें से सिर्फ दो मामले एक-दूसरे से संबंधित नहीं थे, जिसमें सेंट्रल कमेटी से मंजूरी ली गई थी जबकि 33 मामलों में किडनी देने और लेने वाले के करीबी रिश्तेदार बताए गए। इसमें मरीज और डोनर की उम्र के आधार पर कभी लड़का तो कभी भाई या अन्य रिश्तेदार दिखाया। नियमों के अनुसार किसी भी जरूरतमंद मरीज को उसके परिजन ही किडनी दे सकते हैं, जिसके लिए किसी अस्पताल को बाहरी मंजूरी की जरूरत नहीं होती, जिसे अस्पताल की ओर से गठित समिति की ओर से अनुमोदित किया जा सकता है। बशर्ते अस्पताल कमेटी यह जरूर जांच करेगी कि जरूरतमंद मरीज को किडनी देने वाला उसका सगा रिश्तेदार है, इसके लिए कुछ दस्तावेजों को भी जरूरी रखा गया है। सिस्टम की इसी कमजोरी का फायदा उठाकर अस्पताल गरीब को पैसे का लालच देकर लाखों रुपये में किडनी बेच रहा था। अस्पताल में इसका खुलासा तब हुआ, जब सिरसा के 28 वर्षीय युवक कपिल को पैसों का लालच दिया और उसकी किडनी निकालकर लाखों रुपये में बेच दी। मामले के तूल पकड़ने के बाद पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

अस्पताल के कोऑर्डिनेटर अभिषेक और उत्तर प्रदेश निवासी राम नारायण को गिरफ्तार करने के बाद आगे की जांच के लिए एक एसआईटी का गठन किया गया। किडनी ट्रांसप्लांट के 35 मामलों में से 28 की जांच एसआईटी ने की है, जिनमें से 7 मामले फर्जी पाए गए हैं, जबकि 7 मामलों की जांच बाकी है। अभी तक जो सात मामले सामने आए हैं उनमें जालंधर, लुधियाना, कुरुक्षेत्र, बनूड़, मेरठ, बरेली और सिरसा के लोग शामिल हैं। थानाध्यक्ष जसकंवल सिंह ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि सभी मामलों में किडनी देने वाले को अपना रिश्तेदार बताने के लिए तैयार किए गए सभी दस्तावेज जाली थे। उन्होंने कहा कि 8 मामलों में से कुछ और फर्जी मामले सामने आ सकते हैं।

अब्बास अंसारी की मुश्किलें बढ़ीं, हेट स्पीच मामले में जमानत याचिका खारिज

मऊ, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव के दौरान एक जनसभा में अधिकारियों को धमकी देने के मामले में आरोपी विधायक अब्बास अंसारी की ओर से सीजेएम एमपी/ एमएलए कोर्ट में जमानत के लिए अर्जी दी गई थी। जिस पर सीजेएम श्वेता चौधरी ने अब्बास अंसारी के अधिवक्ता और सहायक अभियोजन अधिकारी रविंद्र प्रताप यादव के तर्कों को सुनने तथा केस डायरी का अवलोकन करने के बाद जमानत अर्जी खारिज कर दी। मामला शहर कोतवाली क्षेत्र का है। अभियोजन के अनुसार एसआई गंगाराम बिंद की तहरीर पर शहर कोतवाली में अपराध संख्या 97/22 धारा 506, 171च भादवि के तहत एफआईआर दर्ज हुई। इसमें सदर विधायक अब्बास अंसारी व अन्य को आरोपी बनाया गया।

पुंछ में अनुपस्थित रहने के चलते 14 कर्मचारी निलंबित 21 अन्य को कारण बताओ नोटिस जारी

जम्मू, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू संभाग के जिला पुंछ में बिना किसी उचित कारण के अपने वैध कर्तव्यों से अनुपस्थित रहने के चलते 14 कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है। इसके अलावा, जल शक्ति, पीएमजीएसवाई और फ्लोरीकल्चर विभागों के कुछ राजपत्रित अधिकारियों सहित 21 कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। पुंछ जिला उपायुक्त इंदर जीत की तरफ से यह कार्रवाई की गई है।

कुपवाड़ा: बिना काम 6.12 करोड़ का भुगतान

3600 स्ट्रीट लाइट में से एक भी नहीं लगी, एसीबी रिपोर्ट में खुलासा

श्रीनगर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में बिना काम कराए ही इलेक्ट्रिक डिवीजन (ईडी) ने ठेकेदारों को 6.12 करोड़ का भुगतान कर दिया। इसका खुलासा भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की जांच रिपोर्ट में हुआ है। कश्मीर पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (केपीडीसीएल) ने इस मामले में दो इंजीनियरों को मुख्यालय से अटैच कर मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। इस पैसे से 3,600 सोलर स्ट्रीट लाइटों को लगाया जाना था। एसीबी ने पाया कि एक भी स्ट्रीट लाइट को नहीं लगाया गया है। इलेक्ट्रिक डिवीजन ने यह पैसा कोषागार से निकाला था। प्रबंध निदेशक

केपीडीसीएल, यासीन एम चौधरी ने इस संबंध में एक आदेश जारी किया है। आदेश में लिखा है कि अधीक्षण अभियंता सोपोर को जांच अधिकारी बनाया जाता है। वह इस पूरे प्रकरण की जांच कर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा की गई सिफारिशों के संबंध में एक विस्तृत रिपोर्ट पेश करेंगे। आदेश में आगे कहा गया है कि प्रभारी सहायक अभियंता मुदासिर इस्माइल और कनिष्ठ अभियंता मंजूर हसन चौधरी को तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक केपीडीएल मुख्यालय से संबद्ध किया जाता है। इस अवधि में जांच अधिकारी अपने काम को अंजाम देंगे।

भुगतान वसूलने और दोषियों पर कार्रवाई की सिफारिश

एसीबी के अनुसार, इस पूरे मामले में निविदा रद्द करने और भुगतान की वसूली करने सहित दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की सिफारिश की है। सब डिवीजन कुपवाड़ा और सब डिवीजन त्रेहगाम के एईई और जेई दोनों ने कार्यकारी अभियंता ईडी कुपवाड़ा को सूचित किया कि आवंटित कार्यों को वित्तीय वर्ष के अंत में केवल दो या तीन दिनों में निष्पादित करना असंभव था।

रामबन में पुलिस ने कार से जब्त किए 9.35 लाख, दो गिरफ्तार

रामबन पुलिस ने धर्मकुंड की ओर जा रही कार से 9.35 लाख रुपये की नकदी बरामद की है। वहीं, कार चालक सहित दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों की पहचान शब्बीर अहमद शान निवासी नील रामसू और तारिक अहमद निवासी नादिका, तहसील खारी (रामबन) के रूप में हुई है। पुलिस ने कार को जब्त कर मामला दर्ज कर लिया है। वहीं, राजस्व विभाग के संज्ञान में भी मामला लाया गया है। जानकारी के अनुसार,थाना धर्मकुंड की एक टीम ने नाका चेकिंग के दौरान ऑल्टो (जेके19-5854) कार को रोका। कार को शब्बीर अहमद चला रहा था। चेकिंग के दौरान कार में बैठे तारिक अहमद के पास से एक बैग बरामद किया गया। बैग से 500 के 1870 नोट (9,35,000) बरामद किए गए। पूछताछ के दौरान, उन्होंने बताया कि वह एक ठेकेदार के साथ काम कर रहा है। परंतु वह इतनी बड़ी मात्रा में नकदी रखने का औचित्य सिद्ध करने में विफल रहा।

बहला फुसला कर नाबालिग के साथ किया दुष्कर्म

मंगलुरु, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक की फास्ट ट्रैक पॉक्सो अदालत ने नाबालिग से दुष्कर्म करने के मामले में आरोपी को 20 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही कोर्ट ने सरकार को पीड़िता को 1।5 लाख रुपए मुआवजा देने का भी निर्देश दिया है। उडुपी जिले की फास्ट ट्रैक पॉक्सो कोर्ट ने ये सजा दो साल पहले नाबालिग से दुष्कर्म करने के संदर्भ में ये सजा सुनाई है। आरोप है कि पीड़िता के साथ कई बार दुष्कर्म किया गया है।

जानकारी के मुताबिक, दोषी साहिल शिवमोग्गा जिले के सागर कस्बे में एक होटल के पास एक दुकान में काम करता था। उडुपी के बेंदूर की रहने वाली पीड़िता सागर में रह रही थी क्योंकि उसके पिता का वहां होटल है। इस दौरान युवक उसके साथ संबंध बनाने लगा। इसके बाद जुलाई 2021 में साहिल ने पीड़िता के बर्थडे पार्टी के लिए बिंदूर की यात्रा की। बर्थडे पार्टी के बाद वो पीड़िता को सुनसान जगह पर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। चार्जशीट में कहा गया है कि युवक ने उससे शादी करने का वादा किया और पहली घटना के बाद बार-बार इस कृत्य को अंजाम दिया।

इसके बाद पीड़िता की मां को जब पता चला तो बिंदूर थाने में शिकायत दर्ज करवाई गई। मिले सबूतों के आधार पर फास्ट ट्रैक कोर्ट के न्यायाधीश श्रीनिवास सुवर्णा ने आरोपी को दोषी करार देते हुए उसे 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई और 22,500 रुपये का जुर्माना लगाया है।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 20 अप्रैल- 2023

महंगाई से राहत

महंगाई की दर में लगातार आई कमी से लोगों ने राहत की सांस ली है। सोमवार को आई रिपोर्ट के अनुसार थोक महंगाई दर उनतीस महीनों के निचले स्तर 1.34 पर पहुंच गई है। इसके बावजूद कुछ खाद्य वस्तुएं ऐसी हैं जिनकी कीमतें अब भी काबू से बाहर ही नजर आ रही हैं। खुशी की बात यह है कि खुदरा महंगाई भी रिजर्व बैंक द्वारा तय ऊपरी छह फीसद के स्तर से नीचे उतर कर 5.66 प्रतिशत तक आ गई है। बता दें कि बीते छह महीने से थोक महंगाई एक अंक में बनी हुई है, जबकि पिछले साल मार्च में यह 14.63 प्रतिशत तक पहुंच गई थी। थोक महंगाई दर में यह गिरावट विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में कमी की वजह से आई है। खासकर कपड़ा उत्पादन और धातुओं की कीमतों में जबर्दस्त गिरावट दर्ज हुई है। कीमतों में आई कमी की सबसे बडी वजह ऱ्इंधन के दाम में कमी भी बताई जा रही है। सब जानते हैं कि बीते कई महीने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें ऊपर का रुख किए हुई थीं। ऊपर से रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से आपूर्ति श्रृंखला में भी व्यवधान आ रहा था। इसके चलते ईंधन के दाम पर काबू कर पाना मुश्किल हो रहा था। पिछले दिनों पेट्रोल-डीजल और गैस की कीमतों में कमी की गई। जिसका असर वस्तुओं की कीमतों पर भी पड़ा है। फिर भी खाद्य वस्तुओं की कीमतों में उतनी कमी नहीं आ पाई है जितनी की अपेक्षा की गई थी। बता दें कि रिजर्व बैंक खुदरा महंगाई पर ही नजर रखता है और उसी के अनुरूप अपनी ब्याज दरों में बदलाव का फैसला करता है। पिछली मौद्रिक नीति में उसने रेपो दरों में कोई बदलाव इसीलिए नहीं किया कि उसे यकीन था कि महंगाई का रुख नीचे की तरफ जाने वाला है। अंततः उसका अनुमान सही साबित निकला। इसके बावजूद अब भी दूध, फल और सब्जियों के दाम थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। इससे आम लोगों की जेब पर इसके दाम भारी पड रहे हैं। सरकार को भी इस दिशा में विचार करने की जरूरत है। गेहूं, मोटे अनाज और धान जैसे अनाज की कीमतें जरूर कुछ कम हुए हैं, मगर जिस तरह मौसम का मिजाज बदल रहा है और गेहूं की कटाई के समय ही देश भर में तेज हवाओं, बारिश और ओलावृष्टि ने फसलों को चौपट किया है, उसका असर आने वाले दिनों में पडना निश्चित है। बता दें कि महंगाई के आंकड़े थोक मूल्य सूचकांक के मुताबिक ही आंके जाते हैं, जबकि दुकानों पर इसका असर वैसा नहीं पडता। इसलिए भी वास्तविक उपभोक्ता पर इस घटी हुई दर का कितना असर हुआ है, कहना मुश्किल है। फिर भी महंगाई में गिरावट का यह रुख राहत देने वाला है। थोक महंगाई उतर कर डेढ़ फीसद से भी कम पर पहुंचना साबित करता है कि औद्योगिक उत्पादन में तेजी आ रही है। अभी तक उद्योगों में सुस्ती का आलम था और बाजार में अपेक्षित खपत न हो पाने की वजह से उनके चक्के भी थम से गए थे। इससे देश के बाजारों से रौनक गायब थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी संकुचन स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था। बहरहाल, निर्यात की दर लगातार घट रही है। यानी भारी उद्योगों को अपना उत्पादन घरेलू बाजार में ही खपाना पड़ रहा है। इससे भी थोक महंगाई की दर में लगातार कमी आती जा रही है। हालांकि महंगाई काबू में रहती है, तो अर्थव्यवस्था के मजबूत होने का भरोसा बढ़ता है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय बाजार में मंदी की छाया घिरी होने की वजह से अगर भारी उद्योगों की उत्पादन दर में तेजी नहीं आ पा रही है, तो महंगाई टूटने के बावजूद अर्थव्यवस्था में मजबूती का दावा करना अभी जल्दबाजी होगी।

13 लोगों की मौत, सैकड़ों घायल , जिम्मेदार कौन ?

अशोक भाटिया

हाल ही में हुई नवी मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान भीषण गर्मी से 13 लोगों की मौत के बाद सवाल उठ रहे हैं। खारघर इलाके के सेंट्रल पार्क में आयोजित महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार के दौरान हजारों की भीड़ जुटी थी। प्रचंड गर्मी और लू की वजह से तकरीबन सवा सौ लोग बीमार हो गए हैं। 24 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया । घटनास्थल पर बदइंतजामी को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। इस कार्यक्रम में केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी मौजूद थे।

रविवार को सुबह 11 बजे आयोजित महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार समारोह में महाराष्ट्र के दूरदराज के इलाकों से हजारों लोग पहुंचे थे। इसके अलावा मध्य प्रदेश, कर्नाटक और गुजरात से भी लोग आए थे। लोग कई घंटे तक तेज धूप के नीचे खड़े थे। आयोजकों की ओर से भीड़ को धूप से बचाने के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं किये गए थे। सीधे धूप की चपेट में आकर 120 से ज्यादा लोग बीमार पड़े, जिसमें कल ही 13 लोगों की जान चली गई, जबकि आज एक व्यक्ति ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। गर्मी और लू लगने से इस कार्यक्रम में 13 लोगों की मौत हो चुकी है। मृतकों में आठ महिलाएं भी शामिल हैं। शवों को परिवार वालों के हवाले कर दिया गया है। रायगढ़ जिला सूचना अधिकारी के अनुसार, खारघर के आसपास पांच अस्पतालों में 44 लोगों को भर्ती कराया गया था। इनमें से 20 का अब भी इलाज चल रहा है और अन्य को अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई है।

पनवेल निगम आयुक्त गणेश देशमुख ने कहा कि सभी शवों की पहचान कर ली गई है और डॉक्टरों द्वारा पोस्टमार्टम किया गया है। शवों को अंतिम संस्कार के लिए उनके रिश्तेदारों को सौंप दिया गया है। पनवेल नगर निगम के उपायुक्त विठ्ठल डाके ने कहा कि कमोठे के एमजीएम अस्पताल में आठ मरीजों का इलाज जारी है, जबकि एक व्यक्ति दूसरे अस्पताल में भर्ती है।सभी मरीजों की हालत स्थिर है। बाकी मरीजों को छुट्टी दे दी गई है। नवी मुंबई पुलिस की आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि कोई भगदड़ नहीं हुई। अत्यधिक गर्मी के कारण कई महिलाएं बेहोश हो गईं और ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने उन्हें प्राथमिक उपचार के लिए भीड़ के बीच मोटरसाइकिल पर बिठाकर चिकित्सा सहायता केंद्रों तक पहुंचाया । घटनास्थल के सबसे नजदीकी मौसम विज्ञान केंद्र ने अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया था।

महाराष्ट्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अजित पवार ने इस बात की जांच की मांग की है कि नवी मुंबई में दोपहर के समय जब तापमान बहुत अधिक होता है तो महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार समारोह का आयोजन कैसे किया गया। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने रविवार को कार्यक्रम में आध्यात्मिक नेता और समाज सुधारक अप्पासाहेब धर्माधिकारी को महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया। धर्माधिकारी के पौधारोपण अभियान, रक्तदान और चिकित्सा शिविरों के साथ-साथ आदिवासी क्षेत्रों में नशामुक्ति कार्यों के कारण राज्य में बड़े पैमाने पर अनुयायी हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट करके कहा कि कल के महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार समारोह में शामिल हुए लोगों की मौत से मुझे गहरा दुख हुआ है। मैं मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं उन लोगों के ठीक होने की प्रार्थना करता हूं जिनका वर्तमान में इलाज चल रहा है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मौतों को बहुत दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया था और कहा था कि मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा।

श्रमिक संघ के नेता श्रीरंग बारगे ने कहा कि राज्य सरकार को पता होगा कि धर्माधिकारी के बड़ी संख्या में अनुयायी हैं और कार्यक्रम में लाखों लोग आ सकते हैं तो पानी, छाया की व्यवस्था क्यों नहीं की गयी। कांग्रेस ने महाराष्ट्र में पुरस्कार समारोह के दौरान भीषण गर्मी की चपेट में आने से 13 लोगों की मौत पर दुख जताते हुए इसे गैर इरादतन हत्या का मामला करार दिया और कहा कि राज्य की भारतीय जनता पार्टी-शिवसेना सरकार इसकी जिम्मेदारी ले तथा जवाबदेही सुनिश्चित की जाए।

नवीं मुंबई के खारघर में 305 एकड़ में फैले इंटरनेशनल कॉरपोरेट पार्क में रविवार सुबह खुले में पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया था जिसमें धर्माधिकारी के लाखों समर्थक इस भव्य कार्यक्रम में पहुंचे थे। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने धर्माधिकारी को महाराष्ट्र महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार प्रदान किया। इस कार्यक्रम लिए लोग सुबह से ही आने लगे थे और यह कार्यक्रम करीब साढ़े 11 बजे शुरू हुआ एवं एक बजे तक चला। इनमें से कई लोग तो शनिवार को ही आ गये थे।एक बात खास ध्यान देने वाली है कि कार्यक्रम के बारे में काफी चौंकाने वाली जानकारियां सामने आई हैं। खबरों के मुताबिक, सरकार हर साल जो महाराष्ट्र भूषण सम्मान देती है, उसमें 25 लाख रुपये की सम्मान निधि सम्मान पाने वाले व्यक्ति को दी जाती है। अब तक जो सम्मान समारोह आयोजित किए जाते रहे हैं, वे किसी सभागृह आदि में आयोजित होते थे, जिनका खर्च भी कुछ लाख रुपये ही आता रहा है। लेकिन इस बार सरकार ने खारघर में स्थित 305 एकड़ के खुले मैदान में यह सम्मान समारोह आयोजित किया, जिस पर सरकार ने 13 करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च कर दिया है।

लोगों का प्रश्न है कि आयोजको को सोचना चाहिए कि इस तरह के आयोजन या समारोह में किस तरह के लोग जाते हैं, आबादी का कौन सा वर्ग ले जाया जाता है, वह देखना चाहिए। आप पाएंगे कि हमारे समाज का जो सबसे वंचित तबका है, वह इस तरह के समारोहों में जाता है। या तो इनको ले जाया जाता है, या इनसे वादे किए जाते हैं, या फिर पैसे पर या खाने-पीने पर ले जाए जाते हैं। ये हमारा मूल देश है। हमें समझना चाहिए कि किस तरह की आबादी के बीच में हमारी सत्ता जिंदा है।

रैलियों में जानेवाली भीड़ हो या मंदिरों की कतारों में, चुनावी जनसभाओं में जाने वाली जनता हो या बाकी इस तरह के किसी भी जलसे में जानेवाली भीड़, उसकी प्रकृति को हमें समझना चाहिए।

भले ही जितने लोग मरे हैं, उनके परिजनों को पांच लाख देने की घोषणा हुई है। अब ये सोचिए कि अगर जो संख्या बताई जा रही है, यानी 13 मृतकों की, अगर उससे 100 गुणा या 1000 गुणा बड़ी संख्या हो, तो आप क्या करेंगे? ये हमारे यहां का कल्चर बन गया है कि जो सबसे पहली प्रतिक्रिया होती है, इस तरह के हादसों में वह संवेदना की नहीं, जांच की नहीं होती, पश्चात्ताप की नहीं होती और जो लोग इस तरह के आयोजनों में दोषी हैं, उनको दंडित करने की नहीं होती, मुआवजे की होती है। हमारा जो पूरा सिस्टम है, वह मुआवजे पर चल रही है। यह वही संस्कृति है कि 80 करोड़ लोगों को रोजगार न दो, अनाज दे दो।

इस तरह के आयोजनों में लोग आते हैं, मरते हैं। स्कूलों में बच्चियां खड़ी रहती हैं धूप में, मुख्य अतिथि के इंतजार में। वह आखिर गश खाकर गिर जाती हैं। लोग घंटों इंतजार करते हैं। हमारी पूरी व्यवस्था का दम घुट रहा है, उसमें खुली हवा नहीं है, ये उसका एक नमूना है। आप पचासों घटनाएं पाएंगे जिसमें भगदड़ से, दम घुटने से या ऐसी ही किसी वजह से कई दर्जन लोग मारे जाते हैं।

मंदिरों में लोग मारे जाते हैं, रैलियों में लोग मरते हैं। इन सभी में आखिर होता क्या है? एक मुआवजे की घोषणा होती है और उसके बाद वह पूरा मामला बंद हो जाता है।

आप देखिए, अभी चुनावी मौसम है। सभी तरह के चुनाव होने हैं, तो यह और बढेगा। कर्नाटक के बाद मध्यप्रदेश में चुनाव हैं। छत्तीसगढ़, राजस्थान ये सभी इस तरह के इलाके हैं, जहां हीट वेव चलेगी। वहां लोगों को इसी तरह से लाया जाएगा। वे घंटों बैठेंगे और धूप में रहेंगे और फिर मौतें होंगीं।

लोग ये जानना भी जानना चाहते हैं कि इतनी व्यवस्था के बावजूद इतने लोग क्यों मर गए? या तो इनके मरने का एक कारण एक ये हो सकता है कि ये इतने कुपोषित थे कि सारी व्यवस्था और इलाज के बावजूद मर गए। हमारी जो पॉपुलेशन इस तरह की है, जो गरीब है, कुपोषित है, अभाव में जी रही है। इस तरह के पॉपुलेशन को आप चाहे किसी भी तरह के जलसे या समारोह में ले जा सकते हैं। इनकी कोई वैचारिक प्रतिबद्धता नहीं है। इनको केवल दिखाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

पुलिस फिर सवालों के घेरे में !

रजनीश कपूर

कुख्यात अपराधी अतीक अहमद के बेटे असद अहमद के एनकाउंटर का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि पुलिस हिरासत में मेडिकल जाँच के लिये जाते समय अतीक और उसके भाई अशरफ़ की हत्या कर दी गई। इस घटना से पुलिस प्रशासन एक बार फिर से सवालों के घेरे में आ गई है। उस पर कई तरह के सवाल उठने लग गये हैं। सरकार ने भी जाँच के आदेश दे दिये हैं, जिसकी रिपोर्ट आने पर ही सही कारण का पता चलेगा।

जब भी कभी ऐसी घटना घटती है तो राजनेता इस पर अपनी राजनैतिक रोटियाँ सेकने से पीछे नहीं हटते। हमेशा की तरह विपक्ष और सत्तापक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो जाता है। पर यहाँ सवाल राजनीति का नहीं है। सवाल पुलिस की कार्यशैली का है। पुलिस की हिरासत में विचाराधीन कैदियों का फ़िल्मी अन्दाज़ में मारा जाना पुलिस व्यवस्था को शक के घेरे में लाती है। ऐसा नहीं है कि इस तरह की घटना पहली बार हुई हो। अफ़सोस की बात है कि कई बार पहले हो चुकी ऐसी घटनाओं से पुलिस प्रशासन ने कोई सबक़ नहीं लिए।

हत्या अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ़ की हुई हो या किसी और विचाराधीन कैदी की ऐसी घटना की जितनी भी निंदा की जाए उतनी कम है। विचाराधीन कैदी कितना कुख्यात है, उसे कितनी कठोर सज़ा मिलनी चाहिए, ये काम अदालत का है। यदि अदालत के बजाय बदले की भावना से सड़कों पर न्याय होने लगे तो भारत को गणतंत्र के बजाय 'गन'-तंत्र कहा जाने लगेगा। सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में हम सभी ने देख कि कोरोना काल के दौरान जब सभी कुछ घर बैठे हो सकता है। तो ऐसे कुख्यात अपराधी व विचाराधीन क़ैदियों को न्यायालय के सामने भौतिक रूप से उपस्थित करना कहाँ तक उचित है? ख़ासतौर से जब पुलिस के पास इस बात की जानकारी हैं कि ऐसे क़ैदियों को छुड़ाया जा सकता है या उन पर हमला हो सकता है। तो क्या कारण था कि साबरमती की जेल से लगभग 1300 किलोमीटर की दूरी सड़क मार्ग से ही पूरी की गई? इस पूरी यात्रा पर जो खर्च हुआ उससे काफ़ी कम ख़र्च में क़ैदियों को दूसरे साधनों से भी लाया जा सकता था। ग़ौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में ही एक कुख्यात अपराधी को आजीवन कारावास की सज़ा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनाई गई थी।

क्या अतीक और उसके भाई अशरफ़ की मेडिकल जाँच सुरक्षित माहौल में प्रयागराज के जेल में नहीं हो सकती थी? इन दोनों अपराधियों की संवेदनशीलता और सुरक्षा के चलते पुलिस को अदालत में इस बात को भी उठाना चाहिए था कि दोनों अपराधियों की मेडिकल जाँच जेल में ही हो। यदि उनकी मेडिकल जाँच के लिये उनको अस्पताल ले जाना ही था तो एक कड़ा सुरक्षा घेरा क्यों नहीं बनाया गया? ऐसी क्या मजबूरी थी कि इस जाँच को रात में ही होना था? इस जाँच की सूचना मीडिया को किस ने दी और क्यों दी? ये सूचना इन युवकों तक कैसे पहुँची? किसी भी विचाराधीन कैदी को मीडिया से बात करने की अनुमति नहीं होती है तो ऐसी अनुमति किस अधिकारी ने दी? जो मीडियाकर्मी इन क़ैदियों के इतने नज़दीक आ गये थे क्या उनकी तलाशी हुई थी? दोनों क़ैदियों को एक ही हथकड़ी से बांधा जाना क्या सही था? जिन विचाराधीन क़ैदियों की सुरक्षा को लेकर पहले से ही कई तरह के संदेह बने हुए थे, उनकी सुरक्षा में अनुभवी पुलिसकर्मियों को क्यों नहीं लगाया गया? यदि इन अपराधियों को ले जा रहे पुलिसकर्मी चौकन्ना रहते तो शायद ये वारदात न हो पाती।

वारदात को अंजाम देने वाले युवकों को सीधा न्यायिक हिरासत में क्यों भेजा गया? उनका पुलिस रिमांड क्यों नहीं माँगा गया? वारदात के कई दिनों बाद तक पुलिस रिमांड का ना लेने से क्या इस कांड के मास्टरमाइंड को सुबूतों को मिटाने व देश छोड़ कर भागने का मौक़ा दिया जा रहा था? इतने महँगे व प्रतिबंधित हथियार इन युवकों के पास कैसे आए? इन युवकों को, जो कि छोटे-मोटे अपराधी थे, इन अत्याधुनिक हथियारों को चलाने का प्रशिक्षण किसने दिया?

यदि पुलिस रिमांड लिया जाता तो ऐसे कई तथ्यों का पता चलता। परंतु ऐसा नहीं हुआ। इन सवालों का जवाब भी पुलिस को जाँच कमेटी को देना पड़ेगा। जिस तरह ज़्यादातर अदालतों में विचाराधीन क़ैदियों के प्रवेश के लिए अलग गेट बने होते हैं उसी तरह अस्पतालों में भी सुरक्षित गेट होने चाहिए जहां क़ैदी व पुलिस के अलावा और कोई भी न आ सके। यदि किसी जगह विचाराधीन कैदी या कुख्यात अपराधी को ले जाया जाता है तो पुलिस को सुरक्षा के पुख्ता इंतज़ाम रखने चाहिए। नहीं तो ऐसी घटनाएँ नहीं रुकेंगी और अपराधियों को क़ानून के हिसाब से सज़ा नहीं मिल पाएगी। अपराधियों का ख़ात्मा या तो किसी षड्यंत्र के तहत या विरोधी गिरोह द्वारा होता ही रहेगा और आरोप पुलिस पर ही लगेगा। हर कोई चाहता है कि अपराधियों को कड़ी से कड़ी सज़ा मिले, जिससे कि भविष्य में अपराधी अपराध करने से पहले कई बार उसके अंजाम के बारे में सोचे।

परंतु इसके साथ इस बात पर भी गौर करने की ज़रूरत है कि क्या देश भर की अदालतों में लंबित पड़े लाखों आपराधिक मामलों में देरी होने के चलते 'पुलिस एनकाउंटर' या ऐसी हत्याएँ बढ़ने लग गई है? क्या यह न्याय का नया तरीक़ा है जो चलन में आ गया है? क्या आपराधिक जाँच कर रही पुलिस को या किसी अन्य को ऐसी सज़ा देने का कोई हक़ है जिस पर सवाल उठाए जा सकते हैं? यदि ऐसा नहीं है तो पुलिस द्वारा किए जाने वाले एनकाउंटर या पुलिस की मौजूदगी में होने वाली ऐसी हत्याएँ भी कड़ी सज़ा की श्रेणी में ही आएँगी और पुलिसकर्मियों को इसकी सज़ा भी भुगतनी पड़ सकती है।

पाठ्यक्रम में किये गये बदलाव के निहितार्थ

डॉ.दीपकुमार शुक्ल

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) ने 10वीं, 11वीं तथा 12वीं कक्षा के कुछ विषयों के पाठ्यक्रम में बदलाव किये हैं। जिसे लेकर पूरे देश में इस समय विवादात्मक बहस छिड़ी हुई है। इसे राजनीतिक रंग देने का भी प्रयास किया जा रहा है। जबकि एनसीईआरटी का दावा है कि पाठ्यक्रम को युक्तिसंगत बनाने के उद्देश्य से बीते वर्ष जून माह में अप्रासंगिक अंशों को हटाया गया था। नया पाठ्यक्रम 2023-24 के सत्र से पढ़ाया जायेगा। एनसीईआरटी के निदेशक प्रोफ़ेसर दिनेश कुमार सकलानी का कथन है कि पाठ्यक्रम में बदलाव एक सतत प्रक्रिया है। उनका कहना है कि कोरोना काल में छात्र तनाव में थे, इसलिए पहली प्राथमिकता उनका बोझ कम करना था। अतः पाठ्क्रम में 30 से 40 प्रतिशत कटौती करते हुए उन अंशों को हटाया गया है जो या तो दोहराव वाले थे या जिनके हटाने से कोई विशेष अन्तर नहीं पड़ना था। इसे खास नजरिये से देखना पूरी तरह गलत है। यह सत्य है कि शिक्षा के पाठ्यक्रम में बदलाव पहली बार नहीं हुआ है। बल्कि यह एक सतत प्रक्रिया है। वैदिक काल से लेकर आधुनिक काल तक समय-समय पर शिक्षा के पाठ्यक्रम में बदलाव होता रहा है। परन्तु इसके उद्देश्य को भी स्पष्ट करना आवश्यक है। वर्तमान बदलाव को समाज का

एक वर्ग बस्ते का बोझ कम करने की अपेक्षा संघ तथा भाजपा को चुभने वाली विषयवस्तु को हटाने के प्रयास के रूप में देख रहा है। इतिहास के पाठ्यक्रम से अकबरनामा (अकबर के शासनकाल का इतिहास), बादशाहनामा (शाहजहाँ के शासनकाल का इतिहास), मुग़ल शासक और उनके साम्राज्य,

आदर्श राज्य, राजधानियाँ और दरबार, शाही नौकरशाही तथा मुग़ल अभिजात्य वर्ग आदि को हटाने की बात सामने आई है। इस सन्दर्भ में प्रोफ़ेसर दिनेश कुमार सकलानी का कथन है कि 12वीं कक्षा में मुग़ल काल के दो पाठ थे, एक में सिर्फ राजाओं का गुणगान था, जबकि दूसरे में उनके कामों की जानकारी थी। यहाँ पर गुणगान वाले अंश को हटाया गया है। नागरिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तक से 'विश्व राजनीति में अमेरिकी आधिपत्य' तथा 'शीत युद्ध काल' जैसे अध्यायों को हटाया गया है। 12वीं कक्षा के राजनीति शास्त्र के पाठ्यक्रम से 'जन आन्दोलन का उदय' तथा 'एक दलीय प्रभुत्व का युग' नामक चैप्टर हटाये गये हैं। इनमें कांग्रेस,सोशलिस्ट पार्टी, कम्युनिस्ट पार्टी तथा भारतीय जनसंघ के बारे में पढ़ाया जा रहा था। 12वीं कक्षा के ही राजनीति शास्त्र विषय से 'महात्मा गाँधी की हत्या से देश में साम्प्रदायिक राजनीति पर प्रभाव पड़ा'को भी पाठ्यक्रम से हटा दिया गया है। इसमें महात्मा गाँधी की हत्या के बाद राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ पर कुछ समय के लिए लगाये गये प्रतिबन्ध के बारे में जानकारी दी गयी थी। प्रोफेसर सकलानी के

अनुसार पाठ्यक्रम में गाँधी जी को पर्याप्त जगह दी गयी है, कुछ अंशों को हटाने से गाँधी जी की

विचारधारा खत्म नहीं होती है। 12वीं कक्षा के इतिहास के पाठ्यक्रम में नाथूराम गोडसे को महात्मा गाँधी की हत्या करने वाले 'पुणे के ब्राह्मण' के रूप में सन्दर्भित करने वाला अंश भी हटा दिया गया है। 11वीं कक्षा की समाजशास्त्र की पाठ्यपुस्तक से गुजरात दंगों से सम्बन्धित अंश हटाये गये हैं।

10वीं कक्षा की किताब से 'लोकतन्त्र और विविधता', 'लोकप्रिय संघर्ष और आन्दोलन' तथा 'लोकतन्त्र की चुनौतियाँ' जैसे पाठ हटा दिये गये हैं। इंटरमीडिएट की हिन्दी साहित्य की पुस्तक से प्रसिद्ध गजलकार रघुपति सहाय 'फ़िराक गोरखपुरी' की गजल, सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' का गीत 'गाने दो मुझे' तथा विष्णु खरे की कविता 'सत्य' को हटाने पर साहित्यकारों के एक वर्ग ने कड़ी आपत्ति दर्ज

करायी है। वहीँ कुछ साहित्यकारों ने बदलाव का समर्थन करते हुए पाठ्यक्रम में परिवर्तन को समय की मांग बताया है।

परिवर्तन समय की मांग है। परन्तु एक अंश को हटाकर उसके स्थान पर जोड़ा क्या गया है, यह अपने आप में अति महत्वपूर्ण है। किसी भी भाषा के पाठ्यक्रम में सम्मिलित रचनाओं के माध्यम से छात्रों को उस भाषा के साहित्य से जोड़ना ही मुख्य उद्देश्य होता है। परन्तु इसके लिए आवश्यक है कि उक्त रचना साहित्य के सभी मानकों को पूरा करती हो। ऐसे में प्रश्न उठता है कि उपरोक्त साहित्यकारों की रचनाओं में आज ऐसी क्या कमी देखी गयी जो उन्हें हटाने का निर्णय लेना पड़ा।

एमएनसी के चोंचले

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

एमएनसी कंपनियों में काम करने वालों को वीकेंड तक रुकना पड़ता है। एमएनसी कर्मचारी होना एक बात है तो सॉफ्टवेयर इंजीनियर होना उसमें भी अलग बात है। मैं एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर हूँ। नाम से सॉफ्ट और भावनाओं से बिल्कुल हार्ड हो गया हूँ। आप समझ गए होंगे कि मेरी पढ़ाई कहाँ हुई होगी। नहीं समझे? मिक्सर-ग्राइंडर रट्टा रटाऊ हाई स्कूल और कॉलेज में। यहाँ की पढ़ाई इतने हाई लेवल की होती है कि हर दिन मन करता था कि जाऊँ कह दूँ पिता जी से कि मैं मजदूरी कर लूँगा लेकिन वहाँ पढ़ाई कतई नहीं। लेकिन मेरी सोच कथनी से और कथनी करनी से दूर-दूर रहा करती थी। सो पिता जी से कहने की हिम्मत नहीं हुई। महीने में चार बार सूर्यवंशम देख-देखकर मेरा सिर इतना पक गया कि उधर फिल्म में अमिताभ बच्चन की बहू कलेक्टर बनी और इधर मैं सॉफ्टवेयर इंजीनियर। मैं लेखक बनना चाहता था इसके लिए मेडिसिन की पढ़ाई की। बाद मैं पता चला कि ऐसा करने से मैं डॉक्टर बन जाऊँगा, जो कि मुझे कतई पसंद नहीं था। लेकिन माँ की खुशी के लिए पढ़ता गया। बाद मैं एमबीए किया। क्यों किया, पता नहीं। मेरी पढ़ाई का सिंपल सा फंडा था। कुछ भी पढ़ो। कैसे भी पढ़ो। कुछ न कुछ बन ही जाओगे। सो सॉफ्टवेयर इंजीनियर बन गया।

मुझे नौकरी का पहला दिन आज भी याद है। सभी कर्मचारी कंप्यूटर में सिर घुसाए रोबो बने बैठे थे। मैं मैनजेर के पास गया। पूछा मुझे क्या करना है। उसने कहा – हाई एंड डेटा एनालिसिस विथ इंटिग्रिटेड लॉजिस्टिक्स। इतना सुनना था कि मेरा माथा ठनठना गया। ससुरा सब्जेक्ट सुनकर बाल खड़े हो गए। काम करूँगा तो क्या हाल होगा। हर दशरथ मांझी को पहाड़ तोड़ने के लिए फगुनिया मिलती है मुझे भी एक फगुनिया मिल गई। उसने मुझे एक अच्छी बात सिखाई। उसने कहा – जैसे रेल से मंजिल पर पहुँचने के लिए पहले स्टेशन जाना पड़ता है ठीक उसी तरह ऐसी कंपनियों में काम करने के लिए कहीं ट्रेनिंग लेकर आना पड़ता है। मैंने फगुनिया को धन्यवाद किया और जीवन की सबसे बड़ी सीख यह सीखी कि शहर में सहायता का मतलब दीवार से सिर पीटना है। मुझे समझ आ गया था कि इस कंपनी में काम करने के लिए प्रशिक्षण लेना जरूरी है। मेरी कंपनी जिस क्षेत्र में थी वहाँ हेचटीएमएमल, सीप्लसप्लस, जावा, ओराइकल, मिराइकल, डीटीपी, पोस्टर बनाना, लेमिनेशन करना, बवासीर से लेकर हर बीमारी तक का इलाज सिखाया जाता है। मुझे विश्वास हो चुका था बिना ट्रेनिंग के कुर्सी तोड़ूँगा तो आखिरकार बवासिर का इलाज करवाना ही पड़ेगा। इसलिए ट्रेनिंग लेने में ही भलाई समझी।

जैसे तैसे ट्रेनिंग पूरी करने के बाद फिर से कंपनी ज्वाइन की। इस बार मैनेजर ने बिना कोई प्रोजेक्ट दिए तीन महीने तक खाली बैठाया। इन तीन महीनों में जो कुछ सीखा था सब कुछ भूल गया। इस आईटी के चक्कर में सुबह का सूरज मानो मेरे लिए कभी था ही नहीं। मैनेजर की हालत कुत्ते से भी बदतर होती है। न वह सोता था, न मुझे सोने देता था। हाँ वह सुबह पाँच बजे फोन करके उठाता था। गुडमार्निंग कहने के लिए नहीं। कोड, बग, नोड, डाटा, आटा न जाने क्या-क्या कहता था। एक तरफ मेरी नींद और दूसरी तरफ उसकी जिद होती थी। यह सॉफ्टवेयर इंजीनियर की नौकरी नाम से जैसी भी हो लेकिन काम से पसीने छुड़ाने वाली होती है।

जहाँ बिहारी ,वहां सत्तू

अप्रैल में सत्तू खाने का पर्व सतुआनी के रुप में उत्तर भारत के कई राज्यों खासकर बिहार में धूमधाम से बनाया जाता है।. आज बिहार के लोग सत्तू खाकर अपने दिन की शुरुआत करते हैं.। सत्तू चना, जौ और मकई का होता है। सत्तू के साथ प्याज, अमौरी या इसकी चटनी और लाल मिर्च के साथ खाने से इसके स्वाद और बढ़ा देता है।

बिहारी भाई जहां भी जाते हैं अपने साथ-साथ दूसरे राज्यों के लोगों को भी इसकी आदत लगा देते हैं।

एक बार खाने के बाद इसके स्वाद के दीवाने हुए विना कोई रह नहीं सकता। गर्मियों में विद्यार्थियों के लिए इससे सुगम, सस्ता, स्वादिष्ट और स्वास्थ्यप्रद नाश्ता या भोजन कुछ भी नहीं।

यूं तो सत्तू भारतवर्ष का अत्यन्त प्राचीन आहार है। संस्कृत में इसे शक्तु कहते हैं।

चना का सत्तू ज्यादा लोकप्रिय है। गर्मियों में जौ का सत्तू भी लोकप्रिय है। परंत, चना-सत्तू का प्रयोग लोग सालों भर किसी न किसी रुप करते ही हैं; वह लिट्टी-चोखा, कचौरी या सब्जियों में ग्रेवी के लिए ही क्यों न हो।

सत्तू तो प्रायः लोग खाते हैं, बिहार में तो इसे सभी लोग खाते हैं। सही तरीके से इसे कैसे खाया जाये, इस पर भी दो लाइन —

अर्थात सत्तू रुक्ष, कब्जकारक तथा वातवर्धक होते हैं। यह प्रमेह तथा अम्लपित्त में लाभदायक है। यह रुक्ष है, परंतु गुड़-चीनी और घी के योग से यह स्निग्ध व तर्पण हो जाते हैं। सत्तू को अवलेह की तरह या द्रव की तरह लेने पर लघु तथा ठोस पिण्डी के रुप में लेने पर गुरु होता है।

अभिप्राय यह कि सत्तू को हमेशा पतला घोल बनाकर पीना चाहिए।

पृथक से जल का पान, (पतला सत्तू खाकर अलग से जल नहीं पीना चाहिए), सत्तू को पुनः लेना (सत्तू एक दिन में दो बार नहीं खाना चाहिए), मांस, दूध के साथ, रात में, दांत से काट-काटकर तथा गरम कर नहीं खाना चाहिए।

सत्तू में घी और चीनी मिलाकर ठंढे जल से घोलकर मथानी से मथकर जो पेय बनाया जाता था, उसे ही मन्थ कहते थे। यह गर्मियों का पेय हुआ करता था। आधुनिक लस्सी का प्राचीन रुप मन्थ है। चूंकि सत्तू रुक्ष होता है इसलिए घी इसका उत्तम अनुपान के रुप प्रयोग किया जाता है।

सत्तू स्वादिष्ट भोज्य है। स्वाद के चलते इसे हमेशा, बार-बार और अधिक इस्तेमाल न करें। एक दिन में एक बार से अधिक नहीं खायें/पीयें।

यह भारी (गुरु), वातकारक और रुक्ष है। नियम के अनुसार पीना, गर्मियों के लिए बहुत ही लाभदायक है।

-शिवानंद मिश्रा

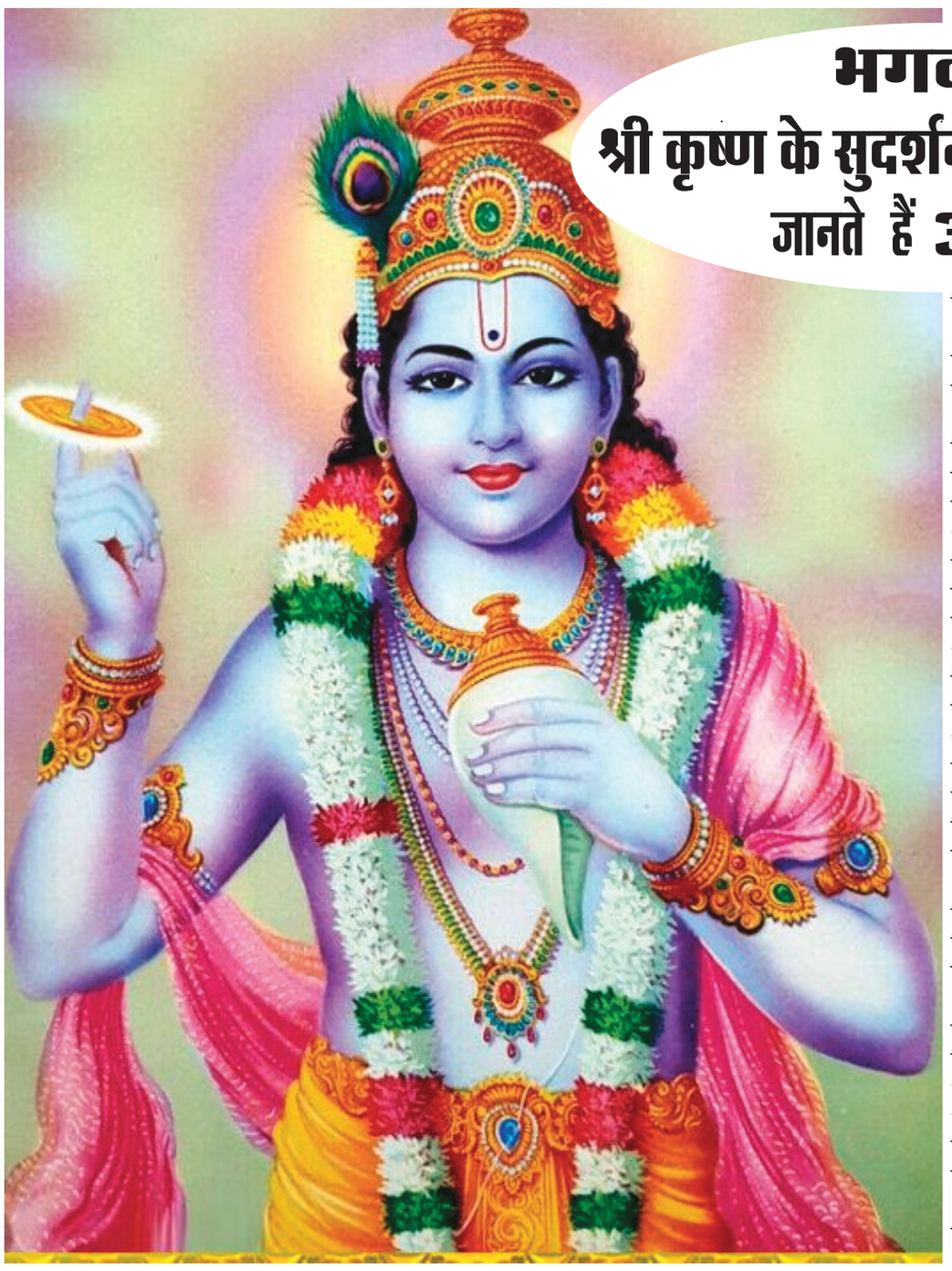

भगवान श्री कृष्ण के सुदर्शन चक्र के बारे में क्या जानते हैं आप ?

चक्र को छोटा, लेकिन सबसे अचूक अस्त्र माना जाता था। सभी देवी-देवताओं के पास अपने-अपने अलग-अलग चक्र होते थे। उन सभी के अलग-अलग नाम थे। शंकरजी के चक्र का नाम भवरेंदु, विष्णुजी के चक्र का नाम कांता चक्र और देवी का चक्र मृत्यु मंजरी के नाम से जाना जाता था। सुदर्शन चक्र का नाम भगवान कृष्ण के नाम के साथ अभिन्न रूप से जुड़ा हुआ है।

सुर्शन चक्र की शक्ति : भगवान श्रीकृष्ण के पास सुदर्शन चक्र था जिसके चलते उस दौर में सभी शुत्र पक्ष भयभीत रहते थे। यह बहुत ही खतरनाक अस्त्र था, जो छोड़े जाने के बाद शत्रु का वध करके पुनः लौट आता था। इस अस्त्र को किसी भी प्रकार से रोक पाना असंभव था। आओ जानते हैं श्रीकृष्ण के सुदर्शन चक्र का रहस्य।

श्रीकृष्ण और सुदर्शन चक्र : भगवान परशुराम से सुदर्शन चक्र प्राप्त करने के बाद श्रीकृष्ण की शक्ति बढ़ गई थी। श्रीकृष्ण और दाऊ के मुख से सुदर्शन प्राप्त करने वाली घटना सुनकर सत्यकि तो सुन्न ही रह गया था। यादवों के तो हर्ष का ठिकाना नहीं रहा। श्रीकृष्ण और दाऊ दो दिनों तक भृगु आश्रम में रहने के बाद क्रौंचपुर के यादव राजा सारस के आमंत्रण पर उनके राज्य के लिए निकल पड़े।

श्रीकृष्ण से अपने सुदर्शन चक्र से सबसे पहला वध राजा श्रृगाल का किया था। पद्मावत राज्य के करवीर नगर का राजा श्रृगाल हिंसक वृत्ति का हो गया है। वह किसी की भी स्त्री, संपत्ति और भूमि को हड़प लेता है।

सुदर्शन चक्र का इतिहास : कहते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण को सुदर्शन चक्र भगवान परशुराम ने दिया था। परशुराम के पहले यह चक्र उन्होंने वरुणदेव से प्राप्त किया था। वरुणदेव ने अग्निदेव से, अग्निदेव ने भगवान विष्णु से यह चक्र प्राप्त किया था। ऐसी भी मान्यता है कि यह बहुत कम ही लोग जानते हैं कि सुदर्शन चक्र का निर्माण भगवान शंकर ने किया था।

प्राचीन और प्रामाणिक शास्त्रों के अनुसार इसका निर्माण भगवान शंकर ने किया था। निर्माण के बाद भगवान शिव ने इसे श्रीविष्णु को सौंप दिया था। जरूरत पड़ने पर श्रीविष्णु ने इसे देवी पार्वती को प्रदान कर दिया। माता पार्वती ने इसे परशुराम को दे दिया और भगवान कृष्ण को यह सुदर्शन चक्र परशुरामजी से मिला।

सुदर्शन चक्र की कथा : भगवान विष्णु के हर चित्र व मूर्ति में उन्हें सुदर्शन चक्र धारण किए दिखाया जाता है। यह सुदर्शन चक्र भगवान शंकर ने ही जगत कल्याण के लिए भगवान विष्णु को दिया था। इस संबंध में शिवमहापुराण के कोटिरुद्रसंहिता में एक कथा का उल्लेख है।

एक बार जब दैत्यों के अत्याचार बहुत बढ़ गए तब सभी देवता श्रीहरि विष्णु के पास आए। तब भगवान विष्णु ने कैलाश पर्वत पर जाकर भगवान शिव की विधिपूर्वक आराधना की। वे हजार नामों से शिव की स्तुति करने लगे। प्रत्येक नाम पर एक कमल पुष्प भगवान विष्णु शिव को चढ़ाते। तब भगवान शंकर ने विष्णु की परीक्षा लेने के लिए उनके द्वारा लाए एक हजार कमल में से एक कमल का फूल छिपा दिया। शिव की माया के कारण विष्णु को यह पता न चला। एक फूल कम पाकर भगवान विष्णु उसे ढूंढने लगे। परंतु फूल नहीं मिला। भगवान विष्णु को कमलनयन भी कहा जाता है। तब विष्णु ने एक फूल की पूर्ति के लिए अपना एक नेत्र निकालकर शिव को अर्पित कर दिया।

विष्णु की भक्ति देखकर भगवान शंकर बहुत प्रसन्न हुए और श्रीहरि के समक्ष प्रकट होकर वरदान मांगने के लिए कहा। तब विष्णु ने दैत्यों को समाप्त करने के लिए अजेय शस्त्र का वरदान मांगा। तब भगवान शंकर ने विष्णु को अपना सुदर्शन चक्र दिया। विष्णु ने उस चक्र से दैत्यों का संहार कर दिया। इस प्रकार देवताओं को दैत्यों से मुक्ति मिली तथा सुदर्शन चक्र उनके स्वरूप से सदैव के लिए जुड़ गया।

मेष राशि में होगा सूर्य ग्रहण 4 राशियों को होगा बड़ा फायदा

20 अप्रैल 2023 सूर्य ग्रहण सुबह 7:04 से दोपहर 12:29 तक रहेगा। यह ग्रहण हिन्द महासागर, दक्षिण प्रशांत महासागर, चीन, ताइवान, मलेशिया, सिंगापुर, इंडोनेशिया, फिलिपींस, कंबोडिया, वियतनाम, थाईलैंड, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, अंटार्कटिका, अमेरिका, जापान, फिजी, माइक्रोनेशिया, समोआ, सोलोमन, बरूनी, पापुआ न्यू गिनी में दिखाई देगा। आओ जानते हैं इस ग्रहण से कौनसी 4 राशियों को होगा फायदा।

नकारात्मक प्रभाव : मेष राशि, सिंह राशि, कन्या राशि, वृश्चिक राशि, और मकर राशि के जातकों पर सूर्यग्रहण नकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेगा।

सकारात्मक प्राभाव : निम्नलिखित 4 राशियों को धन संबंधी बड़ा लाभ हो सकता है या कोई अटका कार्य पूर्ण हो सकता है।

1. वृषभ राशि :- आपकी राशि पर यह ग्रहण शुभ प्रभाव देगा। व्यापार में आपको अचानक से धन लाभ हो सकता है। नौकरी में पदोन्नति के योग बनेंगे और आय में वृद्धि होगी।

2. मिथुन राशि :- आपकी राशि पर भी इस ग्रहण का शुभ प्रभाव पड़ेगा। यदि कोई मामला कोर्ट में उलझा होगा तो सुलझने की संभावना बनेगी। छात्रों परीक्षा में सफलता मिलने के योग हैं।

3. धनु राशि :- आपको इस ग्रहण के कारण भाग्य का साथ मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। व्यापारियों का मुनाफा बढ़ जाएगा। नौकरीपेशा हैं तो सहकर्मियों का सहयोग प्राप्त होगा।

4. मीन राशि :- आपके लिए यह ग्रहण शुभ रहने वाला है। अटके कार्य पूर्ण होंगे। सुख और समृद्धि में बढ़ोतरी होगी। नौकरीपेशा हैं तो सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे। व्यापारी हैं तो मुनाफा कमाने में कामयाब होंगे।

वास्तु के अनुसार पानी किचन में कहां रखें

वास्तु विज्ञान के अनुसार रसोईघर आग्नेय कोण में होना शुभ फलदायी होता है। इस दिशा का स्वामी ग्रह शुक्र होता है। किचन यदि आग्नेय कोण में नहीं है तो इससे घर में रहने वाले लोगों की सेहत, खासतौर पर महिलाओं की सेहत पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। अन्न-धन की भी हानि होती है। इससे पाचन संबंधी अनेक बीमारियां हो सकती हैं। किचन आग्नेय में नहीं है तो पूर्व में चलेगा नहीं तो पश्चिम और उत्तर में भी चलेगा। जानें किचन में पानी कहां रखें।

किचन में कहां रखें पानी : रसोईघर में पानी और आग को कभी भी पास पास नहीं रखना चाहिए। रसोईघर में पीने का पानी उत्तर-पूर्व दिशा में रखना चाहिए। यहां नहीं रख सकते हैं तो पूर्व और पश्चिम में चलेगा। घर में पानी सही स्थान पर और सही दिशा में रखने से परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य अनुकूल रहता है और सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है।

पानी का स्थान ईशान कोण है अतः पानी का भंडारण या भूमिगत टैंक या बोरिंग पूर्व, उत्तर या पूर्वोत्तर दिशा में होनी चाहिए। पानी को ऊपर की टंकी में भेजने वाला पंप भी इसी दिशा में होना चाहिए। रसोई घर में पीने का पानी, एक्वागार्ड या फिल्टर आदि पूर्व या पूर्व-उत्तर के कोने में रखें।

- रसोईघर में गैस दक्षिण-पूर्व दिशा में रखनी चाहिए।

- रसोईघर में भोजन करते समय आपका मुख उत्तर-पूर्व दिशा में होना चाहिए।

- डाइनिंग टेबल दक्षिण-पूर्व में होनी चाहिए।

मकान में अलग डायनिंग हॉल की व्यवस्था की है तो वास्तु अनुसार किसी मकान में डायनिंग हॉल पश्चिम या पूर्व दिशा में होना चाहिए।

- भवन के ईशान व आग्नेय कोण के मध्य पूर्व में स्टोर का निर्माण किया जाना चाहिए।

- माइक्रोवेव, मिक्सर या अन्य धातु उपकरण दक्षिण-पूर्व में रखें। रेफ्रिजरेटर या फ्रीज उत्तर-पश्चिम में रख सकते हैं।

- रसोईघर में यदि झाड़ू, पौंछा या सफाई का कोई सामान रखना है तो नैऋत्य कोण में रख सकते हैं।

- डस्टबिन को रसोईघर से बाहर ही रखें।

दर्श अमावस्या पर तरक्की के उपाय

1. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार दर्श अमावस्या पर चंद्रमा की पूजा जिस भी मनोकामना से करते हैं, वह पूर्ण होती है क्योंकि चंद देव सच्चे मन से की गई हर प्रार्थना को सुनते हैं। ऐसे में आज रात आप अपने परिवार के सुख और समृद्धि के लिए चंद्र देव की पूजा करें। दूध, जल, अक्षत और सफेद फूल से चंद्रमा को अर्घ्य दें।

2. दर्श अमावस्या को पितर पृथ्वी पर आते हैं, इसलिए आज अमावस्या तिथि में स्नान करने के बाद पितरों को जल से तर्पण दें। उनके लिए पिंडदान, पंचबलि कर्म, दान आदि कर सकते हैं। पितरो के आशीर्वाद से घर परिवार की तरक्की होती है।

3. आज दर्श अमावस्या को पीपल या बरगद के पेड़ की पूजा करने का विधान है। उसकी जड़ को जल तथा कच्चे दूध से सींचते हैं। फिर शाम के समय में तिल या सरसों के तेल का दीपक जलाते हैं। इससे देव गण प्रसन्न होते हैं।

4. दर्श अमावस्या को दक्षिण दिशा में यम और पितरों के लिए दीपक जलाया जाता है। यम को दीप अर्पित करने से मृत्यु का भय दूर होता है। पितरों के लिए 16 दीप दान करते हैं। इससे पितर प्रसन्न होते हैं और उनको नरक की यातनाओं से मुक्ति मिलती है।

5. दर्श अमावस्या पर पितरों के पंसद का भोजन बनाते हैं। गाय को हरा चारा खिलाते हैं, कौआ को भोजन का अंश देते हैं। इस कार्य से पितर प्रसन्न होते हैं। वे अपने वंश को सुखमय जीवन का आशीष देते हैं।

बदलना चाहते हैं किस्मत, आज ही घर लाएं मिट्टी के बर्तन जाग उठेगा सोया भाग्य

भारतीय सभ्यता में मिट्टी के बर्तनों का उपयोग सदियों से किया जाता आ रहा है। वास्तु शास्त्र भी मानता है कि मिट्टी बहुत महत्वपूर्ण और उपयोगी होती है। वास्तु के अनुसार मिट्टी सुख, शांति और सौभाग्य का प्रतीक मानी जाती है।

वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि यदि घर में मिट्टी के बर्तनों का प्रयोग किया जाए, तो यह घर में सुख और शांति लेकर आती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार भी घरों में उपयोग में होने वाले कुछ बर्तन मिट्टी के अवश्य होने चाहिए। मिट्टी से कई प्रकार के बर्तन खिलौने और सामग्रियां भी बनती हैं। माना जाता है कि मिट्टी से बनी चीजें सुख, सौभाग्य, समृद्धि की कारक होती है। भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु विशेषज्ञ पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा बता रहे हैं मिटटी का उपयोग हमारे जीवन को किस तरह से भाग्यशाली बना सकता है।

मिट्टी के घड़े

आज के दौर में भी भारतवर्ष के कई घरों में मिट्टी के घड़े में पानी भर कर रखा जाता है। मान्यता के अनुसार मिट्टी के घड़े में रखे पानी पीने से शरीर तो स्वस्थ रहता ही है, साथ ही घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव बढ़ता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार मिट्टी के बरतन घर में रखने से जीवन पर बुध और चंद्रमा का प्रभाव अच्छा पड़ता है।

मिटटी की मूर्ति

ज्योतिष शास्त्र की मानें तो घर में भगवान की मूर्ति सदैव मिट्टी से बनी हुई ही रखनी चाहिए। माना जाता है कि मिट्टी से बनी हुई मूर्ति घर में स्थापित करने से यह घर की कई तरह की परेशानियों को दूर कर सकती है। साथ ही यह घर में धन संबंधी किसी भी तरह की परेशानी भी नहीं आने देती।

-मिटटी से बनी कलाकृतियां मान्यताओं के अनुसार यदि घर में उत्तर पूर्व और दक्षिण पश्चिम दिशा में मिट्टी से बनी कलाकृतियां रखी जाएं, तो यह घर के लिए शुभ होता है। माना जाता है, ऐसा करने से घर के लोगों की तरक्की में आ रही बाधाएं दूर होती हैं।

मिटटी के दीपक

दीपावली के अवसर पर हम घर में मिट्टी के दिए जलाते हैं। वास्तु शास्त्र मानता है, कि घर के मंदिर में यदि मिट्टी का दीपक जलाया जाए, तो यह घरके लोगों के लिए बहुत शुभ होता है। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार बढ़ता है।

अक्षय तृतीया पर मां लक्ष्मी की बरसेगी कृपा, राशि के अनुसार खरीदें सोना

मकर राशि: इस राशि के जातकों के लिए स्टील और लोहे का सामान खरीदना शुभ माना गया है। इसके अलावा आप अपने आवश्यकता अनुसार सोने के आभूषण भी खरीद सकते हैं।

मीन राशि: अक्षय तृतीया के दिन मीन राशि के जातकों को पीतल की धातु खरीदना शुभ माना जाता है।

सिंह राशि: ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक, ग्रहों का राजा सूर्य ग्रह को माना जाता है। जबकि सिंह राशि का स्वामी ग्रह सूर्य माना जाता है। अक्षय तृतीया के दिन इस राशि के जातक को तांबे की धातु खरीदना ठीक रहेगा।

धनु राशि: अक्षय तृतीया के दिन इस राशि के जातकों को सोने के साथ पीतल की धातु खरीदनी चाहिए।

तुला राशि: इस राशि के जातकों के लिए अक्षय तृतीया के दिन चांदी की धातु को खरीदनी चाहिए।

वृश्चिक राशि: इस राशि के जातकों के लिए अक्षय तृतीया के दिन तांबे की धातु खरीदनी चाहिए।

कन्या राशि: इस राशि के जातकों के लिए अक्षय तृतीया के दिन कांसे की धातु खरीदना लाभकारी होगा।

कर्क राशि: कर्क राशि के जातकों पर चंद्र देव का प्रभाव होता है। ऐसी स्थिति में अक्षय तृतीया के दिन चांदी की धातु इस राशि के जातकों को खरीदना ठीक रहेगा।

मेष राशि: इस राशि के जातक को अक्षय तृतीया के दिन सोने अथवा तांबे की धातु खरीदनी चाहिए।

वृषभ राशि: इस राशि के जातकों को अक्षय तृतीया के दिन चांदी अथवा सोने के सिक्के खरीदने चाहिए।

मिथुन राशि: अक्षय तृतीया के दिन इस राशि के जातकों को कांसे की धातु खरीदनी चाहिए

पारिवारिक क्लेश से मुक्ति के उपाय

हर कोई अपने जीवन में सुख शांति और समृद्धि चाहता है इसके लिए लोग खूब प्रयास भी करते हैं लेकिन फिर भी अगर जीवन में परेशानियां बनी रहती है। या फिर धन की कमी व गृहक्लेश होता रहता है तो ऐसे में व्यक्ति निराश हो जाता है।

अगर आप भी अपने जीवन में इन परेशानियों से जूझ रहे हैं और मुसीबतें आपका द्वार नहीं छोड़ रही हैं तो ऐसे में आप कुछ ज्योतिषीय और वास्तु उपायों को अपना सकते हैं मान्यता है कि इन उपायों को करने से पारिवारिक कलह और धन की कमी दूर हो जाती हैं साथ ही नकारात्मकता भी आस पास नहीं आती, तो आइए जानते हैं अचूक उपाय।

कलह मुक्ति के अचूक उपाय

अगर आपके घर में आए दिन क्लेश होता रहता है, या फिर परिवार के लोगों की एक दूसरे से नहीं बनती है तो ऐसे में आप घर के प्रवेश द्वार पर तीन मोर पंख लगाएं। लेकिन पंख लगाते वक्त "ॐ द्वारपालाय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहा" मंत्र का जाप करें मान्यता है कि इस अचूक उपाय को करने से पारिवारिक कलह से मुक्ति मिल जाती है साथ ही सुख समृद्धि का सदा घर में वास होता है।

वही अगर आपके वैवाहिक जीवन में किसी प्रकार का तनाव या परेशानी हैं जिसके कारण आप मानसिक तनाव से पीड़ित है। तो ऐसे में आप अपने बेडरुम की उत्तर दिशा में हाथी के जोड़ें रखें। इस उपाय को करने से पति पत्नी के रिश्तों में मधुरता और मजबूती बनी रहती है।

जब पहली मुलाकात के बाद सलमान को भाई बुलाने लगी थीं पूजा हेगड़े

सलमान खान और पूजा हेगड़े पहली बार स्क्रीन शेयर करने जा रहे हैं. ये जोड़ी 'किसी का भाई किसी की जान' की रिलीज के लिए अपनी कमर कस चुकी है. फरहाद सामजी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में वेंकटेश दग्गुबाती, जगपति बाबू, भूमिका चावला, विजेंदर सिंह, राघव जुयाल, सिद्धार्थ निगम, जस्सी गिल, शहनाज गिल, पलक तिवारी और विनाली भटनागर अहम भूमिका में हैं. फिल्म प्रमोशन के बीच, पूजा हेगड़े ने हाल ही में खुलासा किया कि जब वो पहली बार सलमान से मिलीं तो वो उन्हें 'भाई' कहकर बुलाती थीं.

पहली मुलाकात के बाद सलमान खान को भाई बुलाती थीं पूजा

एक न्यूज चैनल से बात करते हुए पूजा ने बताया कि कैसे वो शुरुआत में सुपरस्टार को 'भाई' कहकर बुलाती थीं. उन्होंने कहा, 'शुरुआत में जब मैं उनसे मिली थी, तो मैंने उन्हें भाई कहा था, क्योंकि हर कोई उन्हें ऐसे ही बुलाता था. पूरी दुनिया उन्हें भाईजान कहती है तो स्वाभाविक था कि मैं भी कुछ ऐसा ही उन्हें बुलाऊं. शूटिंग के दौरान भी हर कोई उन्हें भाई या भाईजान ही बुला रहा था. शूटिंग के दौरान भी मेरी जुबान से कई बार भाई ही निकल रहा था, जिसका वहां मजाक उड़ रहा था, क्योंकि फिल्म में हमारा किरदार इससे अलग है.'

किसी का भाई किसी की जान में सलमान संग रोमांस करेंगी पूजा हेगड़े

एक्ट्रेस ने आगे खुलासा किया कि अब वो सलमान खान को 'एसके' बुलाती हैं. पूजा से पूछा गया कि जब उन्होंने सलमान को 'भाई' कहा तो उनकी क्या प्रतिक्रिया थी, उन्होंने कहा, 'अब, मैं उन्हें एसके कहती हूं, क्योंकि उन्होंने मुझसे ऐसा करने के लिए कहा है. उन्होंने मुझसे कहा कि मैं उन्हें सलमान भी कह सकती हूं, लेकिन मैंने नहीं कहा! फिर मैंने उन्हें सलमान सर कहा, लेकिन उन्होंने मुझे मैडम कहना शुरू कर दिया. मैंने उन्हें ऐसा नहीं करने के लिए कहा. अब, हम एसके में सेटल हो गए हैं.'

इस बीच, 'किसी का भाई किसी की जान' ट्रेलर हाल ही में लॉन्च किया गया था और लोगों ने सलमान खान और पूजा हेगड़े की केमिस्ट्री को काफी पसंद किया. दोनों के फैंस उन्हें पहली बार बड़े पर्दे पर एक साथ देखने के लिए बेताब हैं. ये फिल्म ईद के मौके पर 21 अप्रैल को रिलीज होने वाली है.

ब्लैक में ट्वीनिंग करते हुए सामंथा व वरुण की केमिस्ट्री ने सभी का ध्यान खींचा

प्रियंका चोपड़ा और रिचर्ड मैडेन स्टारर एक्शन थ्रिलर इंटरनेशनल सीरीज 'सिटाडेल' का बीते दिन लंदन में ग्रैंड प्रीमियर रखा गया था. इस मौके पर शो के इंडियन वर्जन की टीम भी मौजूद थी. 'सिटाडेल' के इंडियन वर्जन में नजर आने वाले सामंथा रुथ प्रभु और वरुण धवन डायरेक्टर जोड़ी राज और डीके के साथ शो के लंदन प्रीमियर में पहुंचे थे. इवेंट में सामंथा और वरुण की केमिस्ट्री ने सभी का ध्यान खींचा.

स्पेशल इवनिंग के लिए सामंथा ने विक्टोरिया बेकहम के केलक्शन से एक ब्लैक आउटफिट कैरी किया था. वह फिटिंग ब्लैक क्रॉप टॉप और मैचिंग एंकल लेंथ स्कर्ट में बेहद खूबसूरत लग रही थीं. उन्हें स्नेक नेकलेस के साथ अपने लुक को कंपलीट किया था. वहीं वरुण भी सामंथा के साथ ब्लैक कलर में ट्वीनिंग करते हुए टी, जैकेट और मैचिंग पैंट में डैशिंग लग रहे थे.

सामंथा और वरुण की केमिस्ट्री ने खींचा ध्यान

सामंथा और वरुण ने जमकर तस्वीरें क्लिक कराईं. इस दौरान दोनों की केमिस्ट्री ने काफी ध्यान बटोरा. तस्वीरें क्लिक कराते हुए वरुण ने सामंथा को काफी क्लोज पकड़ा हुआ था और इस दौरान एक्ट्रेस ब्लश करते हुए स्माइल देती नजर आई.

प्रियंका ने 'सिटाडेल' के इंडियन वर्जन को लेकर क्या कहा था?

बता दे कि सिटाडेल इंडिया की इस समय शूटिंग चल रही है. इंडियन चैप्टर प्रियंका चोपड़ा और रिचर्ड मैडेन स्टारर इंटरनेशनल वर्जन की एक ब्रांच है. जब भारत में इस महीने की शुरुआत में सिटाडेल की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रियंका से पूछा गया कि क्या उन्होंने सामंथा और वरुण को कोई सलाह दी है. इस पर एक्ट्रेस ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि मैं उन्हें कोई सलाह दे सकती हूं. वे अपने तरीके से काफी मंझे हुए एक्टर्स हैं.

मैं कुछ नहीं कह सकती. मैं हाल ही में NMACC इवेंट में वरुण से मिली थी और वह मुझे बता रहे थे कि शूटिंग कैसी चल रही है, वह कितने एक्साइटेड हैं. रियली में कुछ अच्छे थ्रेड हैं जो इस इंस्टॉलमेंट को हमारी इंस्टॉलमेंट से जोड़ते हैं. इसलिए हम उनके बारे में बात कर रहे थे.

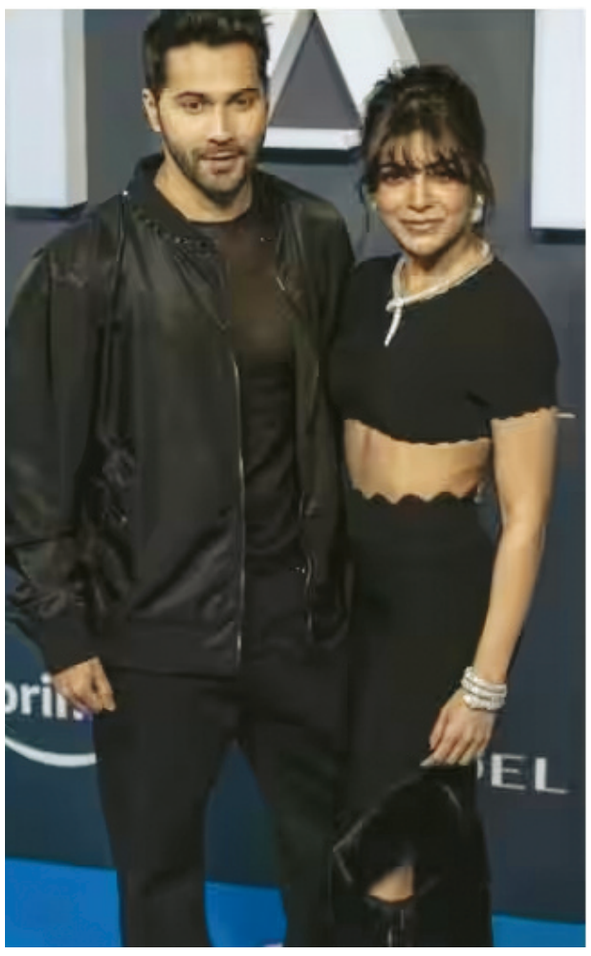

फिर से साथ नजर आई शुभमन गिल-सारा अली खान की 'जोड़ी'

क्रिकेटर शुभमन गिल इस समय आईपीएल में व्यस्त हैं. हालांकि एक बार फिर शुभमन के रिश्ते को लेकर अटकलें लगाई जाने लगीं. मगर इस बार सारा तेंदुलकर नहीं, बल्कि सारा अली खान से गुपचुप मुलाकात की जा रहा ही. इस कपल को कई बार एक साथ गया था. मगर इस बार कोई अपवाद नहीं था. हाल ही में सारा अली खान को एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया. जहां वह शुभमन गिल से बात करती नजर आईं. दूर से ही यह पैपराजी के कैमरे में कैद हो गया. लेकिन सारा मैदान में क्यों नहीं दिखाई दीं? एक वर्ग की अटकलें लगा रहा है कि इस यह जोड़ी अभी अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात करने से हिचक रही है. इसलिए वह मैच नहीं देखने जा रही हैं. हालांकि पिछले कुछ महीनों से उन्हें लेकर जो कयास लगाए जा रहे थे, इस बार उस टॉपिक को एक बार फिर हवा मिल गई है.

क्या बर्थडे पर शुभमन के साथ थीं सारा?

यह तस्वीर पिछले दिनों नजर आई थी. तस्वीर में शुभमन गिल और उनकी कथित गर्लफ्रेंड सारा अली खान को साथ-साथ देखा गया था. क्या शुभमन के जन्मदिन पर सारा गुपचुप तरीके से अहमदाबाद पहुंची थे? शुभमन ने उस मैच में महज 63 गेंदों में 126 रन बनाए थे. वायरल हुई तस्वीर में दोनों एयरपोर्ट पर अगल-बगल बैठे नजर आ रहे हैं. सारा और शुभमन बातें करने में बिजी हैं.

शुभमन गिल के अफेयर के चर्चे सारा अली खान से नहीं बल्कि सारा तेंदुलकर से शुरु हुए थे. सारा अली खान और शुभमन को पिछले साल अगस्त में साथ देखा गया था. एक टिकटॉक यूजर ने उनकी 'डिनर डेट' को सीक्रेट वीडियो में कैद कर लिया. हर कोई इसे देखकर चौंक गया. क्योंकि इससे पहले शुभमन के साथ सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा का नाम जुड़ा था.

क्या सारा को डेट कर रहे शुभमन गिल?

यही नहीं, शुभमन सोनम बाजवा के टॉक शो में नजर आए. उनसे पूछा गया कि बॉलीवुड में इस वक्त सबसे फिट एक्ट्रेस कौन है? क्या आप जानते हैं शुभमन ने बिना एक पल सोचे जवाब में किसका नाम लिया? क्या आप जानते हैं. सारा अली खान का! इसके बाद बिना किसी झिझक के सोनम ने सवाल शुभमन के पाले में फेंक दिया. उन्होंने पूछा, क्या आप सारा को डेट कर रहे हैं? शुभमन ने जवाब दिया, 'शायद हां, शायद नहीं'. इससे पहले सारा की जिंदगी में कभी सुशांत सिंह राजपूत तो कभी कार्तिक आर्यन आ चुके हैं. अब किसकी बारी है?

जब रणबीर कपूर ने इलियाना की 'कमर' को लेकर कर दिया था कमेंट, एक्ट्रेस ने कुछ यूं किया था रिएक्ट

फिल्म इंडस्ट्री में कई बार सेलेब्स कुछ ऐसे बयान दे देते हैं जिसके चलते उनके ही को स्टार्स असहज महसूस करने लगते हैं. ऐसा ही एक किस्सा बर्फी की टीम रणबीर कपूर और इलियाना डिक्रूज के साथ भी हुआ था. फिल्म निर्देशक अनुराग बासु की फिल्म बर्फी साल 2013 में रिलीज हुई थी. इस फिल्म के प्रमोशन्स के दौरान रणबीर कपूर ने इलियाना को लेकर कुछ ऐसा कहा कि एक्ट्रेस शर्म से लाल हो गईं. दरअसल, इस दौरान रणबीर कपूर ने इलियाना डिक्रूज के बैली बटन का जिक्र किया था.

जब रणबीर और इलियाना 2012 में प्रियंका चोपड़ा के साथ अनुराग बसु की बर्फी को प्रमोट कर रहे थे. जूम टीवी के साथ एक इंटरव्यू के दौरान, रणबीर ने इलियाना के बारे में बात की और कहा, ₹अजीब तरह से, मैंने इलियाना को सबसे ज्यादा देखा जब मैं पोलाची (तमिलनाडु) नामक इस जगह पर गया था और केवल साउथ चैनल चल रहा था. थे. और, वह पूरी तरह (टीवी पर) थी. मैंने जो भी चैनल लगाया और वह नाच रही थी. मैंने पहली बार उसकी बैली देखी और मैं हैरान रह गया. क्योंकि आपकी बैली कितनी खूबसूरत है, आपको पता होना चाहिए." इस पर रिएक्ट करते हुए प्रियंका ने हंसते हुए कहा, 'यह ऐसी तारीफ है जो आपको कहीं नहीं मिलेगी.' रणबीर की ये बातें सुनकर इलियाना थोड़ी असहज दिखीं और उन्होंने जवाब दिया, 'थैंक्यू.'

यहां बता दें कि इलियाना ने बॉलीवुड में एंट्री करने से पहले साउथ की कई बड़ी फिल्मों में काम किया था. उस समय, वह टॉलीवुड में सबसे लोकप्रिय फीमेल एक्ट्रेसेस में से एक थीं और बर्फी में उनकी परफॉर्मेंस के लिए उन्हें जमकर तारीफें मिली थी. तब से, वह ज्यादातर हिंदी फिल्मों जैसे 'मैं तेरा हीरो', 'रुस्तम', 'रेड' और 'द बिग बुल' में देखी गई हैं.

प्रोड्यूसर चिट्टी बाबू ने सामंथा पर कसा तंज कहा- फिल्म चलाने के लिए ड्रामा कर रही

साउथ सिनेमा की जानी मानी अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु अपनी फिल्म 'शाकुंतलम' को लेकर लगातार चर्चा में चल रही हैं. हालांकि फिल्म को दर्शकों से अच्छा रिस्पांस नहीं मिल रहा है और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं कर पाई है. इस बीच एक्ट्रेस को लेकर साउथ फिल्मों के प्रोड्यूसर, राइटर और डायरेक्टर चिट्टी बाबू ने अपने हालिया इंटरव्यू में सामंथा को लेकर तंज कसते हुए कहा है कि सामंथा का फिल्मों में करियर खत्म हो चुका है, और अब वह दोबारा स्टारडम नहीं पा सकती हैं. चलिए जानते हैं सामंथा को लेकर अब तक डायरेक्टर चिट्टी बाबू ने क्या कुछ कहा है.

इसी बीच में साउथ के निर्देशक चिट्टी बाबू ने अपने हालिया इंटरव्यू में सामंथा को लेकर तंज कसते हुए कहा है कि सामंथा का फिल्मों में करियर खत्म हो चुका है और अब वह दोबारा स्टारडम नहीं पा सकती हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक त्रिपुरनेनी चिट्टी बाबू ने यह दावा सामंथा के फिल्म प्रमोशन के तरीके को देखकर कहा. यही नहीं, उन्होंने सामंथा पर यह भी आरोप लगाया कि फिल्म को प्रमोट करने के लिए अपनी बीमारी और हेल्थ कंडीशन का इस्तेमाल कर रही हैं.

पब्लिसिटी स्टंट कर रही हैं सामंथा- चिट्टी बाबू

साउथ के फेमस प्रोड्यूसर त्रिपुरनेनी चिट्टी बाबू ने एक रीजनल चैनल को दिए इंटरव्यू में आगे कहा कि 'सामंथा का वजन पहले से घट गया है. वह बीमार हो गईं थीं और हर फिल्म के लिए ड्रामा कर रही हैं. त्रिपुरनेनी चिट्टी बाबू का कहना है कि सामंथा की सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीरें और वीडियो, सब पब्लिसिटी स्टंट हैं. त्रिपुरनेनी चिट्टी बाबू ने कहा कि आज के समय में बहुत से एक्टर्स हैं जो बीमारी में भी काम करते हैं और कभी पब्लिकली आकर कुछ नहीं कहते. त्रिपुरनेनी चिट्टी बाबू का मानना है कि सामंथा अपना चार्म और स्टारडम खो चुकी हैं.'

सामंथा गंभीर बिमारी से जूझ रही हैं

चिट्टी बाबू से पूछा गया कि सामंथा फिल्म 'शाकुंतलम' के प्रमोशन के दौरान काफी इमोशनल लग रही थीं. इसपर उन्होंने कहा कि यह नकली था. सामंथा बता रही थीं कि शकुंतला बनने के लिए उन्हें क्या कुछ सहना पड़ा, लेकिन सभी एक्टर्स ऐसा करते हैं और उन्हें किरदार में घुसने के लिए मेहनत करनी ही पड़ती है. 'यशोदा' के प्रमोशन के दौरान भी ऐसा ही था, यह सही नहीं है. आपकी जानकारी के लिए बता दें सामंथा नेअपने एक पोस्ट में बताया था कि वह Myositis नाम की बीमारी से जूज रही हैं. इस बीमारी में मांसपेशियों में सूजन पैदा हो जाती है. सामंथा को इस बीमारी के इलाज के लिए अपने काम से छुट्टी भी लेनी पड़ी थी. हालांकि इसके बाद भी वो लगातार काम कर रही हैं.

ऋषभ पंत नहीं, इस क्रिकेटर ने उर्वशी रौतेला को बताया सबसे सेक्सी अभिनेत्री

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला अपनी शोख अदाओं और ग्लैमरस स्टाइल के लिए जानी जाती हैं। उर्वशी के फोटोज और वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल होते रहते हैं। उर्वशी रौतेला अपनी निजी जिंदगी को लेकर जमकर सुर्खियों में बनी रहती हैं। उनका नाम अक्सर क्रिकेटर ऋषभ पंत के साथ जुड़ता है। कई बार वह स्टेडियम में ऋषभ पंत का मैच देखने के दौरान स्पॉट की गईं और फिर जमकर ट्रोलिंग का शिकार भी होती हैं। हालांकि इन सबके बीच एक इंडियन क्रिकेटर ने उर्वशी को सबसे सेक्सी अभिनेत्री बता दिया है।

इस क्रिकेटर ने की उर्वशी की तारीफ

बेबाक अंदाज के लिए जानी जाने वाली उर्वशी के दुनिया भर में बहुत फैंस हैं। उर्वशी के बारे में रवीन्द्र जडेजा के एक कमेंट ने उनकी पॉपुलैरिटी में इजाफा किया है। जिसके बाद अभिनेत्री अपने फैंस की लिस्ट में एक और नाम जोड़ सकती हैं। एक इंटरव्यू में जब भारतीय क्रिकेटर रविन्द्र जडेजा से पूछा गया कि उन्हें सबसे सेक्सी एक्ट्रेस कौन लगती हैं, तो उन्होंने जवाब में उर्वशी रौतेला का नाम लिया है। तभी से क्रिकेटर और एक्ट्रेस दोनों के फैन्स इस इंटरव्यू को लेकर चर्चा कर रहे हैं।

वर्कफ्रंट की बात करें तो उर्वशी रौतेला बहुत जल्द हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स में नजर आने वाली हैं। वह बहुत जल्द मिशेल मोरोन के साथ एक फिल्म में नजर आने वाली हैं। वहीं उर्वशी बहुत जल्द बॉलीवुड में रणदीप हुड्डा के साथ फिल्म इंस्पेक्टर अविनाश में नजर आएंगी। उर्वशी थ्रिलर फिल्म ब्लैक रोज में भी नजर आने वाली हैं। इसके अलावा वह थिरुट्टू पायले 2 के हिंदी रीमेक में भी नजर आने वाली हैं।

ट्रांसफॉर्मेशन के बाद अब ऐसी दिखती हैं अविका गौर

बालिका वधु शो से फेम पाने वालीं एक्ट्रेस अविका गौर इन दिनों काफी बदली-बदली सी नजर आती हैं. चुलबुली सी दिखने वालीं अविका अब सुपरफिट हैं. जानिए क्या राज है.. बालिका वधु से दर्शकों के मन में खास जगह बनाने वालीं अविका गौर इन दिनों कुछ ऐसी नजर आती हैं. अविका का चुलबुलापन उनके फैंस को हमेशा से भाया है. वहीं अविका ने खुद पर काफी काम किया है, जिससे उन्हें देखकर कहा नहीं जा सकता कि ये वही अविका हैं. अविका ने बताया था कि उन्होंने खुद में ये ट्रांसफॉर्मेशन लाने के लिए काफी मेहनत की है. अविका ने बताया था कि लोग जितना आसान समझते हैं उतना है नहीं कि- डाइट करके हो जाता है. अविका ने एक पुराने इंटरव्यू में बताया था कि जब वे टीवी पर आती थीं तो उन्होंने खुद को हेट करना शुरू कर दिया था. उन्होंने बताया कि मुझे ऐसा लगता था कि मेरी बॉडी हमेशा ऐसी ही रहेगी. उन्होंने बताया था कि- 'मुझे कभी कोई बीमारी नहीं रही है, जिससे कि मेरा वेट बढ़े, मैं लेजी थी बस इसलिए था. उसके बाद मुझे लगा कि अब कुछ करना चाहिए. अविका बताती हैं कि उन्होंने अपने खाने में सुधार किया और एक्सरसाइज की, जिसकी वजह से उनका एक अच्छा रुटीन बना. इससे उन्हें अपनी बॉडी में ट्रॉन्सफॉर्मेशन लाने में काफी मदद मिली. एक्ट्रेस ने बताया था कि अनहेल्दी खाने से उन्हें कील मुहासों की भी शिकायत होने लगी थी.

आजकल आय बढ़ती है, ख़र्चे भी बढ़ते हैं, पर बचत क्यों नहीं बढ़ती ?

ऐसा कई लोगों के साथ होता है कि उनकी आय जैसे-जैसे बढ़ती है, बचत बढ़ने के बदले ख़र्च बढ़ने लगते हैं। अध्ययन के अनुसार भारतीय मध्यवर्गीय व्यक्ति की औसत बचत लगभग 10 हज़ार रुपये प्रतिमाह है। वहीं कई विशेषज्ञों का कहना है कि आज के समय में जब मंहगाई इतनी बढ़ रही है तो भविष्य में निर्वहन करने के लिए उसे अपनी कमाई का कम से कम 30 फ़ीसदी बचाना चाहिए। निवेश गुरु वारेन बफेट कहते हैं, 'ख़र्च करने के बाद जो बचता है वह बचत नहीं है। पहले बचत करें और फिर बचत के बाद जो बचता है उसे ख़र्च करें।' इसका मतलब यह नहीं है कि आपको अपना पैसा ख़र्च नहीं करना चाहिए और इसे अपने भविष्य के लिए निवेश करना चाहिए। आपको अपनी आय और व्यय का बजट बनाना चाहिए।

समस्या कहां हो रही है?

बड़े सपने देखना और जीवन की बेहतर गुणवत्ता की आकांक्षा रखना सही है, लेकिन आपका ख़र्च आपके बजट के अनुसार भी होना चाहिए। जैसे-जैसे हमारी आय बढ़ती है, वैसे-वैसे हमारी चाहतों का बढ़ना स्वाभाविक है। ऐसे में इस आवेग से इस तरह से तालमेल बैठाना चाहिए ताकि उतनी ही बचत हो सके। हमें अपनी चाहतों को पूरा करने से पहले न सिर्फ़ अपने ख़र्चों का बल्कि अपनी बचत का भी बजट देखना चाहिए। उदहारण के लिए, अगर आप एक नया मोबाइल फ़ोन लेने की सोच रहे हैं तो यह ज़रूरी नहीं कि आपको बहुत महंगा फोन ही लेना है, आप उससे कहीं कम क़ीमत में उससे भी बढ़िया फीचर्स वाला फ़ोन ले सकते हैं, सिर्फ़ महंगे ब्रांड मोबाइल के पीछे मत भागें। जैसे-जैसे आपकी आय बढ़ती है, वित्तीय साधनों के विकल्प खुलते जाते हैं, जैसे आपकी आय के अनुसार बैंक आसानी से उच्च क्रेडिट सीमा वाले क्रेडिट कार्ड देगा आदि। इस तरह की स्थितियों में, आपको ख़ुद से पूछना होगा कि क्या आप इस नई आज़ादी का ज़िम्मेदारी से इस्तेमाल कर सकते हैं? क्या आप इस हिसाब से तो ख़र्च नहीं कर रहे कि आप अपनी ख़ुद की ख़र्च की हुई राशि का ही भुगतान न कर सकें या आप एक निर्धारित निवेश नहीं कर पा रहे और किसी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए आपके पास कोई बचत ही नहीं है?

नया बजट बनाएं

आपकी आय बढ़ी है तो बजट भी नए सिरे से बनाना चाहिए। इसमें आपकी आय, आवश्यक ख़र्चे और निवेश के बारे में लिखें। इस बजट की तुलना पुराने बजट से करें और देखें कि पहले के मुकाबले आपकी कितनी आय बढ़ी है। इस अंतर के अनुसार निवेश और बचत की रकम बढ़ा दें। याद रखें पहले बचत का बजट बनाएं (जो कि आपकी आय का कम से कम 30 प्रतिशत होना चाहिए।) और उसके बाद अपने ख़र्चों का बजट बनाएं।

निवेश में रुचि लाएं

पैसों को ख़र्च करने से ज़्यादा निवेश करने में रुचि बढ़ाएं। जब बचत करके निवेश करने की बात आती है तो एसआईपी सबसे सही विकल्प लगता है। अभी तक आप इसका जितना फ़ीसदी निवेश कर रहे थे उसे बजट अनुसार बढ़ाकर किसी भी म्यूचुअल फंड में एक अच्छी एसआईपी शुरू करें। इसके अलावा मान लीजिए कि अगर अभी तक आप बचत खाते में 10 हज़ार रुपये हर महीने डालते आए हैं तो आय बढ़ने के साथ-साथ इस रकम को बढ़ाते जाएं।

ख़र्चों पर नियंत्रण रखें

अगर आप ख़र्चों पर नज़र नहीं रखते और बजट के अनुसार भी ख़र्च नहीं करते हैं तो यह सबसे बड़ी ग़लती है। वैसे तो दैनिक छोटे-छोटे ख़र्चों को ट्रैक करना संभव नहीं है लेकिन मासिक बजट के अनुसार ख़र्च करने की आदत डालना ज़रूरी है। ख़र्चों पर नज़र रखने के लिए मोबाइल एप्लिकेशन इस्तेमाल कर सकते हैं। इसकी मदद से दैनिक और छोटे-छोटे ख़र्चों को भी ट्रैक कर सकते हैं।

बचत पर दे ध्यान

आप जहां-जहां धन निवेश कर रहे हैं उस पर नज़र भी रखें। ऐसा नहीं है कि एक बार निवेश किया और निश्चिंत हो गए। हर महीने वृद्धि हो रही है या नहीं, इस पर नज़र रखें। आपका जो बचत खाता है उसमें महीने और आय वृद्धि के हिसाब से रकम बढ़ रही है, यह भी ग़ौर करते रहें। अगर आप म्यूचुअल फंड की एसआईपी में निवेश कर रहे हैं तो आप हर महीने इसमें टॉप अप करके इस रकम को बढ़ा सकते है। ज़ाहिर है कि पैसों की बचत करना ज़रूरी है लेकिन उस बचत का रिव्यू करना भी ज़रूरी है।

आप भी सोने में इन तरीकों से निवेश कर सकते हैं

सदियों से सोने को निवेश का सबसे अच्छा विकल्प माना जाता है। इसमें सोने के सिक्के या ज़ेवर में सबसे ज़्यादा निवेश होता है। हमारे यहां लोग अलग-अलग जगह अपनी पूंजी का निवेश करते हैं। इनमें से सोने में निवेश करना सबसे सुरक्षित माना जाता है। सोने के सिक्के और ज़ेवर सबसे ज़्यादा ख़रीदे जाते हैं। इस तरह के सोने को फिज़िकल गोल्ड कहते हैं। अगर आप भविष्य के लिए सिर्फ़ सोने पर निवेश करना चाहते हैं तो इसके कई विकल्प मौजूद हैं। सोने का हर निवेश अपने आप में अलग है और अलग फ़ायदे भी हैं। तो जानिए आपके लिए कौन-सा बेहतर है।

गोल्ड ईटीएफ

गोल्ड ईटीएफ यानी गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स एफडी से अधिक मुनाफा दे सकता है। ये ऐसे फंड्स होते हैं जो सोने में निवेश करते हैं। आम शेयरों की तरह इन्हें ख़रीदा और बेचा जा सकता है। गोल्ड ईटीएफ के लिए एक डीमैट खाते की आवश्यकता होगी। गोल्ड ईटीएफ की ख़रीद या बिक्री स्टॉक एक्सचेंज पर होती है। गोल्ड ईटीएफ में निवेश करने के लिए कम से कम एक यूनिट ख़रीदना ज़रूरी है। एक यूनिट एक ग्राम सोने के बराबर होती है। जब भी इसे बेचेंगे तो इसमें आपको सोना नहीं बल्कि उस समय के अनुसार बाज़ार मूल्य के बराबर राशि मिलती है।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड काग़ज़ी रूप में होते हैं जो रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा जारी किए जाते हैं। बॉन्ड में न्यूनतम निवेश 1 ग्राम से किया जा सकता है और एक निवेशक 4 किलो तक ख़रीद सकता है। यह प्रारंभिक निवेश पर निवेशक को 2.5 फ़ीसदी की दर से अर्ध-वार्षिक ब्याज का भुगतान करता है। यदि 8 वर्ष की परिपक्वता अवधि तक इसे रखा जाता है, तो इस पर कोई कर नहीं देना होता है। बॉन्ड की अवधि 8 साल के लिए है, जिसमें 5 साल के बाद रिडीम कराने का विकल्प है, जिसे ब्याज की देय तारीख पर रिडीम कराया जा सकता है। निवेशक इस बॉन्ड को गिरवी रखकर लोन भी ले सकता है, जो कि इसके जारी होने के 15 दिन के अंदर हो सकेगा। इस पर जीएसटी का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं है।

डिजिटल गोल्ड

ये ऑनलाइन गोल्ड ख़रीदने का एक तरीक़ा है। इसे ख़रीदकर वॉलेट में स्टोर करके रख दिया जाता है। इस सोने को ख़रीदने का सबसे बड़ा फ़ायदा ये है कि इसे असली सोने में भी बदल सकते हैं, जिसके लिए अतिरिक्त भुगतान करना पड़ेगा। इसमें 3 फ़ीसदी जीएसटी का भुगतान करना पड़ता है। साथ ही सोने को डिजिटल वॉलेट में स्टोर करने के लिए भी कुछ रकम चुकानी पड़ती है। बाज़ार से कम से कम एक ग्राम का सोना ख़रीदना ही होता है जिसकी क़ीमत में हर रोज़ उतार-चढ़ाव होता रहता है। लेकिन डिजिटल सोने को आप 1 रुपये तक की क़ीमत में भी ख़रीद और बेच सकते हैं।

गोल्ड म्यूचुअल फंड

यह म्यूचुअल फंड सोने के गिरने-चढ़ने पर आधारित होता है। इस फंड में निवेश करने के लिए डीमैट खाते की आवश्यकता नहीं है। सिर्फ़ एक मामूली खाते के साथ और सलाहकार की मदद से गोल्ड म्यूचुअल फंड में निवेश कर सकते हैं। कोई भी विश्वसनीय फंड हाउस की वेबसाइट या शाखा में जाकर निवेश कर सकता है। इनमें निवेशक एसआईपी के ज़रिए निवेश कर सकते हैं, जो ईटीएफ में संभव नहीं है। इस फंड में मासिक एसआईपी के रूप में न्यूनतम 1000 रुपये के निवेश की आवश्यकता होती है। एसआईपी निवेश राशि कम ख़र्च पर अच्छा लाभ देती है। गोल्ड म्यूचुअल फंड सुरक्षित निवेशों में से एक है। यह फंड नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (एसईबीआई) द्वारा नियंत्रित होते हैं।

निवेशों के अंतर को समझें

यदि धातु के रूप में सोना ख़रीद रहा है, तो ख़रीदने की लागत और बिक्री मूल्य के बीच का फ़र्क़ लाभ होता है। हालांकि, जो लोग भौतिक सोना ख़रीदते हैं, वे इसे तब तक बेचने का इरादा नहीं रखते जब तक कि ऐसा करने की सख्त ज़रूरत न हो। इसलिए, रिटर्न का परिप्रेक्ष्य इस मामले में शून्य है।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) के मामले में, सोने को भौतिक तरीक़े से निवेश करने और विविधता लाने के बजाय डिजिटल तरीक़े से निवेश किया जाता है। इसलिए, जो परिपक्वता तक एसजीबी में निवेश करते हैं, वे ब्याज के साथ-साथ पूंजी में वृद्धि का फ़ायदा उठा सकते हैं, जो सोने में निवेश के किसी अन्य विकल्प में उपलब्ध नहीं है।

ईटीएफ और गोल्ड फंड्स के मामले में, यह सोने में रिटर्न को परिलक्षित करेगा क्योंकि ये तरीक़ा भौतिक सोने द्वारा समर्थित है। इसलिए रिटर्न इस बात से स्पष्ट होता है कि किसी विशेष वर्ष में सोने की क़ीमतों में कैसा प्रदर्शन रहा। चूंकि, यह विकल्प सोने की क़ीमत में रिटर्न के आधार पर लाभ देता है, इसलिए यह एसजीबी की तुलना में फ़ायदेमंद है।

बचे हुए चावल से बनाएं स्वादिष्ट और चटपटा फ्राइड राइस

मुख्य सामग्री

1 कप उबला हुआ चावल
मुख्य पकवान के लिए
1 कप कटा हुआ प्याज
1 कप सेम

जरूरत के अनुसार लहसुन
1 कप गाजर
जरूरत के अनुसार नमक
1/2 छोटी चम्मच चिली पाउडर
1/2 छोटी चम्मच चिली फ्लैक्स
1/2 छोटी चम्मच सिरका
1 छोटी चम्मच टमाटर सॉस

स्टेप 1:

सबसे पहले एक पैन लेकर उसमें तेल डालकर उसे गर्म करें और कद्दूकस किए हुए लहसुन, बारीक कटे प्याज डालकर उसे पारदर्शी होने तक भून लें।

स्टेप 2:

जब प्याज अच्छी तरह से भूल जाए तब उसमें कटे हुए गाजर बींस डाल कर दो से 3 मिनट तक उसे भूने। अब इसमें नमक मिर्ची पाउडर चिल्ली फ्लेक्स फ्राइड राइस मसाला केचप और विनेगर डालें अब सभी सामग्री को अच्छी तरह से मिला लें।

स्टेप 3:

अब तैयार हुए मसाले में पके हुए चावल को डालकर इसे अच्छी तरह से मिला ले और ढक्कन बंद करके एक या 2 मिनट के लिए इसे पकने दें ताकि मसाले का फ्लेवर चावल में अच्छी तरह से घुस जाए।

स्टेप 4:

तैयार है गरमा गरम फ्राइड राइस इसे धनिया की पत्ती से गार्निश करके गरमागरम सर्व करें।

पित्त की पथरियों को खींचकर बाहर निकाल देगा ये घरेलू उपाय

किडनी की पथरी की तरह पित्ताशय की थैली यानी पित्त में पथरी बनना भी एक आम समस्या है। पित्ताशय की थैली में पथरी का तब तक पता नहीं चलता जब तक कि वे गंभीर दर्द का कारण न बन जाएं। पित्त की पथरी छोटी और कठोर होती हैं। यह तब बनती हैं, जब पित्ताशय में में कोलेस्ट्रॉल और बाइल साल्ट की मात्रा अधिक हो जाती है। पथरियों का आकार अनाज के दाने से लेकर टेनिस बॉल जितना बड़ा हो सकता है।

पित्त की थैली में पथरी बनने पर आपको कई लक्षण महसूस हो सकते हैं, जिनमें पेट के ऊपरी दाहिने हिस्से में अचानक और तेज दर्द होना, पेट के बीच में दर्द होना, कंधे के पास पीठ में दर्द, दाहिने कंधे में दर्द, मतली या उलटी महसूस होना।

पित्त पथरी का इलाज क्या है? अगर पथरी छोटी है, तो यह अपने आप बाहर निकल सकती है। यह पित्त नली के जरिए आंतों से होकर थैली से बाहर निकल सकती है। यह पित्त नली में भी फंस सकती है, जिससे समस्या गंभीर हो सकती है। इसके लिए मेडिकल इलाज, दवाएं और सर्जरी उपलब्ध हैं लेकिन आप कुछ घरेलू उपायों के जरिए भी इससे राहत पा सकते हैं।

पित्त की पथरी का इलाज है हल्दी

NCBI पर छपे एक शोध (Ref) के अनुसार, हल्दी को एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुणों के लिए जाना जाता है। हल्दी के सेवन से पित्त की घुलनशीलता को बढ़ाने में मदद मिल सकती है। हेल्दी एंड फिट रहने और पित्त की पथरी को दूर रखने के लिए हर दिन हल्दी में शहद मिलाकर खाएं।

पित्त की पथरी का सस्ता इलाज है नींबू

नींबू का रस विटामिन सी का एक बढ़िया स्रोत है। विटामिन सी भरपूर चीजों के सेवन से पित्त पथरी को बनने से रोका जा सकता है। इसके लिए आपको रोजाना नींबू का पानी पीना चाहिए। आप सुबह उठकर सबसे पहले नींबू का पानी पी सकते हैं। अच्छे रिजल्ट के लिए दिन भर खूब पानी पिएं।

क्रैनबेरी का जूस

रोजाना एक गिलास क्रैनबेरी जूस पीने से आपको पित्त की पथरी में आराम मिल सकता है। शरीर के स्वस्थ कामकाज को बनाए रखने के लिए हर दिन इस जूस का सेवन करें। क्रैनबेरी जूस में मौजूद फाइबर शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करता है, जिससे कोलेस्ट्रॉल पित्त पथरी बनने से रोकता है।

नारियल का तेल

यदि आप पित्ताशय की थैली से पीड़ित हैं, तो यह उपाय आपके लिए एकदम सही है। नारियल के तेल में मौजूद फैट को लिवर आसानी से पचा लेता है। 3 बड़े चम्मच नारियल का तेल, 1/4 गिलास सेब का रस, आधा नींबू का रस, एक लहसुन लौंग और एक अदरक के टुकड़े को मिक्स कर लें और इस मिश्रण को रोजाना लें।

ग्रीन टी है पित्त का पथरी का असरदार घरेलू उपाय

इसमें एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो आपके शरीर को ऊर्जा देते हैं और सूजन को कम करते हैं। वे पित्त पथरी को रोकने में भी सक्षम हो सकते हैं। अच्छे रिजल्ट के लिए आपको दिन में कम से कम तीन कप ग्रीन टी का सेवन करना चाहिए।

सिंहपर्णी की जड़

सिंहपर्णी एक एक ऐसा औषधीय पौधा है, जो पित्ताशय की पथरी के लिए एक बढ़िया प्राकृतिक उपचार है। सिंहपर्णी की पत्तियां पित्त के उत्सर्जन और वसा के चयापचय में मदद करती हैं। इस जड़ी बूटी का सेवन करने से पित्ताशय की थैली को उत्तेजित करने में भी मदद मिल सकती है। इसके लिए आपकी इसकी हर्बल चाय बनाकर पी सकते हैं।

चुकंदर का रस बाहर निकालेगा पित्त की पथरी

फाइबर, कैरोटेनॉयड्स और फ्लेवोनोइड्स से भरपूर, चुकंदर का रस रक्त कोलेस्ट्रॉल को कम करने के लिए जाना जाता है। यही वजह है कि कोलेस्ट्रॉल पित्त पथरी नहीं बन सकता। यह लिवर के कामकाज में भी सुधार करता है। पित्त की पथरी में आराम के लिए रोजाना एक कप चुकंदर का रस पिएं।

मूली का रस

हालांकि यह कई लोगों की पसंदीदा सब्जी नहीं है, लेकिन यह पित्त पथरी के लिए एक और अच्छा घरेलू उपाय है। मूली कोलेस्ट्रॉल और पित्त पथरी के इलाज में मदद कर सकती है। बड़ी पित्त पथरी के लिए पूरे दिन में पांच से छह बड़े चम्मच तक मूली का रस पिएं। छोटी पथरी के लिए दिन में एक या दो चम्मच पर्याप्त है।

खली को मिट्टी में मिलाते ही मरते हुए पौधे हरे-भरे हो जाएंगे

पौधों को हरा-भरा और मज़बूत रखने के लिए आमतौर पर खाद का प्रयोग किया जाता है। हालांकि खाद के अधिक प्रयोग से मिट्टी की क्षारीयता बढ़ जाती है, जिससे पौधे या तो मर जाते हैं या सूख जाते हैं। ऐसे में मिट्टी और पौधों के लिए खलियों का उचित प्रयोग लाभकारी हो सकता है।

पौधों को पोषक तत्वों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने, फूलों व फलों की गुणवत्ता बढ़ाने, कीड़ों और बीमारियों से पौधों को सुरक्षा प्रदान करने आदि में खलियां बहुत उपयोगी साबित होती हैं। खली को खाद के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इसमें पौधों के लिए नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटैशियम तथा जैविक कार्बन जैसे सबसे जरूरी पोषक तत्व भरपूर मात्रा में उपस्थित होते हैं। खली में 8-10% तक तेल का अंश होता है, जो प्राकृतिक रूप से कीटनाशक की तरह काम करता है। इससे पौधों में कीड़े व बीमारियों का प्रकोप नहीं होता है। साथ ही इसके प्रयोग से पौधों में क्लोरोफिल की मात्रा बढ़ जाती है। इससे पौधे हरे भरे रहते हैं और इनका विकास तीव्र गति से होता है। पौधों के लिए मुख्य रूप से सरसों, मूंगफली व नीम की खली का उपयोग खाद अथवा तरल छिड़काव के रूप में प्रयोग किया जाता है।

सरसों की खली

इसे पौधों की बढ़वार के लिए अत्यंत आवश्यक खली माना जाता है। इसे खाद के रूप में मिट्टी में भी डाला जा सकता है। फूल वाले पौधों में हर 15 से 20 दिनों में उपयोग करने से फूल और फल जल्दी लगते हैं। खली के प्रयोग से उनकी गुणवत्ता अच्छी रहती है। इससे जड़ों में फंगस नहीं लगती और पौधे स्वस्थ रहते हैं।

उपयोग का तरीक़ा...

100 ग्राम सरसों की खली को किसी मिट्टी के बर्तन या प्लास्टिक की बाल्टी में 1 लीटर पानी में अच्छे से मिलाकर 2 से 3 दिनों तक छोड़ दें। खली के गलने के बाद तैयार घोल को 5 लीटर पानी में मिलाकर तरल रूप में मिट्टी में डाल दें। 20 ग्राम सरसों की खली के चूर्ण को 500 ग्राम जैविक खाद के साथ मिलाकर उपयोग करें। 20 से 25 ग्राम सरसों की खली के चूर्ण को मिट्टी में मिलाकर गमलों में एक इंच की परत बिछा दें। यह खाद के रूप में काम करेगा।

मूंगफली की खली

पौधों के लिए बहुत लाभकारी है जो नाइट्रोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ ही पौधों में रोग प्रतिरोधक क्षमता को विकसित करती है। इसे जैविक खाद के रूप में उपयोग किया जा सकता है।

उपयोग का तरीक़ा...

100 ग्राम मूंगफली की खली को 1 लीटर पानी में डालकर 2 से 3 दिन के लिए छोड़ दें। इसके बाद इस घोल को छान लें और 2 लीटर पानी में मिलाकर मिट्टी में डाल दें।

नीम की खली

नीम का तेल निकालने के पश्चात बीजों का बचा हुआ भाग नीम की खली कहलाता है। यह हर प्रकार के पौधे के लिए फायदेमंद है। यह पौधों के लिए आवश्यक पोषक तत्व उपलब्ध कराने के साथ-साथ प्राकृतिक कीटनाशक का भी काम करता है। इसके अलावा इसे खाद के रूप में भी उपयोग किया जा सकता है। नीम की खली डालने से मिट्टी की क्षारीयता कम होती है। इससे पौधे को चीटियां और फंगस लगने से बचाया जा सकता है।

उपयोग का तरीक़ा...

नीम की खली को बड़े गमलों में 100 ग्राम व छोटे गमलों में 50 ग्राम प्रति पौधा डालें, इसके पश्चात हल्के से पानी का प्रयोग करें। कीटनाशक दवा के रूप में नीम की खली का प्रयोग करने के लिए 1 लीटर पानी में 50 ग्राम नीम की खली घोलकर पूरे पौधों पर छिड़काव करें।

आईटीआर फाइल करने वालों की हो जाएगी बल्ले-बल्ले

सरकार शुरू करेगी बडी सुविधा

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। अगर आप भी हर साल इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करते हैं तो इस पूरी खबर को आप ध्यान से पढ़ लीजिए। 31 मार्च को वित्तीय वर्ष 2022-23 पूरा हो गया है, इसके लिए इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) ई-फाइलिंग जल्द शुरू होने की उम्मीद की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया कि जानकारों उम्मीद कर रहे हैं कि टैक्स पेयर को आईटीआर ई-फाइलिंग की सुविधा अप्रैल के आखिरी हफ्ते या मई के पहले हफ्ते में मलिने की उम्मीद है। टैक्स पेयर्स फाइनेंशिल ईयर 2022-23 के लिए 31 जुलाई तक आयकर रिटर्न दाखिल कर सकेंगे. हालांकि, सैलरीड क्लॉस को आईटीआर फाइल करने के लिए जून के दूसरे हफ्ते का इंतजार करना होगा. दरअसल, जून के पहले हफ्ते में कंपनियों की तरफ से जून के पहले हफ्ते में फॉर्म-16 (फॉर्म-16) जेनरेट करके दिया जाएगा. उसके बाद यह कर्मचारियों के लिए, जारी किया जाएगा. आयकर विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल पर फाइल करने वाले सैलरीड टैक्सपेयर्स के लिए

कारण है कि हर साल मिड जून से आईटीआर फाइलिंग में तेजी आती है. मिड जून से शुरू करके आप 31 जुलाई 2023 असेसमेंट ईयर 2023-24 का आईटीआर फाइल करने का कोई ऑप्शन नहीं है.

मिड जून से आईटीआर फाइलिंग में तेजी आएगी

एक्सपर्ट का कहना है कि सैलरीड क्लॉस को आईटीआर फाइल करने के लिए अभी इंतजार करना होगा. नौकरीपेशा अमूमन फॉर्म-16 (फॉर्म 16) जारी होने के बाद ही आईटीआर फाइल करते हैं. यह फॉर्म हर बार जून के शुरुआती दो हफ्तों में जारी किया जाता है. यही तक आईटीआर फाइल कर सकते हैं. उम्मीद की जा रही है आईटीआर फाइलिंग मई के पहले हफ्ते से शुरू हो जाएगी.

बिना पेनाल्टी फाइल होगा आईटीआर

आयकर अधिनियम के तहत, किसी भी व्यक्ति या संस्था को हर वित्तीय वर्ष के समाप्त होने पर इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के साथ अपना आईटीआर (आईटीआर) सब्मिट करना जरूरी होता है. आईटीआर फाइल करने की अंतिम तिथि तक आप बिना किसी पेनाल्टी के रिटर्न फाइल कर सकते हैं. टैक्सपेयर्स आयकर विभाग की वेबसाइट पर जाकर 'डाउनलोड' ऑप्शन के जरिये आईटीआर ऑफलाइन यूटिलिटी डाउनलोड कर सकते हैं. इसी माध्यम से आईटीआर फाइल कर सकते हैं. कुल 7 प्रकार के आईटीआर फॉर्म आपको बता दें कुल 7 प्रकार के आईटीआर फॉर्म होते हैं. यह किसी व्यक्ति विशेष, कारोबारी, कंपनी और बिजनेस के हिसाब से अलग-अलग होता है. इसलिए, जब आप टैक्स रिटर्न फाइल करें तो सही आईटीआर फॉर्म सलिक्ट करना जरूरी है. यदि आप इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने के लिए, गलत आईटीआर फॉर्म (आईटीआर फॉर्म) यूज करते हैं तो आप आईटीआर डिफेक्टिव होगा. ऐसा होने पर विभाग आपको फरि से रिटर्न फाइल करने के लिए नोटिस भेजेगा. आइए जानते हैं किसि आईटीआर फॉर्म को कौन भर सकता है?

सुनक की पत्नी को 500 करोड़ का नुकसान

इन्फोसिस के शेयर गिरने से 24 घंटे में गंवाई रकम; कंपनी पर संसद में उठे थे सवाल

लंदन, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की पत्नी अक्षता मूर्ति को एक दिन में करीब 61 मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ। इंडियन करेंसी में यह रकम 500 करोड़ रुपए से ज्यादा है। दरअसल, सोमवार को इन्फोसिस कंपनी के शेयर करीब 10% गिरे। इसके चलते अक्षता को यह भारी नुकसान उठाना पड़ा। अक्टूबर 2019 के बाद इन्फोसिस के शेयर्स में यह एक दिन में सबसे बड़ी गिरावट है। अक्षता इन्फोसिस के को-फाउंडर नारायण मूर्ति की बेटी हैं। पिछले दिनों ऋषि सुनक को अक्षता के टैक्स से जुड़े मामलों में संसद में जवाब देना पड़ा था।

नफे की उम्मीद थी, नुकसान हो गया

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस साल के फर्स्ट क्वॉर्टर यानी जनवरी से मार्च के दौरान इन्फोसिस को फायदे की उम्मीद थी, हालांकि मार्केट का मिजाज बदला और नफे की उम्मीद नुकसान में तब्दील हो गई। यही वजह है कि अक्षता को 500 करोड़ रुपए से ज्यादा का घाटा सहन करना पड़ा और वो भी सिर्फ एक दिन की ट्रेडिंग के दौरान। अक्षता के पास इन्फोसिस का 0.94% हिस्सा है। दूसरे शब्दों में कहें तो उनके पास कुल 3.89 करोड़ शेयर हैं। सुनक फैमिली के लिए भी यह बहुत बड़ा नुकसान माना जा रहा है। इसके बावजूद उनके पास करीब 450 मिलियन पाउंड (करीब 4600 करोड़ रुपए) की वेल्थ है। ब्रिटेन में अमूमन यह सवाल उठता है कि ऐसे वक्त में जबकि आम नागरिक बढ़ती महंगाई और कॉस्ट ऑफ क्राइसिस से जूझ रहे हैं तो अक्षता या सुनक परिवार अरबों रुपए कमा रहा है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री की वेल्थ पर यह आंकड़ा पिछले दिनों ब्लूमबर्ग ने जारी किया था।

मुकेश अंबानी ने दो साल से नहीं ली सैलरी

निवेशकों को बनाया मालामाल, 1 लाख लगाने वाले आज 42 लाख के हैं मालिक

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। मुकेश अंबानी का आज यानी 19 अप्रैल 2023 को जन्मदिन है। रिलायंस इंडस्ट्रीज मार्केट कैपिटल के लिहाज से देश की सबसे बड़ी कंपनी है। मुकेश अंबानी रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुकेश अंबानी की सालाना सैलरी 15 करोड़ रुपये है। मुकेश अंबानी की सैलरी करीब 11 साल तक इसी स्तर पर रही है। कोरोना महामारी के दौरान लगातार दो वर्षों तक मुकेश अंबानी ने सेलरी नहीं ली है। मुकेश अंबानी ने रिलायंस की बागडोर संभालने के बाद से अपने साथ निवेशकों को भी मालामाल बनाया है।

दान देने में सबसे आगे

मुकेश अंबानी दान देने में भी सबसे आगे रहते हैं। हुरुन की दानदाताओं की लिस्ट के मुताबिक, मुकेश अंबानी भारत के तीसरे सबसे बड़े दानवीर हैं। मुकेश अंबानी ने बीते वर्ष करीब 411 करोड़ रुपये दान दिए थे। मुकेश अंबानी करीब 104 बिलियन डॉलर की रिलायंस इंडस्ट्रीज चलाते हैं। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स की रिपोर्ट के मुताबिक, मुकेश अंबानी दुनिया के 12वें सबसे अमीर अरबपति हैं। मुकेश अंबानी ने अपने साथ निवेशकों को भी मालामाल बनाया है। मुकेश

अंबानी ने जब से रिलायंस की कमान संभाली है, तब से अब तक इसने कई नये कारोबार में एंट्री की है। मुकेश अंबानी ने अपने पिता के निधन के बाद 2002 में रिलायंस इंडस्ट्रीज की कमान संभाली थी। इसके बाद से रिलायंस ने काफी ग्रोथ हासिल की है। आज रिलायंस की मार्केट कैपिटल 15.84 लाख करोड़ रु है। साल 2003 में जनवरी माह में रिलायंस का शेयर करीब 55 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं आज रिलायंस के शेयर 2,353.45 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। इस तरह देखें तो रिलायंस के शेयर ने निवेशकों को 4142 फीसदी का रिटर्न दिया है। अगर किसी ने 20 साल पहले कंपनी के शेयरों में 1 लाख रु लगाए होते तो उनकी वैल्यू आज 42 लाख रुपये से ज्यादा होती।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2548, हिजरी सन् -1444
कलियुग आदि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि प्रारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- अमावस - 09 -42 तक उपरान्त प्रतिपदा
मास - वैशाख कृष्ण पक्ष , गुरुवार April 20
नक्षत्र - अश्विनी - 23- 10 - तक उपरान्त भरणी
योग - विष्कुंभ - 12 - 59 - तक उप - प्रीति
करण- नाग - 09 - 42 - तक उप- किंस्तुघ्न
विशेष- देवकार्य अमावस्या
व्रत त्योहार - श्री सुकदेव जं.,ग्रीष्म ऋतु प्रा.

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मेष में	मेष...	05-42 बजे
चंद्र-	मेष में	वृष...	07-27 बजे
मंगल	मिथुन में	मिथुन...	09-28 बजे
बुध-	मेष में	कर्क...	11-40 बजे
गुरु-	मीन में	सिंह...	13-52 बजे
शुक्र-	वृष में	कन्या...	16-00 बजे
शनि-	कुंभ में	तुला...	18-06 बजे
राहु-	मेष में	वृश्चिक.	20-14 बजे
केतु-	तुला में	धनु...	22-28 बजे
		मकर...	00-34 बजे
		कुंभ...	02-26 बजे
		मीन...	04-03 बजे

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:49 से 15:24 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	06:00 - 07:33	शुभ	अमृत.	18:29 - 19:58	शुभ
रोग	07:33 - 09:07	अशुभ	चंचल.	19:58 - 21:23	शुभ
उत्पात	09:07 - 10:41	अशुभ	रोग.	21:23 - 22:49	अशुभ
चंचल	10:41 - 12:15	शुभ	काल.	22:49 - 00:15	अशुभ
लाभ	12:15 - 13:49	शुभ	लाभ	00:15 - 01:41	शुभ
अमृत	13:49 - 15:24	शुभ	उत्पात	01:41 - 03:06	अशुभ
काल	15:24 - 16:58	अशुभ	शुभ	03:06 - 04:32	शुभ
शुभ	16:58 - 18:29	शुभ	अमृत	04:32 - 06:00	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज आप ऊर्जा से भरपूर हैं और काफी मेहनत करने के लिए तैयार भी हैं आपकी सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह ओरों को भी प्रभावित करेगा ,आपकी टीम को आपसे बेहतर काम करने के लिए प्रेरणा मिलेगी घर पर भी आज आप सामान्य से अधिक जिम्मेदारियां उठाएंगे इससे आपके करीबियों को ख़ुशी होगी आपको बस यह देखना है की यही स्थिति लगातार बनी रहे।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
अपनी आँखें खुली रखें ,आज आपकी मुलाकात अपने सपनों के साथी से हो सकती है प्रेम पाने की सम्भावना आज प्रबल है हालाँकि अलग से अंदाज के कारण उसे पहचानना मुश्किल हो सकता है आज आपको किसी अप्रत्याशित व्यक्ति से उपहार भी मिल सकता है कुल मिलकर आज का दिन आपके लिए घटनाओं से भरा रहेगा

मिथुन का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,
आज का दिन आपके लिए विशेष हो सकता है आपके दृष्टिकोण में आज कोई नया आयाम जुड़ेगा या आप किसी अपरिचित व्यक्ति के दृष्टिकोण से अत्यधिक प्रभावित होंगे आपको यह सीख मिलेगी कि अपना भविष्य तय करने में तथा अपनी जिंदगी में फिलहाल चल रही समस्या से जूझने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका आप०को ही निभानी है

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आप किसी बड़े सम्मेलन या सेमिनार की मेजबानी कर सकते हैं लेकिन आपके मनचाहे समय पर स्थान की उपलब्धता के कारण हुई हल्की सी ग़लतफ़हमी से आपको शर्मिंदगी महसूस होगी और आपको कार्यक्रम रद्द करना पड़ सकता है आपको ऐसे समय में शांति बनाये रखनी होगी और सकारात्मक कोशिशें करते रहनी होंगी

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज का दिन सभी भावनात्मक और वास्तविक मुद्दों के मामले उतार चढाव भरा रहेगा गृहों की चाल यह बता रही है कि आप सुबह भावनात्मक बने रह सकते हैं और सब चीजों के बारे में अपनी भावनात्मक प्रतिक्रिया के नजरिये से ही सोचेंगे इससे कुछ गलत फैसलों की भी सम्भावना है लेकिन शाम तक सब ठीक हो जाएगा और आप और स्पष्ट तरीके से सोच और देख पायेंगे

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,
मेहनत से कांम करें और जमकर आनंद उठायें आज आप पुरे दिन इसी सिद्धांत पर चलेंगे और यह उपयुक्त भी है दिन की शुरुआत सामान्य होगी लेकिन अंत दोस्तों और परिवार के साथ जश्न से होगा आपकी लोगों को हंसाने की क्षमता और खुशमिजाज स्वभाव बड़ी पार्टी की मेजबानी के लिए भी उपयुक्त है

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
एकरसता आपको अच्छी न लगती इससे आप बोर अनुभव करते हैं आज आप काफी खुश और फ्लर्ट वाले मूड में होंगे अपनी दिनचर्या बदलें इसमें फिटनेस को जगह दें किसी मनोरंजक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं आपके नए विचार से वरिष्ठ अधिकारी प्रभावित होंगें ऑफिस में नयी पहचान बनेगी कुल मिलकर दिन हल्का-फुल्का गुजरेगा

वृश्चिक लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,
अगर आपने हाल ही में कोई परीक्षा दी है , तो आपको सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सकता है । आपको कड़ी मेहनत और समर्पण का फल मिलेगा । आप आज वित्तीय योजना के बारे मैं जानेंगे । निवेश करने से पहले , सही योजना पर अपने मित्रों और सहयोगियों से सलाह ले । प्रस्ताव आपके लिए अच्छा साबित हो सकता है । आपका दिन ऑफिस में अछा रहेगा ।

धनु ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे
आज अपने कार्य से संबंधित कारणों से अपने निवास स्थान में परिवर्तन की सम्भावना है ।आपको पदोन्नत किया जा सकता है और एक अलग क्षेत्र के लिए स्थानांतरित किया जा सकता है या आप कोई दूसरी नौकरी को ग्रहण कर सकते है ।आप एक पेशेवर सलाहकार या अपने किसी करीबी से आज कैरियर से संबंधित सलाह ले सकते हैं।

मकर भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी
इस बात की सम्भावना है कि कोई आपके आसपास आपके विचार चुराकर आने करियर में प्रगति करना चाहता है इसीलिए किसी से बात करते हुए सावधान रहें आपको इस समय बड़ी गंभीरता से अपने हित के बारे में सोचना है अपने लम्बे सहकर्मी रह चुके लोगों के साथ भी अपनी जानकारियां साझी न करें इस दौरान धीरज से काम लेंगे तो जल्दी ही अपने शुभचिंतकों को भी पहचान जायेंगे

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,
आज किसी अनियोजित रोमांचक यात्रा पर जाने की सम्भावना है हो सकता है कि शहर में ही घूमना चाहें,लेकिन आपका विचार खूब मजे करने का है और ऐसा ही होगा भी आप किसी करीबी के साथ हुए गिले-शिकवे दूर कर सकते हैं आपको पहले ही ऐसा करना चाहिए था,परन्तु आज सामने आने पर सब बातें साफ़ हो जायेंगी

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
भौतिक सुविधाओं की ओर ध्यान देने के लिए यह काफी अच्छा समय है अपने सामाजिक जीवन का आनंद उठायें और ऐसे दोस्तों और परिचितों से भी बात करें जिनके सम्पर्क में आप लम्बे समय से नही रहे हैं आज अपने जाग्रति स्तर में भी बदलाव महसूस करेंगे,जो आपको अचानक ही अनुभव होगा इस समय अपने मन की बात सुनना ही उचित होगा

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

अक्षय तृतीया से पहले सस्ता हुआ सोना, चांदी में जबरदस्त गिरावट

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। अक्षय तृतीया से पहले बाजार में सोने की कीमतों में गिरावट आई है। अक्षय तृतीया पर अबूझ सावे रहते हैं। इससे पहले सोने की अच्छी डिमांड देखने को मिलती है। अक्षय तृतीया पर भी सोना खरीदना शुभ माना जाता है। लेकिन इस बार सर्राफा बाजारों में कोई खास डिमांड देखने को नहीं मिल रही है। नतीजतन सोने की कीमतों में गिरावट देखने को मिल रही है। सोने की घरेलू वायदा कीमत में भी अच्छी-खासी गिरावट देखने को मिली है। एमसीएक्स एक्सचेंज पर बुधवार शाम 5 जून 2023 की डिलिवरी वाले सोना का भाव 1.11 फीसदी या 671 रुपये की गिरावट के साथ 59,817 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड करता दिखा।

चांदी में भारी गिरावट

सोने के साथ ही चांदी की कीमतों में भी गिरावट देखी गई है। एमसीएक्स पर चांदी के घरेलू वायदा भाव में बुधवार शाम बड़ी गिरावट देखी गई।

अदाणी समूह पर एक साल में बढ़ गया 21 फीसदी कर्ज

शेयर गिरवी रख पैसे जुटा रहा समूह

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। अदाणी समूह पर पिछले एक साल में कर्ज 21 फीसदी बढ़ गया है। समूह की ओर से लिए गए कुल कर्ज में वैश्विक बैंकों की हिस्सेदारी करीब 29 फीसदी है। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद अपनी साख बचाने के लिए समूह लगातार बॉन्ड और कर्ज के अलावा शेयरों को गिरवी रखकर पैसा जुटा रहा है। इस रकम से समूह अपने कर्ज का पुनर्भुगतान कर रहा है।

कर्ज जुटाने के लिए समूह ने विदेश में भी रोड शो किया है। एक रिपोर्ट में मंगलवार को कहा गया कि मार्च तिमाही में अदाणी समूह ने तीन अरब डॉलर के कर्ज का भुगतान किया है। मार्च तिमाही में प्रवर्तकों के गिरवी रखे शेयरों में भी कमी की गई है। इसने 36 अरब रुपये के कमर्शियल पेपर का भी भुगतान किया है।

रत्न व आभूषण निर्यात 23.75 फीसदी घटकर 21,502 करोड़

देश का रत्न एवं आभूषण निर्यात मार्च, 2023 में 23.75 फीसदी गिरकर 21,502 करोड़ रुपये रह गया है। एक साल पहले के समान महीने में यह आंकड़ा 28,198.36 करोड़ रुपये रहा था। जेम्स एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी) ने मंगलवार को बताया, भू-राजनीतिक चुनौतियों के कारण उद्योग पर असर पड़ा है। जीजेईपीसी चेयरमैन विपुल शाह ने बताया कि अप्रैल, 2022

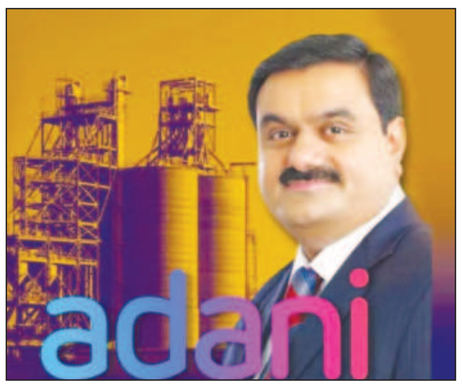

से मार्च 2023 के बीच कट एवं पॉलिश हीरों का निर्यात 2.97 फीसदी घटकर 1,76,696 करोड़ रहा है। आंकड़ों के मुताबिक, 2021-22 में कुल निर्यात 2,93,193 करोड़ रुपये रहा था। 2022-23 में यह 2.48 फीसदी बढ़कर 3,00,462 करोड़ रुपये पहुंच गया।

चीनी का उत्पादन 6 फीसदी घटकर 3.11 करोड़ टन महाराष्ट्र में कम उत्पादन से देशभर में चीनी उत्पादन 15 अप्रैल तक छह फीसदी घटकर 3.11 करोड़ टन रह गया है। पिछले साल उत्पादन 3.28 करोड़ टन रहा था। इस्मा के आंकड़ों के मुताबिक, एक अक्तूबर, 2022 से 15 अप्रैल, 2023 के बीच महाराष्ट्र प्रदेश में चीनी उत्पादन बढ़कर 96.6 लाख टन पहुंच गया। एक साल पहले यह 94.4 लाख टन था। महाराष्ट्र में यह 126.5 लाख टन से घटकर 105 लाख टन रह गया है।

ब्रांच ऑफिस से मुख्यालय को दी जाने वाली सेवाओं पर लगेगा 18% जीएसटी

किसी कंपनी के अलग राज्यों में स्थित ब्रांच ऑफिस के कर्मचारी अगर मुख्यालय को सेवाएं मुहैया कराते हैं तो उस पर 18 फीसदी जीएसटी का भुगतान करना होगा। जीएसटी से जुड़े विवादों में फैसला करने वाले निकाय एडवांस रूलिंग प्राधिकरण (एएआर) ने प्रॉफिसॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के मामले में यह फैसला दिया है। कंपनी ने एएआर से यह जानने की कोशिश की थी कि क्या मुख्यालय को दी जाने वाली सेवाएं भी जीएसटी के दायरे में आएंगी। प्रॉफिसॉल्यूशंस का कर्नाटक में पंजीकृत मुख्यालय है। तमिलनाडु में ब्रांच ऑफिस है। प्रॉफिसॉल्यूशंस की दलील थी कि कर्मचारी कंपनी में नियुक्त हुए हैं। वे मुख्यालय या ब्रांच ऑफिस के बजाय पूरी कंपनी के लिए काम करते हैं।

इस पर एएआर ने कहा कि जीएसटी प्रावधानों के तहत भौतिक उपस्थिति रखने वाले हर राज्य में जीएसटी पंजीकरण कराना जरूरी होता है। अगर एक ही संस्था के दो पंजीकरण नंबरों के बीच सेवाओं की आपूर्ति होती है, तब भी उस पर जीएसटी चुकाना होगा।

लगातार तीसरे दिन शेयर बाजार लाल निशान पर हुआ बंद, सेंसेक्स 159 अंक टूटा

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन लाल निशान पर बंद हुआ। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन सेंसेक्स 159.21 अंक गिरकर 59,567.80 अंक पर बंद हुआ जबकि निफ्टी 41.40 अंक टूटकर 17,618.75 अंक पर बंद हुआ। बुधवार के कारोबारी सेशन में रुपया डॉलर के मुकाबले 18 पैसे की गिरावट के साथ 82.22 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। आज के कारोबारी सेशन के दौरान आईटी और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में बिकवाली दिखी। एनएसई निफ्टी आईटी इंडेक्स 1.77 फीसदी टूटकर बंद हुआ। निफ्टी में एचसीएल टेक के शेयरों में 2.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और यह इंडेक्स का टॉप लूजर रहा। वहीं बीपीसीएल के शेयर बाजार का टॉप गेनर रहा। वैश्विक बाजारों में दिखी कमजोरी भी घरेलू बाजार के टूटने का कारण बना। निवेशक अमेरिका में मंदी की आशंका से चिंतित दिखे।

वर्क फ्रॉम होम का चलन घटते ही ट्रेडिंग से किनारा करने लगे लोग, 9 महीनों में इतने लोगों ने छोड़ा बाजार

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। ब्रोकर हर महीने नए डीमैट खाते खोल रहे हैं, लेकिन उनके कुछ पुराने ग्राहकों को शेयर बाजार से लगातार नकारात्मक रिटर्न मिल रहा है, ऐसे में वे इससे किनारा करने में ही भलाई समझ रहे हैं। एनएसई के ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि एक्सचेंज की एक्टिव क्लाइंट लिस्ट में पिछले 9 महीनों में 53 लाख की गिरावट आई है। एनएसई पर सक्रिय ग्राहकों की संख्या मार्च में लगातार नौवें महीने घटकर 3.27 करोड़ रह गई, जो जून 2022 में 3.8 करोड़ निवेशकों से 53 लाख कम है। इसके अलावा, तीन अन्य संकेत दिखाते हैं कि बाजार में खुदरा कारोबार करने वाले लोग अब उस समय कि तुलना में कम उत्साहित हैं जब देश में लॉकडाउन के विभिन्न चरणों के दौरान वे वर्क फ्रॉम हो कर रहे थे।

10 हजार कर्मचारियों को निकालेगी मेटा

ये छंटनी का दूसरा राउंड, पहले में 11 हजार लोगों को नौकरी से निकाला था

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। फेसबुक, इंस्टाग्राम और वॉट्सऐप की पेरेंट कंपनी मेटा 10 हजार कर्मचारियों को नौकरी से निकालेगी। ये छंटनी मई महीने से शुरू होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कंपनी के टॉप ऑफिशियल्स ने मैनेजमेंट को नौकरी में कटौती की घोषणा करने की जानकारी दे दी है। मेटा में छंटनी का ये दूसरा राउंड है।

पहले राउंड में 11 हजार कर्मचारियों को निकाला

मेटा ने पहले राउंड में 11 हजार कर्मचारियों को निकाला था, जो पूरी वर्कफोर्स का 13% था। कंपनी के 18 साल के इतिहास में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में कर्मचारियों की छंटनी हुई थी। कर्मचारियों को निकालने का ऐलान कंपनी के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने किया था। उन्होंने इसकी वजह गलत फैसलों से रेवेन्यू में आई गिरावट को बताया था।

5 हजार पोस्ट खाली रखी जाएंगी

जुकरबर्ग ने पिछले महीने ही छंटनी के संकेत दे दिए था। उन्होंने कहा था 10,000 लोगों को नौकरी से निकालने के बाद कंपनी में 5 हजार पोस्ट खाली रखी जाएंगी। जुकरबर्ग ने ये भी कहा था कि 'कंपनी की कमाई में गिरावट के लिए अमेरिका में बढ़ी ब्याज दरें और दुनिया में बढ़ी अस्थिरता जिम्मेदार है।

कंपनी इस स्थिति में कैसे पहुंची?

पहले राउंड की छंटनी के दौरान मार्क ने कहा था, 'कोविड की शुरुआत में, दुनिया तेजी से ऑनलाइन हो गई और ई-कॉमर्स के बढ़ने से रेवेन्यू में इजाफा हुआ। कई लोगों ने प्रिडिक्ट किया कि यह बढ़ोतरी स्थायी होगी जो महामारी खत्म होने के बाद भी जारी रहेगी। मैंने भी यही सोचा, इसलिए मैंने अपने इन्वेस्टमेंट में बढ़ोतरी करने का फैसला लिया। दुर्भाग्य से, यह मेरी अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा। न केवल ऑनलाइन कॉमर्स पहले के ट्रेंड पर लौट आया है, बल्कि मैक्रोइकोनॉमिक डाउनटर्न, कॉम्पिटिशन और कम विज्ञापन के कारण रेवेन्यू मेरी अपेक्षा से कम हो गया है। मुझसे ये गलती हुई और मैं इसकी जिम्मेदारी लेता हूं। इस नए माहौल में, हमें और अधिक पूंजी कुशल बनने की जरूरत है। हमने संसाधनों को हाई प्रायोरिटी ग्रोथ एरिया में शिफ्ट कर दिया है। एआई डिस्कवरी इंजन, एडवर्टाइजमेंट और बिजनेस प्लेटफॉर्म और मेटावर्स के लिए हमारा लॉन्ग टर्म विजन है। हमने बिजनेस की लागत में कटौती की है, जिसमें बजट कम करना, भत्तों को कम करना और रियल एस्टेट फुट प्रिंट को कम करना शामिल है। हम अपनी एफिशिएंसी बढ़ाने के लिए टीमों का पुनर्गठन कर रहे हैं। लेकिन ये उपाय अकेले हमारे खर्चों को हमारी रेवेन्यू ग्रोथ के अनुरूप नहीं लाएंगे, इसलिए मैंने लोगों को जाने देने का कठिन निर्णय भी लिया है।'

सितंबर 2022 के आखिर तक मेटा में थे 87,314 कर्मचारी

सितंबर 2022 के अंत तक मेटा में 87,314 कर्मचारी थे। मेटा वर्तमान में वॉट्सऐप, इंस्टाग्राम और फेसबुक सहित दुनिया के कुछ सबसे बड़े सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का मालिक है। हालांकि कंपनी मेटावर्स पर अपना खर्च बढ़ा रही है। मेटावर्स एक आभासी दुनिया है जहां यूजर अपने खुद के अवतार बना सकते हैं।

टेक कंपनियों में छंटनी का दौर

मेटा ही नहीं दुनिया की कई बड़ी कंपनियों ने इस साल बड़े लेवल पर छंटनी की है। अमेजन ने 2023 में अब तक 27 हजार कर्मचारियों को नौकरी से निकाला है। मेटा ने इस साल अब तक 11 हजार लोगों को निकाला है और 10 हजार को मई में निकालेगी। इसके अलावा अल्फाबेट 12 हजार और माइक्रोसॉफ्ट 10 हजार को निकाल चुकी है।

ईसाइयों और मुस्लिमों में भी दलित तो उन्हें रिजर्वेशन क्यों नहीं

न आपस में शादियां करते, न ही रिश्ता रखते, ईसाई-मुस्लिमों में ऐसा है जातिवाद

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एक्सक्लूसिव डेस्क)। **केस-1:** 'मैं पसमांदा कम्युनिटी से आता हूं। अरेबिक से बीए किया। पसमांदा वैसे ही हैं, जैसे हिंदुओं में दलित। पढ़ा-लिखा होने के बाद भी मुझे कहीं नौकरी नहीं मिल रही। मुसलमानों में जो पिछड़ी जातियां हैं, उन्हें आरक्षण मिलना चाहिए।' -मोहम्मद अहसान, दिल्ली

केस-2: 'मेरे दादा ईसाई धर्म में कन्वर्ट हुए थे। तब हमारा परिवार पंजाब में रहता था। मैं ईसाई पेरेंट्स के घर ही पैदा हुआ। मुझे लगता है, हमें कन्वर्ट होने का फायदा नहीं हुआ, उल्टा नुकसान ये है कि हमें हिंदू दलितों की तरह सरकार की तरफ से रिजर्वेशन नहीं मिल पाता।' -एडगर जेसराल्ड, यूपी

मोहम्मद अहसान और एडगर जेसराल्ड के धर्म अलग हैं, लेकिन दोनों की कहानी एक मोड़ पर आकर मिल जाती है। दोनों पिछड़े और दलित समुदाय से आते हैं, लेकिन उनके पास हिंदुओं की तरह रिजर्वेशन नहीं है। मुस्लिमों और ईसाइयों को रिजर्वेशन न मिलने का मामला केरल के विधायक ए. राजा की विधायकी जाने के बाद चर्चा में आ गया। 20 मार्च 2023 को केरल हाईकोर्ट ने ए. राजा का चुनाव रद्द कर दिया था।

सीपीएम नेता ए. राजा हिंदू से ईसाई बने हैं। उन्होंने शेड्यूल्ड कास्ट (एससी) के लिए रिजर्व सीट देवीकुलम से चुनाव लड़ा था और खुद को दलित हिंदू बताया। ए. राजा पर आरोप लगा कि उन्होंने दलित होने का फर्जी सर्टिफिकेट बनवाकर चुनाव लड़ा था। शादी और दूसरे फैक्ट्स से केरल हाईकोर्ट ने पाया कि राजा हिंदू नहीं, ईसाई हैं। इसलिए उनका चुनाव अमान्य घोषित कर दिया गया।

मुस्लिम और ईसाइयों में शेड्यूल्ड कास्ट (एससी) का दर्जा देने पर सुप्रीम कोर्ट भी सुनवाई कर रहा है। 7 दिसंबर, 2022 को हुई सुनवाई में केंद्र सरकार ने कहा कि ऐसे दलित, जो धर्म बदलकर मुस्लिम और ईसाई बन गए हैं, उन्हें आरक्षण का फायदा नहीं मिलना चाहिए।

सरकार ने दलील दी कि 'इस्लाम और ईसाई धर्म में हिंदुओं की तरह कास्ट सिस्टम यानी जाति व्यवस्था नहीं है, इसलिए यहां छुआछूत नहीं होता। जब छुआछूत नहीं होता, तो इन्हें रिजर्वेशन की भी जरूरत नहीं है। जो इस्लाम या ईसाई धर्म में कन्वर्ट हुए हैं, उन्हें भी रिजर्वेशन नहीं दिया जा सकता।'

देश में अभी हिंदू, सिख और बौद्ध को छोड़कर किसी भी धर्म के लोगों को शेड्यूल्ड कास्ट नहीं माना जाता है। सवाल है कि क्या सच में मुसलमानों और ईसाइयों में जातिगत भेदभाव या छुआछूत है। ये सवाल हमने उन्हीं लोगों से पूछा, जो इस कैटेगरी में आते हैं और खुद सरकारी सुविधाओं या सामाजिक हैसियत में भेदभाव झेल चुके हैं।

पहले मुस्लिमों की बात

इस्लाम में जातियों के भेदभाव के लिए जगह नहीं है, लेकिन भारत के मुसलमानों में जाति व्यवस्था दिख जाती है। इस्लामिक स्कॉलर यूसुफ अंसारी कहते हैं कि हिंदू समाज वर्ण के आधार पर ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र में बंटा है, उसी तरह मुस्लिम समाज को तीन हिस्सों में बांटा गया है।

अशराफ: वे मुस्लिम जिनके पूर्वज अफगानिस्तान, ईरान और सऊदी अरब से भारत आए। इनका दर्जा मुसलमानों में सबसे ऊपर माना जाता है। ये वैसे ही हैं, जैसे हिंदुओं में ब्राह्मण।

अजलाफ: वे लोग, जिनके पूर्वज हिंदू और गैर सवर्ण जातियों से थे, बाद में कन्वर्ट होकर मुसलमान बने।

अरजाल: वे लोग जो दलित थे और कन्वर्ट होकर मुसलमान बने, पसमांदा मुस्लिम इसी वर्ग में आते हैं।

मुसलमानों की जाति व्यवस्था पर 1960 में गौस अंसारी ने 'मुस्लिम सोशल डिवीजन इन इंडिया' नाम की किताब लिखी थी। उन्होंने उत्तर भारत में मुसलमानों को चार समूहों में बांटा था- सैयद, शेख, मुगल और पठान।

गौस अंसारी के अलावा इम्तियाज अहमद ने भी 1978 में 'कास्ट एंड सोशल स्ट्रैटिफिकेशन एमॉन्ग द मुस्लिम्स' में बताया था कि कैसे इस्लाम कबूल करने के बावजूद हिंदुओं की जातीय संरचना मुस्लिम समाज में भी जस की तस जगह पा गई है। यूसुफ अंसारी कहते हैं, 'ओबीसी और दलित समाज से कन्वर्ट होकर जो लोग मुसलमान बने हैं, उन्हें बराबरी का दर्जा नहीं दिया जाता। आपस में शादियां नहीं होतीं। रोटी-बेटी का रिश्ता नहीं है।'

देवबंदी लीडर रहे मौलाना अशरफ अली थानवी (19 अगस्त 1863 से 4 जुलाई 1943) की एक किताब है बहिश्ति जेवर। किताब के मुताबिक, शरीयत में इस बात का महत्व है कि शादी बराबरी वालों में की जाए। उन्होंने बताया है कि कौन किसके बराबर है। कम्युनिटी के नाम लिखकर कहा है कि ये इस्लाम में बराबर तो हैं, लेकिन इनके साथ शादी या रिश्तेदारी नहीं करनी चाहिए।'

पिछड़े मुस्लिमों को रिजर्वेशन का सवाल पुराना

हिंदुओं में जैसे दलितों को अनुसूचित जाति का दर्जा और संविधान से आरक्षण मिला है, वैसा मुस्लिमों में नहीं है। मुसलमानों में आरक्षण का सवाल कई दशक पुराना है। कुछ मुस्लिम कम्युनिटी को ओबीसी कैटेगरी में आरक्षण मिलता भी है। सेंटर फॉर पब्लिक इन्ट्रेस्ट लिटिगेशन ने सुप्रीम कोर्ट में ईसाई या मुस्लिम बन चुके दलितों को आरक्षण नहीं दिए जाने के खिलाफ याचिका दायर की है। 2004 से ये मामला कोर्ट में है। दिल्ली के शरीक अहमद शिकायती लहजे में कहते हैं, 'मैं और मेरी बहन पढ़े-लिखे हैं, लेकिन कहीं नौकरी नहीं मिल रही। हमें आरक्षण मिला होता तो नौकरी मिलना आसान होता।' नौकरी न मिलने का दुख मोहम्मद अहसान को भी है। वे कहते हैं, 'मुसलमानों में पिछड़ी जातियां हैं, उन्हें आरक्षण मिलना चाहिए। हमारे लोग पढ़ने-लिखने के बावजूद बेकार घूम रहे हैं।'

मुसलमानों के आरक्षण पर इस्लामिक स्कॉलर यूसुफ अंसारी बताते हैं, '26 जनवरी 1950 को संविधान लागू हुआ, तब आर्टिकल-341 के तहत शेड्यूल्ड कास्ट (एससी) के लिए आरक्षण दिया गया। उसमें मजहब की पाबंदी या धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं था।'

'10 अगस्त 1950 को आए राष्ट्रपति के आदेश में कहा गया कि हिंदू धर्म से अलग कोई और धर्म मानने वाला व्यक्ति शेड्यूल्ड कास्ट (एससी) कैटेगरी में नहीं हो सकता। इस ऑर्डर की वजह से वे दलित, जिन्होंने सिख, बौद्ध, मुस्लिम या फिर ईसाई धर्म अपनाया था, आरक्षण के दायरे से बाहर हो गए। 1956 में सिख दलित और 1990 में बौद्ध इसमें शामिल कर लिए गए, लेकिन मुसलमान और ईसाई आज तक बाहर हैं।'

जन्म से लेकर दफनाने तक भेदभाव

पसमांदा मुसलमानों के साथ हो रहे भेदभाव पर पूर्व राज्यसभा सांसद अली अनवर दो दशक से आंदोलन कर रहे हैं। वे कहते हैं, 'कई जगह जाति की बुनियाद पर मस्जिदें और कब्रिस्तान बनाए गए हैं। पसमांदा मुस्लिमों को दफनाने को लेकर कई बार झगड़े होते हैं। कई मुकदमे भी हुए, लोगों के जेल जाने तक की नौबत आई है। उन्हें सैयद-पठानों के कब्रिस्तान में दफनाने से रोका जाता है।'

कर्नाटक में मुस्लिमों का आरक्षण खत्म, मामला सुप्रीम कोर्ट में

24 मार्च 2023 को कर्नाटक की बीजेपी सरकार ने मुस्लिमों को मिलने वाला 4% आरक्षण खत्म कर दिया था। मामला सुप्रीम कोर्ट में है। अगली सुनवाई 25 अप्रैल को होगी। कर्नाटक में मुस्लिमों को धार्मिक अल्पसंख्यक होने के नाते ओबीसी में रिजर्वेशन मिलता था।

18 अप्रैल को हुई सुनवाई में कर्नाटक सरकार की तरफ से पेश हुए एसजी तुषार मेहता ने जस्टिस केएम जोसेफ और जस्टिस बीवी नागरत्ना की बेंच से फैसला टालने की मांग की। उन्होंने कहा कि 'राज्य सरकार अगली तारीख तक अपने फैसले के आधार पर नई नियुक्तियां नहीं करेगी।'

अब ईसाइयों की बात

इंडियन कैथोलिक चर्च मान चुका है भेदभाव की बात

2016 में इंडियन कैथोलिक चर्च ने पहली बार माना था कि दलित ईसाइयों के साथ छुआछूत और भेदभाव होता है।

हायर लेवल की लीडरशिप में उनकी हिस्सेदारी न के बराबर है। ये बात कम्युनिटी की सबसे बड़ी बॉडी कैथोलिक बिशप्स कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडिया में एक पॉलिसी डॉक्यूमेंट के जरिए कही गई थी। 44 पेज के इस डॉक्यूमेंट में माना गया कि कैथोलिक चर्च इन इंडिया के 1.90 करोड़ मेंबर्स में 1.20 करोड़ मेंबर दलित ईसाई हैं।

'कन्वर्टेड ईसाइयों को कम्युनिटी से मदद नहीं, भेदभाव भी होता है'

एडगर जेसराल्ड यूपी के रहने वाले हैं। झांसी जिले के बबीना में उनका घर है। एडगर फौज में थे और रिटायर होने के बाद स्कूल चलाते हैं। वे कहते हैं, 'चर्च इतने बड़े-बड़े इंस्टीट्यूट चलाता है, लेकिन दलित ईसाइयों को उसमें एडमिशन नहीं मिल पाता।'

'कम्युनिटी के नाम पर ही ये संस्थान चलाए जा रहे हैं, तो फिर कम्युनिटी को इसका फायदा क्यों नहीं दिया जा रहा। सिर्फ चर्च से जुड़े प्रभावशाली ईसाइयों को ही सारे फायदे क्यों मिल रहे हैं। मैं कई साल से ईसाई दलितों के लिए लड़ रहा हूं। चर्च के डर से सफेद नकाबपोशों के खिलाफ दलित कुछ नहीं कहते।'

ऐसा ही अनुभव एलिजाबेथ जेम्स का है। वे कहती हैं, 'मैं कन्वर्टेड नहीं, मूलरूप से ईसाई हूं। पति अब नहीं रहे। चार बेटियां और एक बेटा है। सबकी शादी हो गई। सभी अलग रहते हैं, मैं अकेली रहती हूं। मुझे कम्युनिटी से कभी कोई मदद नहीं मिल पाई। फादर के पास जाओ, तो वो डांटकर भगा देते हैं। सरकार की किसी स्कीम का मुझे फायदा नहीं मिल रहा। बेटी हर महीने 3 हजार रुपए भेजती है, उसी से जिंदगी जैसे-तैसे कट रही है।'

60 से 70% ईसाई दलित, लेकिन भेदभाव का शिकार

ईसाई दलितों से भेदभाव के बारे में आरएल फ्रांसिस से बात की। वे 22 साल से पुअर क्रिश्चियन लिबरेशन मूवमेंट चला रहे हैं। फ्रांसिस कहते हैं, 'भारत में रह रहे ईसाइयों में 60 से 70% तक दलित ईसाई हैं, यानी वे लोग जो कन्वर्ट होकर ईसाई धर्म में आए थे। कन्वर्ट इसलिए हुए थे कि हिंदू धर्म में उनके साथ भेदभाव होता था। उन्होंने सोचा कि ईसाई धर्म में ये सब नहीं झेलना पड़ेगा, क्योंकि यहां जाति का सिस्टम नहीं होता, लेकिन ये सच नहीं है। कन्वर्ट हुए लोग ईसाई बनकर ज्यादा फंस गए हैं।'

'अब दलित ईसाइयों की लड़ाई चर्च में उनके रोल को लेकर है। ईसाइयों में चर्च सबसे मजबूत संस्था है, जो यहां मजबूत होता है, वही सोसाइटी में भी मजबूत होता है। 1970 के दशक में चर्च ने नई रणनीति अपनाई। दलित बैकग्राउंड से आने वाले ईसाइयों को शेड्यूल्ड कास्ट में डालने की मांग की गई, हिंदुओं की तरह आरक्षण मांगा।'

फ्रांसिस कहते हैं, 'इससे चर्च पर अधिकार करके बैठे लोगों को दो फायदे दिखे। पहला यह कि दलित बैकग्राउंड वाले ईसाइयों को रिजर्वेशन में शामिल कर लिया गया, तो कन्वर्जन का रास्ता बड़े लेवल पर खुल जाएगा। दूसरा, ईसाई दलित चर्च के अंदर जिन राइट्स की मांग कर रहे हैं, वो कमजोर पड़ जाएंगे। उन्हें आसानी से आइडेंटिफाई भी किया जा सकेगा।'

हालांकि अब तक दलित ईसाइयों को न रिजर्वेशन मिला है और न ही चर्च में उनकी स्थिति मजबूत हो पा रही है। हालात ये हैं कि आज भारत में कैथोलिक चर्च में 174 आर्कडायसिस हैं, जिनमें 30 आर्कबिशप में कोई दलित नहीं है।

'एमएलए पर नक्सली हमला सिर्फ प्रोपेगेंडा'

पूर्व मंत्री बोले- जहां घटना हुई वहीं कैसे बदला गया टायर विक्रम मंडावी ने कहा- बीजेपी कर रही सियासत

जगदलपुर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में बीजापुर विधानसभा से कांग्रेस एमएलए विक्रम मंडावी के काफिले पर हुए नक्सली हमले पर अब सियासी बयानबाजी शुरू हो गई है। पूर्व मंत्री और भाजपा नेता महेश गागड़ा ने इस हमले को विक्रम मंडावी का प्रोपेगेंडा बताया है। उन्होंने कहा कि, विधायक हीरो बनने के लिए हमले की चाल चल रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि, जिस जगह जिला पंचायत सदस्य की गाड़ी में गोली लगी उसी जगह पर वाहन खड़ा कर आखिर कैसे टायर बदला जा सकता है? उन्होंने मुख्यमंत्री से मामले की जांच करने की मांग की है। महेश गागड़ा ने कहा कि, विधायक विक्रम मंडावी अपने काफिले के साथ पहले ही बंगला पहुंच चुके थे। आधे घंटे बाद उन्हें याद आया कि उनपर नक्सलियों ने हमला किया है। उन्होंने कहा कि, अगर गोली चलती है तो किसी में इतनी हिम्मत नहीं होती की वे उस जगह खड़े हो जाए।

जितनी जल्दी हो वहां से निकलने का प्रयास किया जाता है। लेकिन, जिस गाड़ी में गोली लगने की बात कही जा रही है उसका चालक वहीं पर वाहन को पार्क कर टायर बदलता है। जिला पंचायत सदस्य जंगल में टहलती हुई नजर आती हैं। कहीं न कहीं यह मामला संदेह के दायरे में भी है।

उन्होंने कहा कि, विधायक विक्रम मंडावी कहते है कि उनपर हमला हुआ है। पुलिस कहती है अटैक नहीं हुआ है। अब किसकी बात मानें। महेश के मुताबिक, विधायक खुद को प्रोजेक्ट करने का काम कर रहे हैं। किसी भी एमएलए पर हमला होना यह संवेदनशील मामला होता है। अगर अटैक हुआ है तो विधायक इस मामले में गंभीर नजर नहीं आए। वे अपने बंगले से निकलकर मैच खेलने गए। महेश गागड़ा ने आरोप लगाया है कि, बस्तर में होने वाली नक्सल घटनाओं पर विधायक जले में नमक छिड़कने का काम कर रहे हैं। अब मुख्यमंत्री को इस मामले की जांच करनी चाहिए।

इस मामले पर विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि, महेश गागड़ा केवल सियासी बयानबाजी कर रहे हैं। उन्हें हकीकत नहीं मालूम। वे केवल राजनीति कर रहे हैं। किसी एमएलए या फिर जनप्रतिनिधि पर इस तरह का नक्सली हमला होना संवेदनशील मामला है। उन्हें सोच समझकर बयानबाजी करनी चाहिए। 18 अप्रैल को बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी गंगालूर गांव गए हुए थे। वे साप्ताहिक बाजार में नुक्कड़ सभा में शामिल हुए। फिर शाम के वक्त जिला मुख्यालय लौट रहे थे। वहीं पदेड़ा गांव के पास नक्सलियों ने विधायक के काफिले पर हमला कर दिया था। जिस वाहन में जिला पंचायत सदस्य पार्वती कश्यप बैठीं थीं उस वाहन में गोलियां लगी थी।

निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे मंतूराम पवार

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 को लेकर किया ऐलान, 2014 के उपचुनाव में नाम वापस लेकर कांग्रेस की डुबोई थी नैया

कांकेर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। कांकेर जिले के अंतागढ़ से पूर्व विधायक मंतूराम पवार ने 2023 विधानसभा चुनाव में निर्दलीय मैदान में उतरने का एलान कर दिया है। मंतूराम पवार कांग्रेस और भाजपा दोनों ही पार्टी में रह चुके हैं और 2014 के उपचुनाव में कांग्रेस से प्रत्याशी बनाए जाने के बाद नाम वापसी के अंतिम दिन उन्होंने नामांकन वापस ले लिया था। इससे प्रदेश की राजनीति गरमा गई थी। फिलहाल मंतूराम बीजेपी और कांग्रेस किसी भी पार्टी में नहीं हैं।

मंतूराम पवार ने अब 2023 के विधानसभा चुनाव में अंतागढ़ विधानसभा सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ने का एलान पखांजूर में प्रेस वार्ता कर किया है। मंतूराम पवार ने कहा कि विधानसभा चुनाव में अंतागढ़ हमेशा से ही चर्चा का विषय बना रहा है, अब आगामी चुनाव के लिए मंतूराम पवार समर्थक दल का गठन हुआ है, जिसमें सभी वर्ग के लोग जुड़े हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि आगामी चुनाव के पहले उनके दल में 15 हजार से अधिक लोग जुड़ जाएंगे। इसलिए अब फिर से अपने क्षेत्र के विकास के लिए वो मैदान में आने की तैयारी कर रहे हैं।

ज्ञानवापी के पैरोकार पर इंजेक्शन अटैक

विसेन बोले- शरीर में घबराहट हो रही, वायरस डाले जाने की आशंका, हफ्तेभर में आएगी जांच रिपोर्ट

वाराणसी, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। ज्ञानवापी मामले के पैरोकार और अखिल भारतीय वैदिक सनातन संघ के पूर्व अध्यक्ष जितेंद्र सिंह विसेन पर दिल्ली में मंगलवार देर रात निडिल-सिरिंज से हमला हुआ। हमलावार विसेन को पीछे से कंधे पर इंजेक्शन चुभाकर भाग निकले। मौके पर चिल्लाता देखकर लोग उन्हें राम मनोहर लोहिया अस्पताल लेकर गए। जहां डॉक्टरों ने इलाज और पूरी जांच करने के बाद बताया कि उनकी बॉडी में इंजेक्शन से कोई वायरस या दवा डाली गई होगी। इसका असर कई बार सप्ताह भर बाद भी दिखता है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है। इधर, ज्ञानवापी परिसर में कथित शिवलिंग की पूजा और राग-भोग के अधिकार से जुड़े मामले की आज सुनवाई होगी। 4 जून, 2022 को यह याचिका शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने दाखिल की थी। जितेंद्र सिंह विसेन ने बताया कि रातभर अस्पताल में इलाज के बाद अब घर आ चुके हैं। शरीर में कंपन और घबराहट बनी हुई है। डॉक्टरों ने बताया कि इसकी जांच रिपोर्ट एक सप्ताह बाद आएगी, तभी सच्चाई का पता चल सकेगा। एक हफ्ते तक दवा चलेगी।

जितेंद्र सिंह विसेन ने बताया, "रात को करीब 9 बजे मैं खाना खाकर पास वाले पार्क में टहल रहा था। तभी दो लोग पीछे से आए और निडिल-इंजेक्शन मेरे कंधे पर पीछे से चुभा दिया। इसके बाद वो लोग भाग गए। जहां पर सुई चुभाई गई थी, वहां पर मुझे काफी दर्द और जलन होने लगी। वहां की स्किन पूरी तरह से सख्त हो गई थी। आस-पास के लोग मुझे लेकर पहले सरदार पटेल अस्पताल लेकर भागे। इसके बाद राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले गए। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों ने दवा-पट्टी की और जरूरी जांचें भी कराईं। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि बॉडी में क्या लिक्विड इंजेक्ट किया गया था? इस मामले की शिकायत पुलिस से भी की है। पुलिस हमलावरों को पकड़ने और जांच में जुटी है।'

जितेंद्र सिंह विसेन की पत्नी किरन सिंह विसेन और अन्य की ओर से ज्ञानवापी मामले में भगवान आदि विश्वेश्वर विराजमान समेत कई मुकदमे दायर किए गए हैं। इसके चलते कई बार इन्होंने अपने ऊपर हमले होने की आशंका जताई थी। इन्होंने कहा था कि उन्हें बार-बार मुकदमे से हटने के लिए डराया-धमकाया जा रहा है। इन पर श्रृंगार गौरी केस की चार वादिनी महिलाओं ने गाली-गलौज और मुकदमे की पावर ऑफ अटॉर्नी को सीएम को जबरन सौंपने का आरोप लगाया था। जितेंद्र सिंह विसेन के वकील शिवम गौर ने कहा कि पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। हमारी सुरक्षा को लेकर सरकार गंभीर नहीं है। गृह मंत्रालय में कुछ लोग कांग्रेसी मानसिकता के हैं, जिन्होंने मेरी और विसेन की सुरक्षा मुहैया कराए जाने की फाइल दबा कर रखी है।

कलेक्टर ने की विभागीय कामकाज की समीक्षा

बलौदाबाजार, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। बलौदाबाजार जिले के कलेक्टर रजत बंसल ने संयुक्त जिला कार्यालय के सभागार में समय सीमा के तहत विभागीय कार्यों के कामकाज की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने रोजगार सृजन संबंधित बेहतर कार्ययोजना बनाने के लिए विभागों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही कलेक्टर ने सभी जिला अधिकारियों को फ्लैगशिप योजनाओं के क्रियान्वयन में कोताही नहीं बरतने के निर्देश दिए हैं। बैठक में कलेक्टर रजत बंसल ने स्कूलों के मरम्मत कार्यों और आयुष्मान कार्ड बनाने में धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई है। साथ ही रीपा, निर्माण कार्यों की धीमी प्रगति, गौठान में नियमित व कम गोबर खरीदी होने को लेकर बैठक में विभागवार लंबित आवेदनों के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने सभी विभागों के प्रमुखों से कहा कि आप सभी आवेदन जो आम जनता के द्वारा मुख्यमंत्री जन चौपाल, कलेक्टर शिकायत शाखा, सीपी ग्राम्स, जन शिकायत पीजीएन एवं लोक सेवा गारंटी के माध्यम से प्राप्त हुए हैं।

गिरफ्तार सात आरोपियों की कोर्ट में हुई पेशी

फिर पांच दिनों के रिमांड पर भेजे गए

रांची, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। रांची में सेना की जमीन को गलत तरीके से बेचे जाने के मामले में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इन्हें ईडी की स्पेशल कोर्ट से शनिवार को चार दिनों के रिमांड पर दिया गया था। आज उन सभी को फिर से ईडी की स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया। जहां अदालत से पूछताछ के लिए सभी पांच दिनों का रिमांड फिर देने की गुजारिश की गयी थी। कोर्ट ने इस गुजारिश को मान लिया है। अब ईडी अगले पांच दिनों तक सातों गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ करेगी।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को सरकारी जमीन की हेराफेरी के मामले में आईएएस अधिकारी छवि रंजन, अंचल अधिकारी मनोज कुमार सहित जमीन के कारोबार से जुड़े 18 लोगों के कुल 21 ठिकानों पर छापा मारा। छापामारी के दायरे में झारखंड के 18, बिहार के एक और पश्चिम बंगाल के दो ठिकानों को शामिल किया गया है। छवि रंजन फिलहाल समाज कल्याण निदेशक के पद पर पदस्थापित हैं।

आईएएस छवि रंजन से भी होगी पूछताछ

लैंड स्कैम मामले में सात लोगों की गिरफ्तारी और रिमांड में लिए जाने के बाद अब ईडी ने आइएएस छवि रंजन को समन भेजा है। अब ईडी उनसे पूछताछ करेगी। ईडी ने छवि रंजन को समन जारी कर 21 अप्रैल को रांची के ईडी जोनल कार्यालय में उपस्थित होने के लिए कहा है। अब ईडी के सामने छवि रंजन लैंड स्कैम से संबंधित सवालों के जवाब देंगे।

जिस लैंड स्कैम मामले में ईडी कार्रवाई कर रही है। आरोपियों से पूछताछ कर रही है, उस स्कैम का खुलासा पहले ही आयुक्त की जांच रिपोर्ट में हो चुका है। सेना के कब्जे वाली जमीन की खरीद-बिक्री मामले में जांच रिपोर्ट में यह बात सामने आ चुकी है कि प्रदीप बागची नाम के शख्स ने फर्जी रैयत बनकर दिलीप कुमार घोष को यह जमीन बेच डाली थी।

नगर निगम ने दर्ज करायी थी प्राथमिकी

इस मामले के संज्ञान में आने के बाद रांची नगर निगम की ओर से बरियातू थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। रांची नगर निगम के कर संग्रहकर्ता दिलीप शर्मा ने जालसाजी के मामले में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए आरोप लगाया था कि प्रदीप फर्जी दस्तावेज दिखाकर दो-दो होल्डिंग ले लिया था। आयुक्त की जांच में सेना के कब्जे वाली जमीन का असली रैयत जयंत करनाड मिला था।

कोल्हान में जारी है सुरक्षा बलों का नक्सल मुक्त अभियान

पांच किलों का एक और 2 किलो के चार आईईडी बम बरामद, अब भी इन इलाकों में बिछी है मौत

चाईबासा, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। कोल्हान जंगल में सर्च अभियान के दौरान पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। सुरक्षा बलों ने गोईलकेसा थाना क्षेत्र के छोटा कुईड़ा से मरादिनी जाने वाली कच्ची सड़क पर पांच आईईडी बम बरामद किया है। सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर नक्सलियों ने इन इलाको में आईईडी बम बिछा रखा है। बम की जानकारी मिलने के बाद बम निरोधक दस्ते को इसकी सूचना दी गयी बरामद किए गये 4 आईईडी बम का वजन 2 किलो का था वहीं 5 किलो का एक हाईप्रेशर आईईडी बम बरामद किए गया गया। इन इलाकों में अब भी कई ऐसी जगहें हैं जहां बारूदी सुरंग, बुबी ट्रैप माइन और स्पाइक होल हैं जो सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर लगाए गये हैं। दूसरी तरफ सुरक्षा बलों ने कहा है कि अभियान तेज कर दिया गया है। अभी कई जगहों में अभियान चलाया जा रहा है। सुरक्षा बलों ने बताया कि इन इलाकों में बड़े नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु चमन, कांडे, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन अपने दस्ते के साथ मौजूद हैं। इन इलाकों में रहने वाले ग्रामीणों को जंगल में जाने से रोका जा रहा है। दूसरी तरफ ग्रामीण सुरक्षा बलों के अभियान का जिक्र कर रहे हैं उनका कहना है कि सुरक्षा बलों के अभियान की वजह से उन्हें जंगल से दूर रहना पड़ रहा है। नक्सल अभियान को लेकर सुरक्षा बलों ने एक बार फिर अभियान तेज कर दिया है। दूसरी तरफ नक्सलियों ने दस बिंदुओं में ग्रामीणों से अपील की है कि वह जंगल से दूर रहें। आप तमाम ग्रामीणों, लकड़हारों, चरवाहों को सूचित किया जाता है कि आपलोग पहले जैसा सावधानी बरतते आये हैं वैसा ही सावधानी बरतते रहें। इस मामले में अनदेखी व लापरवाही बिल्कुल ही नहीं करें। किसी भी अनहोनी को अनदेखी तथा पुलिस के बहकावे या दबाव में आकर गांव से दूर जंगल-पहाड़ में बिल्कुल ही नहीं घुसें। इस पुलिसिया दमन अभियान बंद होने तक मवेशियों को भी पहले से निर्धारित इलाके - में ही चराते रहें। आप यह गलतफहमी में नहीं रहें कि जंगल जल गई है या बहुत दिन बीत गया है। अब यहां, इधर कुछ नहीं है। ऐसा सोचकर लापरवाही में अपना मूल्यवान प्राण न गंवाएं। क्योंकि बारूदी सुरंग सहित तमाम उपकरण जमीन के नीचे है।

सिद्धारमैया बोले-सूडान में फंसे भारतीयों को वापस कौन लाएगा

विदेश मंत्री का जवाब-उन पर हमारी नजर, आप राजनीति ना करें, इससे फायदा नहीं

बेंगलूरु/खार्तूम, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। सूडान में मिलिट्री और पैरामिलिट्री के बीच जारी लड़ाई में भारत के 31 नागरिक फंसे हुए हैं। ये सभी कर्नाटक के आदिवासी समुदाय से आते हैं। इन लोगों की वापसी को लेकर मंगलवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर और कांग्रेस नेता सिद्धारमैया के बीच सोशल मीडिया पर जमकर बयानबाजी हुई।

सिद्धारमैया ने आरोप लगाया कि सूडान में हक्की पिक्की (आदिवासी समुदाय) के कुछ लोग पिछले कई दिनों से बिना खाना-पानी के फंसे हुए हैं। सरकार ने अभी तक उन्हें वापस लाने के लिए कार्रवाई शुरू नहीं की है। सिद्धारमैया के आरोप पर जयशंकर ने तीखा पलटवार किया। विदेश मंत्री ने कहा- मैं आपके बयान से स्तब्ध हूं। सूडान में कई लोगों की जान खतरे में है। इस पर राजनीति न करें।

सूडान में फंसे भारतीयों पर राजनीति करना गैर-जिम्मेदाराना

विदेश मंत्री जयशंकर ने ट्वीट करते हुए कहा- सूडान में फंसे भारतीयों की स्थिति पर राजनीति करना बहुत ही गैर-जिम्मेदाराना है। मुझे नहीं लगता कि आपको इस तरह के बयान देकर किसी तरह का राजनीतिक फायदा होगा। इस पर सिद्धारमैया ने कहा- आप देश के विदेश मंत्री हैं इसलिए मैंने आपसे मदद की अपील की। अगर आप मेरे बयानों पर स्तब्ध होने में ही व्यस्त हैं तो मुझे बता दीजिए कि देश को लोगों को वापस लाने में हमारी मदद कौन कर सकता है।

इसके बाद विदेश मंत्री ने कई ट्वीट के जरिए कर्नाटक के लोगों को बचाने के लिए उठाए जा रहे कदम के बारे में बताया। विदेश मंत्री ने लिखा- सूडान में हालात बिगड़ने के बाद से ही भारतीय दूतावास वहां फंसे लोगों को निकालने के लिए हर संभव कोशिशों में जुटा है। वो भारतीयों नागरिकों के लगातार संपर्क में है। हम हर घटना पर नजर बनाए हुए हैं। फिलहाल सुरक्षा को देखते हुए हम नागरिकों की लोकेशन साझा नहीं कर सकते हैं।

सूडान में फंसे हैं कर्नाटक के 31 आदिवासी

बता दें कि कर्नाटक के 31 आदिवासी सूडान में फंस हुए हैं। सभी लोग सूडानी शहर अल-फशेर में रह रहे हैं। ये लोग

आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी बेचने के लिए सूडान गए थे। इनमें से 19 लोग कर्नाटक के हुनसूर, 7 शिवामोगा और 5 लोग चन्नागिरी के रहने वाले हैं। सूडान में फंसे भारतीयों में से एक एस. प्रभू ने मंगलवार को इंडियन एक्सप्रेस से फोन पर बात की थी। उसने बताया था कि हम पिछले 4-5 दिनों से एक किराए के मकान में फंसे हुए हैं। हमारे पास खाना या पीने के लिए कुछ भी नहीं है। बाहर से लगातार धमाकों की आवाज आ रही है। यहां कोई हमारी मदद करने को तैयार नहीं है।

सीजफायर खत्म होने से पहले ही लड़ाई शुरू

वहीं सूडान में सीजफायर के बीच फिर से गोलीबारी शुरू हो गई है। इस दौरान हमलावरों ने यूएन स्टाफ के घरों को निशाना बनाया। सूडान में मौत का आंकड़ा 270 के पार पहुंच गया है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, यहां ढाई हजार से ज्यादा लोग घायल हैं। इससे पहले मंगलवार को मिलिट्री और पैरामिलिट्री के बीच लड़ाई में शाम 6 बजे से 24 घंटे के सीजफायर की घोषणा की गई थी।

कौन हैं सूडान में सेना से लड़ने वाले रैपिड सपोर्ट फोर्स के लड़ाके?

2000 के दशक में सूडान के पश्चिमी इलाके डार्फर में विद्रोह शुरू हो गया था। इससे निपटने के लिए सेना ने जंजावीद मिलिशिया की मदद ली। ये मिलशिया ही आगे चलकर रेपिड सपोर्ट फोर्स में बदल गया और अलग-अलग मिशन में सेना की मदद करने लगा।

डार्फर इलाके में हुआ विद्रोह सबसे जानलेवा विद्रोह में शामिल है। 2003 से 2008 के बीच इस लड़ाई में 3 लाख लोगों की जान गई। वहीं, 20 लाख से ज्यादा लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा था। इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट ने 2009 में इस मामले में सूडान के तानाशाह ओमार हसन अल बशीर पर मानवता के खिलाफ अपराध और नरसंहार के आरोप लगाए थे।

तानाशाह अल बशीर ने डार्फर विद्रोह कुचलने में मदद करने वाले जंजावीद लड़ाकों को सरकारी दर्जा देना चाहता था। इसके चलते 2013 में इसे आरएसएफ में बदल दिया गया।

सूडान में हिंसा की वजह

> सूडान में मिलिट्री और पैरामिलिट्री के बीच वर्चस्व की लड़ाई है। 2019 में सूडान के तत्कालीन राष्ट्रपति ओमर अल-बशीर को सत्ता से हटाने के लिए लोगों ने प्रदर्शन किया।

> अप्रैल 2019 में सेना ने राष्ट्रपति को हटाकर देश में तख्तापलट कर दिया, लेकिन इसके बाद लोग लोकतांत्रिक शासन और सरकार में अपनी भूमिका की मांग करने लगे।

> इसके बाद सूडान में एक जॉइंट सरकार का गठन हुआ, जिसमें देश के नागरिक और मिलिट्री दोनों का रोल था। 2021 में यहां दोबारा तख्तापलट हुआ और सूडान में मिलिट्री रूल शुरू हो गया।

> आर्मी चीफ जनरल अब्देल फतह अल-बुरहान देश के राष्ट्रपति और आरएसएफ लीडर मोहम्मद हमदान डागालो उपराष्ट्रपति बन गए। इसके बाद से आरएसएफ और सेना के बीच संघर्ष जारी है।

> सिविलियन रूल लागू करने की डील को लेकर मिलिट्री और आरएसएफ आमने-सामने हैं। आरएसएफ सिविलियन रूल को 10 साल बाद लागू करना चाहती है, जबकि आर्मी का कहना है कि ये 2 साल में ही लागू हो जाना चाहिए।

चीन के अस्पताल में भीषण आग का मंजर

जान बचाने के लिए खिड़की पर एसी से लटके दिखे लोग, कई ने लगा दी छलांग

बीजिंग, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। चीन की राजधानी बीजिंग के एक अस्पताल में भीषण आग लगने से 29 लोगों की जलकर दर्दनाक मौत हो गई है। भीषण आग का मंजर बेहद ही खौफनाक था। आग की लपटें और धुए का गुबार दूर तक देखा जा सकता था। आग से बचने के लिए कुछ लोग एसी पर खड़े हो गए तो वहीं कुछ ने छलांग लगाना शुरू कर दिया। बता दें, अभी तक 71 लोगों को बचाया लिया गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यह हादसा बीजिंग के चांगफेंग अस्पताल में हुआ है। फिलहाल हालांकि अभी आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। चांगफेंग अस्पताल में यह आग दोपहर करीब 12.57 बजे लगी। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने काफी मुश्किलों के बाद आग को बुझाया पाया। बताया गया कि आग इतनी तेजी से फैली कि इसने अस्पताल के पूर्वी विंग को अपनी चपेट में ले लिया। इस विंग में

गंभीर रोगों से पीड़ित मरीजों को भर्ती कर इलाज किया जाता था।

सोशल मीडिया पर चर्चा

इस घटना की वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि कुछ लोग आग से बचने के लिए चादर का सहारा लेकर छलांग लगा रहे हैं। तो वहीं कुछ लोग एसी पर बैठे नजर आए। सोशल मीडिया पर एक यूजर ने लिखा कि यह दुखद है। मैं अपने घर की खिड़की से दुर्घटना देख सकता हूं।

दोपहर के समय बहुत सारे लोग एयर कंडीशनिंग यूनिट पर खड़े थे और उनमें से कुछ जान बचाने के लिए नीचे कूद भी गए।

रैकेट का भंडाफोड़, पैसे चुराने के लिए पिलाते थे जहरीली शराब

6 साल पहले मरे शख्स से खुलासा

पोलैंड, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। पोलैंड में घूमने गए एक ब्रिटिश शख्स को एक क्लब में जाना महंगा पड़ गया। पहले तो क्लब के स्टाफ ने कथित तौर पर खूब शराब पिलाई, जिससे शख्स की मौके पर ही मौत हो गई। बाद में उन्हें लूट लिया। कहा जा रहा है कि स्टाफ ने जहरीली शराब परोसी थी। बता दें, शख्स ने डेढ़ घंटे में 22 से ज्यादा शॉट मारे थे। पोलिश के अधिकारियों ने बताया कि 36 वर्षीय मार्क सी पोलैंड गए थे। वह रात में अपनी दोस्त के साथ घूमने निकले। इस दौरान क्राको में एक वाइल्ड नाइट क्लब ने उन्हें मुफ्त एंट्री का लालच दिया, जिससे वह क्लब के अंदर चले गए। मार्क पहले से नशे में थे इसलिए उन्होंने शराब पीने से मना कर दिया था, लेकिन स्टाफ ने जब बार-बार पूछा तो वह शॉट्स के लिए तैयार हो गए। इस दौरान उन्हें 90 मिनट में 22 से ज्यादा शॉट दिए गए, जिससे बाद में उनकी मौत हो गई।

इतना ही नहीं, जब मार्क क्लब में गिर गए तो कर्मचारियों ने उनसे 42,816 रुपये नकद लूट लिए। अधिकारियों के अनुसार, उनकी मृत्यु के समय उनके खून में अल्कोहल की मात्रा कम से कम 0.4 प्रतिशत पाई गई, जबकि जहरीली शराब की मात्रा 0.3 प्रतिशत या उससे अधिक होने की संभावना है।

बता दें, यह घटना साल 2017 में हुई थी। पोलिश की पुलिस ने हाल ही में कई नाइट क्लबों पर छापा मारा था। इस दौरान ब्रिटिश शख्स की मौत का मामला सामने आया। पुलिस ने इसे लेकर 58 लोगों को आरोपी माना है। उन्होंने 700 से अधिक आपराधिक आरोप भी दायर किए हैं।

चार साल पहले जेल से रिहा हुई ब्रिटिश सिख बुजुर्ग

लंदन, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। लंदन की एक जेल से ब्रिटिश सिख बुजुर्ग महिला को 16 साल बाद रिहा कर दिया गया है। 86 साल की बुजुर्ग महिला को अपनी बहू की हत्या के आरोप में कारावास की सजा दी गई थी। 25 साल पहले बचन कौर अठवाल (86) को अपनी बहू सुरजीत कौर अठवाल (27) की हत्या का आदेश देने के लिए दोषी पाया गया था। एक लोकल अखबार के मुताबिक, न्यायाधीश जाइल्स फॉरेस्टर ने बुजुर्ग महिला को कम से कम 20 साल जेल में बिताने का आदेश दिया था। लेकिन पैरोल बोर्ड ने सिफारिश की कि अठवाल का स्वास्थ्य काफी खराब है। इसलिए उन्हें लाइसेंस पर चार साल पहले रिहा कर देना चाहिए। बचन को उसके बेटे सुखदेव के साथ साल 2007 में हत्या की साजिश रचने के आरोप में कारावास की सजा सुनाई थी।

ममता बोलीं- दावा साबित करें, इस्तीफा दे दूंगी

बीजेपी ने कहा था- टीएमसी का राष्ट्रीय दर्जा बचाने के लिए शाह को फोन किया था

कोलकाता, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अमित शाह को फोन करने के आरोपों को खारिज किया है। उन्होंने कहा- कोई साबित कर दे कि मैंने गृह मंत्री अमित शाह को फोन करके टीएमसी के राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा बचाने की बात की तो मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दूंगी।

दरअसल, पिछले दिनों चुनाव आयोग ने ममता बनर्जी की पार्टी ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा खत्म कर दिया था। इसके बाद बंगाल में विपक्ष के नेता सुवेन्दु अधिकारी ने मंगलवार को कहा था कि ममता ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से रिक्वेट की थी कि इस फैसले को रद्द करा दें।

बुधवार को राज्य सचिवालय में मीडिया से बातचीत में ममता ने कहा कि मेरी पार्टी का नाम ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस ही रहेगा। बता दें कि राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा छीने जाने के बाद टीएमसी अब राज्य स्तर की पार्टी है।

संविधान पर बुलडोजर नहीं चलाया जा सकता

ममता ने कहा कि बीजेपी सत्ता में है, इसलिए जो चाहे करती है।

लेकिन वे यह नहीं समझते कि सत्ता अस्थायी होती है, कुर्सी आ-जा सकती है लेकिन लोकतंत्र हमेशा कायम रहेगा। संविधान हमेशा के लिए जारी रहेगा, इसमें कुछ संशोधन हो सकते हैं। लेकिन इस संविधान पर बुलडोजर नहीं चलाया जा सकता है। इसलिए वे (बीजेपी) आगामी 2024 का लोकसभा चुनाव नहीं जीतेंगे। बीजेपी को 200 से ज्यादा सीटें नहीं मिलेंगी। विपक्षी एकता पर ममता ने कहा कि कभी-कभी चुप्पी अच्छी होती है। ऐसा मत सोचो कि विपक्ष एक साथ नहीं बैठा है। हम सभी मौजूद हैं और हर कोई एक दूसरे के साथ संपर्क बनाए हुए है। जब विपक्ष साथ आएगा तो यह तो यह बवंडर की तरह होगा। मुकुल रॉय को लेकर ममता ने कहा कि वे बीजेपी विधायक हैं और यह पूरी तरह से उन पर निर्भर है कि वे कहां जाएं। आपको उनके बेटे सुभ्रांशु से पूछना चाहिए जिन्होंने गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई है। उनकी शिकायत पर प्रशासन ध्यान देगा। रॉय के परिवार का कहना है कि वे डिमेंशिया और पार्किंसंस रोग से पीड़ित हैं।

गुमशुदगी की शिकायत दर्ज होने के बाद वे दिल्ली में नाटकीय रूप से सामने आए, और दावा किया कि वे भाजपा सांसद और विधायक और अमित शाह से मिलना चाहते हैं। वह कभी टीएमसी के साथ नहीं थे और वह बीजेपी काम करना जारी रखेंगे।

टीएमसी से अलग होने के बाद रॉय बीजेपी के टिकट पर 2021 का विधानसभा चुनाव जीते थे, लेकिन बाद में पार्टी में वापस चले गए। उन्होंने बीजेपी के नेतृत्व पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाया था।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि सुनने में आ रहा है कि अब हमें साल 2024 तक फंड नहीं मिलेगा। ऐसा हुआ तो जरूरत पड़ने पर मैं आंचल फैलाकर बंगाल की माताओं के सामने भीख मांग लूंगी, लेकिन भीख मांगने दिल्ली कभी नहीं जाऊंगी। ममता गुरुवार को कोलकाता में जनसभा को संबोधित कर रही थीं, उसी दौरान उन्होंने ये बातें कहीं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 29 मार्च से कोलकाता में दो दिवसीय धरना शुरू किया। बंगाल सीएम 100 दिन काम योजना और अन्य योजनाओं के लिए राशि जारी नहीं करने के चलते केंद्र सरकार के खिलाफ धरने पर बैठीं थी।

कलाबाजी दिखा रही महिला 30 फीट से गिरी, मौत

बीजिंग, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। चीन में एक शो के दौरान जिमनास्टिक करते समय एक एक्रोबैट की गिरने से मौत हो गई। घटना 15 अप्रैल की है। इसका वीडियो अब सामने आया है। इसमें महिला एक्रोबैट अपने पति के साथ हवा में कलाबाजी करती नजर आ रही है। उसने अपने पति को पकड़ रखा था, लेकिन अचानक उसका हाथ छूटता है और वो 30 फीट नीचे स्टेज पर गिर जाती है।

सीएनएन के मुताबिक, 37 साल की सन मौमौ पति झांग मौमौ के साथ चीन के सेंट्रल अनहुई प्रांत के होउगाओ गांव में परफॉर्मेंस दे रही थी। दोनों एक केबल के सहारे स्टेज से 30 फीट की ऊंचाई पर पहुंचे। यहां परफॉर्म करते हुए सन पति झांग के पैरों पर अपने पैर रखकर खड़ी हो गई। इसके बाद उसने झांग की गर्दन पकड़ी और हवा में लटक गई। इसी बीच उसका हाथ छूट गया। झांग ने उसे पैरों से पकड़ने की कोशिश की लेकिन वो नाकाम रहा और सन नीचे गिर गई। सन को गिरने के फौरन बाद अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। एक अधिकारी ने कहा कि

दोनों बिना किसी सेफ्टी गियर के कलाबाजी कर रहे थे। लोकल मीडिया के मुताबिक, कलाबाजी करने से पहले पति-पत्नी के बीच सेफ्टी लाइन को लेकर बहस हुई थी। परफॉर्मेंस के दौरान अच्छा दिखने के लिए सन ने सेफ्टी लाइन पहनने से मना कर दिया था। वहीं, झांग ने किसी तरह की बहस से इनकार किया है। उनका कहना है कि पत्नी सन के साथ उनके रिश्ते काफी अच्छे थे और उनकी कभी लड़ाई नहीं हुई। चीनी मीडिया ग्लोबल टाइम्स के मुताबिक, इस मामले की जांच की जा रही है। एक अधिकारी ने कहा- हम हादसे की असली वजह का पता लगा रहे हैं। वहीं, जो कंपनी ये शो करवा रही थी, उस पर 2021 में बिना इजाजत प्रोग्राम ऑर्गेनाइज कराने के लिए 5 लाख 74 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया था।

संबलपुरी साड़ी पहनकर 42.5 किमी दौड़ी भारतीय महिला

लंदन, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। यूके में रहने वाली भारतीय मूल की एक उड़िया महिला ने संबलपुरी साड़ी पहनकर एक मैराथन में दौड़कर नया रिकॉर्ड बनाया। मैनचेस्टर में रविवार को 42.5 किमी की मैराथन को महिला ने 4 घंटे 50 मिनट में पूरा किया। यह यूके की दूसरी सबसे बड़ी मैराथन है। महिला की साड़ी पहनकर दौड़ लगाने की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। महिला का नाम मधुस्मिता जेना दास है। इनकी उम्र 41 साल है। दरअसल, एक ट्विटर यूजर ने मधुस्मिता को साड़ी पहनकर मैराथन में दौड़ लगाते हुए देखा। उसने इस घटना की तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की और लिखा, यूके के मैनचेस्टर में रहने वाली एक उड़िया ने संबलपुरी साड़ी पहनकर यूके के दूसरे सबसे बड़े मैराथन 'मैनचेस्टर मैराथन

2023' में दौड़ लगाई! ये बहुत ही अच्छा पल है। पूरे समाज के लिए यह गर्व की बात है।

वहीं, फ्रेंड्स ऑफ इंडिया सोसाइटी इंटल यूके के आधिकारिक ट्विटर अकाउंट ने मैराथन का एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें मधुस्मिता साड़ी में आराम से दौड़ती हुई दिख रही हैं, जबकि उनके दोस्त और परिवार वाले उनके लिए तालियां बजा रहे हैं।

राहुल ने चांदनी चौक में 'मोहब्बत का शरबत' पिया

दिल्ली के बंगाली मार्केट में गोलगप्पे खाए, लोगों से घिरे नजर आए

नई दिल्ली, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। राहुल गांधी ने मंगलवार शाम दिल्ली के बंगाली मार्केट और चांदनी चौक के बाजारों में गोलगप्पे, चाट और शरबत का लुत्फ उठाया। वे यहां लोगों से घिरे नजर आए। उन्हें देखने के लिए सैंकड़ों की संख्या में लोग जमा हुए। एक दिन पहले ही वे कर्नाटक में चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे।

बंगाली मार्केट के नाथू स्वीट्स में राहुल गांधी ने गोलगप्पे खाए। इसके बाद वे पुरानी दिल्ली के चांदनी चौक इलाके गए, जहां रमजान मनाया जा रहा है। चांदनी चौक में उन्होंने मोहब्बत का शरबत नाम का तरबूज शरबत पिया। इसके बाद वे कबाब खाने अल जवाहर रेस्टॉरेंट गए। उनके साथ फूड राइटर और ब्लॉगर कुणाल विजयकर भी थे।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव से 23 दिन पहले सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दो चुनावी रैली को संबोधित किया। भाल्की में राहुल ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि मोदी जी ने 15 लाख रुपए का वादा किया था, 15 लाख रुपए आए क्या? इसलिए हमें बीजेपी की तरह झूठे वादे नहीं करने चाहिए। कांग्रेस जो भी वादा करेगी, उन्हें सरकार बनते ही जल्द से जल्द पूरा करेगी।

कर्नाटक में राहुल ने नंदिनी ब्रांड की आइसक्रीम खरीदी:कहा- ये राज्य की शान

कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में बीते कई दिनों से दो डेयरी ब्रांड नंदिनी और अमूल को लेकर राजनीति हो रही है। इसी बीच रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नंदिनी ब्रांड की आइसक्रीम खरीदी। उन्होंने डेयरी ब्रांड नंदिनी को कर्नाटक की शान बताया।

क्या यूक्रेन में अब जेलेंस्की का विकल्प ढूंढा जा रहा है?

ब्रसेल्स, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। क्या यूक्रेन में राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की का विकल्प ढूंढा जाने लगा है? कुछ ताजा मीडिया रिपोर्टों में ऐसी अटकलें लगाई गई हैं। कुछ रिपोर्टों में यह कयास भी लगाया गया है कि संभवतः अमेरिका में भी अब जेलेंस्की की जगह किसी बेहतर छवि के नेता को यूक्रेन का नेतृत्व देने पर सोच-विचार शुरू हो गया है। हाल में अमेरिका में कुछ खुफिया दस्तावेज सार्वजनिक हुए थे। उनमें से एक दस्तावेज में कहा गया था कि जेलेंस्की और उनके साथियों ने यूक्रेन को दी गई पश्चिमी सहायता में से 40 करोड़ डॉलर का गबन किया है।

वेबसाइट पॉलिटिको.ईयू ने यूक्रेन के विभिन्न पक्षों के नेताओं से बातचीत के आधार पर एक रिपोर्ट प्रकाशित की है। इसमें बताया गया है कि यूक्रेन का एक खेमा अब जेलेंस्की को "समस्या का हिस्सा" मानने लगा है। खासकर अपनी तानाशाही प्रवृत्तियों के कारण जेलेंस्की की अलोकप्रियता बढ़ रही है।

नॉर्थ कोरिया लॉन्च करेगा पहली स्पाई सैटेलाइट

यूएस-साउथ कोरिया के मिलिट्री एक्शन पर नजर रखेगा तानाशाह, कहा- ये हमारी सुरक्षा के लिए जरूरी

प्योंगयांग, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने देश की पहली स्पाई सैटेलाइट बना ली है। उसने सैटेलाइट को लॉन्च करने के आदेश भी दिए हैं। इस सैटेलाइट के जरिए नॉर्थ कोरिया अमेरिका और साउथ कोरिया की सैन्य कार्रवाई पर नजर रखेगा। इसकी पुष्टि नॉर्थ कोरिया की सरकारी न्यूज मीडिया एजेंसी केसीएनए ने की। एजेंसी ने स्पाई सेटेलाइट को नॉर्थ कोरिया के लिए देश की सैन्य क्षमता को बढ़ाने और अमेरिका, साउथ कोरिया से होने वाले खतरे से निपटने के लिए जरूरी बताया।

मंगलवार को अपनी स्पेस एजेंसी के दौरे पर पहुंचे किम जोंग ने कहा- हमारे लिए अपनी सैन्य ताकत बढ़ाना स्वाभाविक है। अमेरिका लगातार क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। वो साउथ कोरिया को जंग के लिए अपने बेस के तौर पर इस्तेमाल करना चाहता है। ये स्पाई सैटेलाइट देश को इंटेलीजेंस से जुड़ी क्षमता बढ़ाने में मदद करेगा। हम इसे तय प्लान के हिसाब से ही लॉन्च करेंगे।

दिसंबर में हुई थी स्पाई सैटेलाइट की टेस्टिंग

इससे पहले पिछले साल 18 दिसंबर को नॉर्थ कोरिया ने अपनी स्पाई सैटेलाइट के आखिरी फेज की टेस्टिंग की थी। तब इसके अप्रैल में लॉन्च होने की घोषणा की गई थी। केसीएनए के मुताबिक, सैटेलाइट का प्रोडक्शन पूरा हो चुका है। हालांकि, अब तक लॉन्च के लिए कोई तारीख सामने नहीं आई है।

किम ने स्पेस एजेंसी के दौर पर सैटेलाइट लॉन्च का आदेश दिया

अमेरिका और साउथ कोरिया की लगातार मिलिट्री ड्रिल को देखते हुए किम मंगलवार को अपनी बेटी के साथ स्पेस एजेंसी एनएडीए पहुंचे। स्टेट मीडिया की तरफ से जारी तस्वीर में किम अधिकारियों के साथ सैटेलाइट को लेकर बातचीत करते नजर आ रहे

हैं। किम ने अमेरिका और दक्षिण कोरिया पर अपने गठबंधन को मजबूत करने के नाम पर लगातार नॉर्थ कोरिया के खिलाफ सैन्य ताकत बढ़ाने का आरोप लगाया। तानाशाह ने कहा- अमेरिका साउथ कोरिया में अपने हथियार, एयरक्राफ्ट और न्यूक्लियर बॉम्बर तैनात कर रहा है। ये हमारी सुरक्षा के लिए खतरा है। नॉर्थ कोरिया की तरफ से आ रहे परमाणु धमकियों के बीच अमेरिका और साउथ कोरिया लगातार मिलिट्री ड्रिल्स कर रहे हैं। इस हफ्ते ही उन्होंने 12 दिन की एरियल एक्सरसाइज लॉन्च की। इसमें 110 वॉरप्लेन शामिल होंगे। इसके अलावा हाल ही में दोनों देशों ने जापान के साथ मिलकर एक दिन की नेवल मिसाइल डिफेंस एक्सरसाइज भी की थी। वहीं, कुछ दिन पहले नॉर्थ कोरिया ने पहली सॉलिड फ्यूल वाली इंटर कॉन्टिनेंटल मिसाइल के सफल परीक्षण किया था। इसके परीक्षण के दौरान जापान के उत्तरी इलाके से लोगों को निकाला जाने लगा। वहीं, जापान के होकाएडो में स्कूल देरी से शुरू किए गए, कुछ ट्रेनों के समय में भी बदलाव किया गया था। इस मिसाइल परीक्षण के दौरान नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किमजोंग उन अपनी बेटी, पत्नी के साथ मौजूद रहे।

नॉर्थ कोरिया ने अपनी अब तक की सबसे पावर फुल मिसाइल को हवासोंग-18 नाम दिया है। टेस्टिंग के दौरान इसने 1000 किलोमीटर तक की उड़ान भरी।

रंधावा बोले- पायलट अनशन की जगह विधानसभा में बोलते

कहा–मेरा पुराना बयान ही पार्टी का स्टैंड,जल्दबाजी में कोई डिसीजन नहीं होगा

जयपुर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने सचिन पायलट के अनशन पर एक बार फिर पुराना स्टैंड दोहराते हुए तंज कसा। रंधावा ने पायलट मुद्दे पर कहा कि अनशन से पहले मैंने जो बयान दिया वही पार्टी का स्टैंड है। सचिन पायलट से मेरी बात होती रहती है, उनका कॉल आ गया था। रंधावा बिड़ला ऑडिटोरियम में मीडिया से बात कर रहे थे। सचिन पायलट के अनशन से ठीक पहले 10 अप्रैल की रात को बयान जारी कर रंधावा ने पायलट के अनशन को पार्टी विरोधी गतिविधि बताया था।

सचिन पायलट के अनशन के बाद कार्रवाई के सवाल पर रंधावा ने कहा- जो बात विधानसभा में हो सकती थी उससे बड़ा कोई प्लेटफार्म नहीं होता । वहीं पर विपक्ष बैठा था। वहीं पर मुख्यमंत्री बैठे थे। वहीं पर पूरे कांग्रेस के विधायक थे, वहीं पर भाजपा थी। वहां पर बोलना चाहिए थी कि हमारी सरकार ने आज तक क्या किया? उससे बड़ा प्लेटफार्म नहीं हो सकता। सामने सीएम बैठे होते वहीं पर जवाब देते। सीएम को जवाब देना पड़ता।

पायलट विधानसभा में बोलते तो सीएम को जवाब देना पड़ता

रंधावा ने कहा- अनशन करना यह व्यक्तिगत हो सकता है, लेकिन जो मैंने पहले कहा है वही पार्टी की बात है, पार्टी का वही स्टैंड है। आज भी कह रहा हूं। पायलट गवर्नर एड्रेस के समय भ्रष्टाचार की बात बोलते, गवर्नर एड्रेस ऐसी बात है वहां पर सीएम को उसका रिप्लाई देना पड़ता।

पायलट ने मुझसे बात की थी

रंधावा ने कहा- सचिन पायलट से मेरी बात होती है,उनकी मेरे पास कॉल आई। अनशन से पहले भी मेरी बात हुई थी। हमारी बात होती रहती है।

पार्टी की बैठक में आना बड़े नेता का फर्ज

पायलट के बैठकों में नहीं आने

के सवाल पर रंधावा ने कहा- कांग्रेस का वर्कर है उसको इंडिविजुअल मैसेज देने का काम नहीं होता। अगर कोई बड़ा नेता है तो उसका फर्ज बनता है कि वह यहां आए और अपने मन की बात रखें।

जल्दबाजी में कोई डिसीजन नहीं होगा

रंधावा ने कहा-मुझे राजस्थान का प्रभारी बने हुए अभी पांच ही महीने हुए 5 महीने हुए हैं राजस्थान बड़ी स्टेट है उसको समझना। यहां इतने बड़े नेता हैं, मैं इतनी जल्दी ऐसा कोई डिसीजन नहीं करना चाहता। जो भी डिसीजन होगा वह पार्टी हित में होगा।

मैं एक एक बात को देख रहा हूं

खेतड़ी की सभा में पायलट और मंत्री गुढ़ा के बयान को लेकर कहा- मैं हर बात को देख रहा हूं। एक बात को मैं देख रहा हूं। जो कांग्रेस के लिए समस्या पैदा कर रहे हैं उनको भी देख रहा हूं। जो कांग्रेस के लिए बिना किसी पद के बिना किसी लालच के काम कर रहे हैं उनको भी मैं देख रहा हूं।

आगे क्या होगा इसके सवानल पर रंधावा ने कहा- वर्कर साथ हैं। लीडर जो करते हैं, करते रहें। मैं तो कांग्रेस को आगे लेकर जाने की बात कर रहा हूं।

दो चार विधायक आलोचना करेंगे तो सुधार होगा

विधायक रामनारायण मीणा के कई मंत्रियों के करप्शन में डूबे होने क बयान पर रंधावा ने कहा कि कितने एमएलए हैं हमारे पास। दो चार अगर क्रिटिसिज्म करेंगे तो सुधार होगा।

महेश जोशी और गुढ़ा के मामले में सीएम बताएंगे

महेश जोशी पर लगे आरोपों पर रंधावा ने कहा- मुख्यमंत्री महेश जोशी को लेकर आपको बताएंगे। यह उनका मामला है।अगर मेरे प्रदेश कांग्रेस का कोई पदाधिकारी होता तो मैं करता।

मंत्री राजेंद्र गुढ़ा के बयान को लेकर भी सीएम को पूछना चाहिए। अगर वह पार्टी का उपाध्यक्ष या पदाधिकारी होता तो मैं इसका जवाब देता।

रंधावा ने कहा- एक-एक आदमी को सुनेंगे। दो दिन से पहले मैंने विधायकों को सुना है। मेरा जो फोकस है वह 2023 का इलेक्शन है उसके लिए आर्गेनाइजेशन को कैसे मजबूत करें कैसे काम करें, क्या-क्या काम करें। कांग्रेस की मजबूती के लिए क्या इश्यू होने चाहिए उस पर हम काम करेंगे।

गहलोत के बयान में सच्चाई है तो केन्द्रीय मंत्री शेखावत को गिरफ्तार करें : हनुमान बेनीवाल

उदयपुर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सुप्रीमो व नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल उदयपुर दौरे पर हैं। उन्होंने कहा कि सीएम अशोक गहलोत अगर केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत को एक मामले में मुलजिम बता रहे हैं तो उन्हें शेखावत को गिरफ्तार करवा लेना चाहिए। सीएम के पास तो सारी ताकत होती है। अगर गहलोत के बयान में सच्चाई नहीं है तो उन्हें वकवास नहीं करनी चाहिए।

एक निजी होटल में प्रेसवार्ता में बेनीवाल ने पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट और सीएम अशोक गहलोत के बीच अंतरकलह पर कहा कि गहलोत की लास्ट तक इच्छा है कि राजस्थान में जब भी कांग्रेस को लेकर इतिहास लिखा जाए तो यही नजर आए कि गहलोत कांग्रेस के आखिरी सीएम थे। पायलट अगर सीएम बनने का सपना देख रहे हैं

तो ये आमतौर पर कहीं नजर नहीं आ रहा।

पेपर लीक मामले में गहलोत क्यों नहीं करा रहे सीबीआई जांच

पेपर लीक मामले पर बेनीवाल बोले, महिपाल मदेरणा और मलखान सिंह बिश्नोई के मामले में गहलोत ने तत्काल सीबीआई को जांच दे दी, मगर पेपर लीक में ऐसा नहीं कर रहे हैं। क्योंकि इसकी आंच उनके चहेते मंत्रियों और अफसरों तक आएगी। उन्होंने कहा कि पेपर लीक मामले में आरपीएससी के चेयरमैन सहित सत्ता में अहम पदों पर बैठे मंत्रियों और ब्यूरोक्रेट्स की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता।

पायलट कांग्रेस छोड़ नई पार्टी बनाएं: बेनीवाल

बेनीवाल ने कहा कि पायलट कांग्रेस छोड़ अपनी नई पार्टी बनाएं। अगर वे आरएलपी में आना चाहते हैं तो उनका स्वागत है। बेनीवाल ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि धर्म के नाम पर वोट लेना अच्छी बात है लेकिन कितने युवाओं को रोजगार दिया, ये भी बताएं। काला धन में एक रूपए भी वापस नहीं लाए। अपराध-भ्रष्टाचार खत्म नहीं हुआ। बेनीवाल बोले, पहले लोग मिलकर चोरी करते थे अब अंबानी-अडाणी मिलकर लूट रहे हैं।

50कि.मी की स्पीड से आया अंधड़

जयपुर में छाया धूल का गुबार; 13 जिलों में बारिश-आंधी का अलर्ट

जयपुर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में बुधवार को धूल का गुबार छा गया। जयपुर समेत पूर्वी और मध्य राजस्थान में ये सुबह से ही देखने को मिला। 50 किलोमीटर की स्पीड से चली आंधी के कारण पेड़ गिर गए। टीनशेड और टेंट उड़ गया। 200 मीटर दूर भी कुछ नजर नहीं आया। इधर, मौसम विभाग ने दो दिन प्रदेश के 13 जिलों में बारिश-आंधी का अलर्ट जारी किया है।

उत्तर भारत में एक्टिव हुए वेस्टर्न डिस्टरबेंस और पंजाब, पाकिस्तान की सीमा पर बने साइक्लोनिक सर्कुलेशन का असर मंगलवार देर शाम प्रदेश में देखने को मिला। बीकानेर, हनुमानगढ़, गंगानगर, जैसलमेर एरिया आंधी के कारण धूल के गुबार से ढक गया। बारिश और ओले ने भी किसानों की परेशानी बढ़ा दीं। जैसलमेर की मंडियों में रखी इसबगोल समेत अन्य फसलें बर्बाद हो गईं। जैसलमेर में मंगलवार को आए अंधड़ और बारिश के साथ गिरे ओलों ने जमकर तबाही मचाई। यहां की मोहनगढ़ मंडी में पड़ा इसबगोल खराब हो गया है। किसानों का कहना है कि खेतों से मंडी में बेचने के लिए लाए थे कि अचानक से आई बारिश ने सब कुछ तबाह कर दिया।

किसानों का दावा है कि मंडी में रखा 50 लाख से ज्यादा का इसबगोल खराब हो गया। इधर, व्यापारियों ने भी खरीदारी से मना कर दिया है। उनका कहना है कि बारिश की वजह से क्वालिटी खराब हो चुकी है। गंगानगर के पदमपुर में सरसों की कटाई के बाद निकले चारे के ढेर में आ लग गई। हवा तेज चलने के कारण आग तेजी से फैलने लगी, जिसके बाद उसे दमकल की मदद से बुझाया गया। मंगलवार को गंगानगर के हिंदूमलकोट, मिर्जेवाला, करनपुर, सादुलपुर, रायसिंह नगर, गजसिंहपुर, जैतसर, अनूपगढ़ समेत कई जगहों पर एक से लेकर 19मि.मी तक बरसात हुई। सबसे ज्यादा बरसात 19मि.मी बरसात सूरतगढ़ में हुई। इधर हनुमानगढ़ में 9, पीलीबंगा में 9, संगरिया में 3 और पल्लू में 2मि.मी बारिश हुई। बीकानेर के खाजूवाला, नोखा में 4-4, छतरगढ़-पूंगल में 3-3 जबकि चूरू के सरदार शहर में 3मि.मी बरसात हुई।

मौसम केन्द्र जयपुर ने आज अजमेर, अलवर, दौसा, जयपुर, झुंझुनूं, सीकर, टोंक के अलावा पश्चिमी राजस्थान बीकानेर, चूरू हनुमानगढ़, गंगानगर, जोधपुर, नागौर में बादल छाने, कहीं-कहीं तेज आंधी चलने और बारिश की संभावना जताई है। इसी तरह 20 अप्रैल को इस सिस्टम का असर पूर्वी राजस्थान के अलवर, भरतपुर, दौसा, धौलपुर, झुंझुनूं और सीकर जिले में देखने को मिलेगा।

15 लाख की नकली करंसी बरामद: लुधियाना पुलिस ने गिरोह के 4 सदस्यों को पकड़ा; राजस्थान से चल रहा था रैकेट

लुधियाना, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब के लुधियाना में खन्ना पुलिस ने नकली करंसी तैयार करने और मार्केट में सप्लाई करने वाले 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से 15 लाख 5 हजार की जाली करंसी भी मिली है। आरोपियों ने ये करंसी अभी बाजार में चलन में लानी थी उससे पहले ही पुलिस ने बदमाशों को दबोच लिया। पूरा रैकेट राजस्थान से चल रहा था।

SSP अमनीत कौंडल ने बताया कि CIA स्टाफ के इंस्पेक्टर हरदीप सिंह और थाना सदर की पुलिस गश्त कर रही थी। संदिग्ध लोगों की पड़ताल करने के लिए गांव अलोड़ में अधिकारी मौजूद थे। नाकाबंदी के दौरान पुलिस ने युवकों को चेकिंग के लिए रोका। एक युवक ने

अपना नाम कमलजीत सिंह निवासी गांव राणवां तहसील समराला और दूसरे व्यक्ति ने अपना नाम हरी भारद्वाज निवासी बैक साइड बस स्टैंड माछीवाड़ा बताया। पुलिस ने जब कमलजीत नाम के युवक की तालाशी ली तो पुलिस को उसके जेब से 500 रुपए की करंसी के नोट बरामद हुए। इन नेटों के सीरियल नंबर आपस में मिलते जुलते थे। फिर दूसरे युवक हनी की तलाशी ली तो उससे पुलिस को 200 रुपए के करंसी के नोट बरामद हुए। इन नोटों के सीरियल नंबर भी आपस में मिलते जुलते थे। उक्त दोनों आरोपियों से कुल 67 हजार 500 रुपए के नोट बरामद हुए है।

पूछताछ में सामने आया कि जाली करंसी का कारोबार राजस्थान से चला रहा है। पुलिस ने रेड करके राजस्थान के मनोज कुमार उर्फ विजय को 15 अप्रैल को गिरफ्तार किया। आरोपी को दूसरे प्रदेश से लाने के कारण अदालत से मंजूरी ली गई।

मनोज कुमार उर्फ विजय और उसके साथी मदन लाल से 16 अप्रैल को अजमेर (राजस्थान) से 14,20,000 की नकली भी पुलिस को मिली। आरोपी मनोज कुमार उर्फ विजय पर पहले कुल 5 मामले दर्ज हैं। वहीं मदन लाल पर भी राजस्थान में एक मामला दर्ज है।नकली नोट बनाने के मामले में पुलिस ने आरोपियों से एक लैपटॉप, प्रिंटर और खाली कागज भी बरामद किए है। 18 अप्रैल को आरोपियों की ओर से पुलिस को 17,500 रुपए की अन्य जाली करंसी भी बरामद हुई। आरोपियों से प्लेन पन्ने पर छपे हुए (बिना काटे) नोट भी बरामद किए गए है। जिनमें से 100 रुपए की 3,88 हजार नकली करंसी और 500 रुपए के 1,96000 की जाली करंसी बरामद हुई है।

आरोपियों से अभी तक कुल 15,05000 रुपए की नकली करंसी मिली है। आरोपियों को आज अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड हासिल करेंगी ताकि पता चल सके कि आरोपी किन जगहों पर ये नोट सप्लाई करने जा रहा था। बता दें कि खन्ना पुलिस ने मार्च महीने में 1,19,500 रुपए की जाली करंसी बरामद की थी। इस मामले में भी पुलिस 4 लोगों को गिरफ्तार किया था। पुलिस की लोगों से अपील है कि बाजार में चल रही नकली करंसी से बचाव रखें।

बाबूलाल कटारा ने 60 लाख में लीक किया था पेपर

आरपीएससी मेंबर ने वाइस प्रिंसिपल शेरसिंह से किया था सौदा, एसओजी ने ऐसे जोड़ी कड़ियां

जयपुर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। सीनियर टीचर भर्ती पेपर लीक मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने बुधवार को बड़ा खुलासा किया। राजस्थान लोक सेवा आयोग(आरपीएससी) के मेंबर बाबूलाल कटारा ने ही पेपर लीक किया था। कटारा ने वाइस प्रिंसिपल शेरसिंह मीणा को 60 लाख रुपए में पेपर बेचा। शेरसिंह ने 80 लाख रुपए में भूपेंद्र सारण को यह पेपर दिया। एसओजी अफसरों का दावा है कि मामले में फरार चल रहे सुरेश ढाका को भी जल्द ही अरेस्ट कर लिया जाएगा।

एसओजी एडीजी अशोक राठौड़ ने बताया कि शुरुआती जांच में हम लोगों को पता चल गया था कि किसी परीक्षा केंद्र से पेपर लीक नहीं हुआ है। बल्कि आरपीएससी ये ही पेपर लीक हुआ था। इसके बाद इनपुट मिलने के आधार पर विशेष टीम का गठन कर कड़ी से कड़ी जोड़कर कार्रवाई को अंजाम दिया। आखिरी मोहरे तक हम लोग पहुंच सके।

गिरफ्तार आरपीएससी के मेंबर बाबूलाल कटारा, उसके भांजे विजय डामोर और ड्राइवर गोपाल को आज कोर्ट में पेश किया गया।

29 अप्रैल तक रिमांड पर भेजा गया है। राठौड़ ने बताया कि पेपर सेट करने का जिम्मा बाबूलाल कटारा के पास था। कटारा ने पेपर शुरू होने से 2 हफ्ते पहले ही शेर सिंह को हाथ से लिखा पेपर दे दिया था। शेर सिंह ने दो किस्तों में 60 लाख रुपए कटारा को दिए।

शेर सिंह ने इस पेपर को जयपुर के शास्त्री नगर थाना इलाके में टाइप करा कर भूपेंद्र सारण को बेच दिया। भूपेंद्र फिर इस पेपर को आगे सर्कुलेट करता चला गया। पेपर को 5 लाख रुपए तक में बेचा गया।

एडीजी ने बताया कि जांच के दौरान पुलिस टीम ने हर जगह सर्च किया। परीक्षा केंद्र से लीक होने का कोई इनपुट नहीं मिला। इस पर आरपीएससी चेयरमैन से संपर्क किया गया। उन्हें कहा- पेपर की चैन ऑफ कस्टडी देखी जाए। इससे पता चल सकेगा की किस-किस व्यक्ति के पास पेपर की एक्सेस था। राठौड़ ने बताया कि दिसंबर से लेकर अप्रैल तक हमारी टीम ने एक-एक कर इस गिरोह के सदस्यों को पकड़ना शुरू कर दिया। इस गिरोह के सदस्यों से हुई पूछताछ के बाद एसओजी को पता चल सका की आरपीएससी के सदस्य ने पेपर लीक किया है। जिस पर मंगलवार सुबह टीम को अजमेर भेजा गया। इसके बाद तीनों आरोपियों की गिरफ्तार हुई।

अशोक राठौड़ ने बताया कि पेपर सेट करने की जिम्मेदारी आरपीएससी ने सदस्यों को दी थी। सदस्यों ने पेपर को सेट करवाया। पेपर को प्रिंटिग प्रेस में भेजने की कॉपी सदस्यों के पास थी। जिन्हे कटारा के हाथ से लिख लिया। कटारा का ड्राइवर के जरिए शेर सिंह से संपर्क हुआ था। इसके बाद शेर सिंह पेपर लेकर जयपुर आया।

अशोक राठौड़ ने बताया- जांच के दौरान उन्हें पता करने में बड़ी परेशानी हुई की पेपर किसने सेट किया। आरपीएससी का कहना था कि पेपर सेट करने वालों को गोपनीय रखते हैं। जब जांच की गई तो पता चला कि शेर सिंह को पता था कि पेपर बाबूलाल सेट कर रहा है। इसलिए ड्राइवर के जरिए कटारा से संपर्क किया। इससे आरपीएससी की गोपनीयता का आप पता लगा सकते हैं। हैरानी की बात है कि एक ही सदस्य छह के छह पेपर को सेट कर रहा था। गोपनीयता यहीं खत्म हो जाती है।

एडीजी ने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि बाबूलाल कटारा का भांजा विजय कटारा भी एक्टिव है। विजय ने शेर सिंह से एक सोने का कड़ा लिया था। सोने का कड़ा पेपर लीक की प्लानिंग करने के लिए लिया था। शेर सिंह और विजय कटारा के संबंध अच्छे थे। इसलिए विजय ने शेर सिंह से पैसा न लेकर सोने का कड़ा लिया। एसओजी ने वह ज्वेलरी शॉप भी तलाश ली, जिस से विजय के लिए सोने का कड़ा खरीदा गया था।

अशोक राठौड़ ने बताया कि बाबूलाल कटारा यह जान चुका था कि कभी भी उसकी गिरफ्तारी हो सकती है। जब एसओजी के डीआईजी सतवीर सिंह उसके अजमेर स्थित घर पहुंचे तो उसने किसी भी प्रकार का कोई रिएक्शन नहीं किया। प्रारंभिक पूछताछ में कई खुलासे किए हैं। अभी भी पेपर लीक मामले में 10 से अधिक लोग एसओजी की गिरफ्त में नहीं आए हैं। इनकी तलाश की जा रही है।

अब बाबूलाल कटारा समेत तीनों को एक साथ वाइस प्रिंसिपल शेर सिंह मीणा के सामने बैठाकर पूछताछ की जाएगी। शेर सिंह को पहले ही दस दिन की रिमांड पर लिया जा चुका है। रिमांड पूरी होने के बाद फिर से तीन दिन की रिमांड पर लेने की तैयारी है।

आरपीएससी मेंबर बाबूलाल कटारा की पेपर माफिया शेर सिंह मीणा से चार साल पहले दोस्ती हुई थी। शेर सिंह मीणा ने बाबूलाल को आरपीएससी से भर्ती परीक्षाओं के पेपर आउट कर मुनाफा कमाने के लिए मना लिया था। कटारा के मन में पेपर लीक से मिलने वाले पैसों का लालच तो था, लेकिन डर भी था। कटारा पेपर माफिया के ज्यादा संपर्क में नहीं रह सकता था।

आरपीएससी के अधिकारियों और दूसरे कर्मचारियों को उस पर शक हो सकता था। ऐसे में कटारा को किसी विश्वासपात्र की जरूरत थी।

'एडमिशन व यूनिफॉर्म के नाम पर लूट'

एबीवीपी कार्यकर्ताओ ने निजी स्कूलों के खिलाफ मोर्चा खोला, जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन

कोटा, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। निजी स्कूलों की मनमानी के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता सड़क पर उतरे। परिषद के कार्यकर्ताओं ने जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में प्रदर्शन किया। निजी स्कूलों द्वारा एडमिशन व यूनिफॉर्म के नाम पर वसूली जा रही फीस पर लगाम लगाने की मांग की। एबीवीपी कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन को देखते हुए गुमानपुरा थाना अधिकारी मय जाप्ता मौके पर मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों ने अधिकारी के नहीं मिलने पर कनिष्ठ सहायक को ज्ञापन दिया।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के महानगर मंत्री मनीष सामरिया ने कहा कि कोटा में हर साल निजी स्कूलों द्वारा फीस बढ़ाई जा रही है। इस बार की 15 से 20 फीसदी तक फीस बढ़ाई है।आज स्थिति यह है कि नर्सरी के बच्चे के एडमिशन के लिए 40 से 50 हजार की फीस देनी पड़ रही है। कमीशन खोरी का खेल इतना बड़ा है कि किताबे खरीदने के लिए दुकान तक फिक्स कर रखी है। स्कूल वाले जाते ही पेरेंट्स को दुकान का कार्ड थमा देते है।

कोटा को शिक्षा नगरी कहते है लेकिन निजी स्कूल संचालक शिक्षा के नाम से पैसा छाप रहे है। स्कूल संचालको के पास बड़ी बड़ी गाड़ियां है। वो फार्म हाउस के मालिक बन गए है। हमारी मांग है कि शिक्षा विभाग के कर्मचारी निजी स्कूलों में जाकर सर्वे करें। ऐसी स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई करें। अगर शिक्षा विभाग कार्रवाई नहीं करेगा तो विधार्थी परिषद के कार्यकर्ता निजी स्कूलों में जाकर खुद कार्रवाई करेंगे।

जोधपुर में गांव के बीच पहुंचा लेपर्ड

रास्ता भटकते पहुंचा आबादी में, अब कुंभलगढ़ में छोड़ा

जोधपुर, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। जंगल में रहने वाला लेपर्ड अब भटक कर आबादी एरिया में आ रहा है। ऐसे में एक लेपर्ड जोधपुर जिले के जैसलमेर सीमा से सटे गांव में पहुंच गया। 2 दिन तक गांव वाले भी दहशत में रहे।

सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू शुरू किया। सेतरावा के निकट माइंस से रेस्क्यू कर कुंभलगढ़ वाइल्ड लाइफ सेंचुरी में छोड़ा गया। पिछले तीन-चार सालों में इस क्षेत्र में लेपर्ड मिलने की है तीसरी घटना है।जोधपुर जिले के सेतरावा के पास राजस्व ग्राम खंनोडी की माइंस से लेपर्ड को रेस्क्यू किया गया। उप वन संरक्षक वन्यजीव जोधपुर संदीप कुमार छलानी के निर्देशानुसार उसको पुनर्वास के लिए उनके प्राकृत वास कुंभलगढ़ वन्यजीव अभ्यारण में छोड़ा गया। वन्-जीव रेंज देसूरी में वन्यजीव उड़नदस्ता की टीम बंशीलाल सहायक वनपाल, ताराराम सीरवी वनरक्षक, बंशीलाल सांखला शूटर, भगवान सिंह इंदा, कैलाश दान चारण, उमेद राम वाहन चालक और गंगा सिंह कैटल गार्ड के द्वारा यह पुनर्वास करवाया गया।

कुछ समय पहले देचू छेत्र में भी सरसों की फसल के बीच में से निकल कर एक लेपर्ड ने किसान पर हमला किया था।

ईद के कपड़े खरीदने जा रहे 2 दोस्तों की मौत

तीसरा जयपुर रेफर; किसी ने भी नहीं पहना था हेलमेट, सिर में आई गंभीर चोट

बूंदी, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। ईद पर नए कपड़े लेने जा रहे तीन दोस्तों की बाइक को किसी वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में 2 दोस्तों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 1 गंभीर रूप से घायल हो गया। उसको जयपुर रेफर किया गया है। बूंदी के नैनवां कस्बे के रहने वाले युवकों का एक्सीडेंट टोंक जिले के बनेठा थाना क्षेत्र में हुआ। तीनों एक ही बाइक पर थे और किसी ने भी हेलमेट नहीं पहन रखा था। टक्कर के बाद तीनों उछलकर सड़क पर गिरे और उनके सिर में गंभीर चोट आई। सड़क पर खून ही खून फैल गया था। बनेठा थानाधिकारी नरेंद्र सिंह राजपूत ने बताया कि मंगलवार रात को करीब 1 बजे सूचना मिली थी कि बनेठा टोल प्लाजा के पास अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में 3 युवक घायल हो गए। एंबुलेंस की मदद से घायलों को टोंक अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टर ने 2 यवकों को मृत घोषित कर दिया, जबकि 1 युवक को सआदत अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद जयपुर रेफर कर दिया। थानाधिकारी ने बताया कि नैनवां निवासी मोहम्मद रियान (18) पुत्र आशिक अली, सैयद (19) पुत्र कमरुद्दीन और इमरान (19) पुत्र हुसैन तीनों दोस्त थे। तीनों दोस्त घर से पहले नमाज पढ़ने के लिए निकले थे।

17 मई को शुरू होगा सेल फोन ट्रैकिंग सिस्टम : अंजनी कुमार

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक अंजनी कुमार ने आज घोषणा की कि खोए हुए या चोरी हुए सेल फोन का पता लगाने के लिए "सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर" (सीईआईआर) नामक एक नई ट्रैकिंग प्रणाली शुरू की जाएगी। सभी जिलों के एसपी, सीपी को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर (सीईआईआर) नीति से अवगत कराया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, डीजीपी अंजनी कुमार ने कहा कि सेल फोन सबसे व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाने वाला इलेक्ट्रॉनिक गैजेट बन गया है और इस संदर्भ में, सेल फोन की चोरी और गुम होने के मामलों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को सीईआईआर के बारे में गांवों और कस्बों में आम लोगों के बीच जागरूकता फैलाने की सलाह दी, जिसे खोए हुए सेल फोन का पता लगाने के लिए पेश किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह नीति 17 मई को विश्व दूरसंचार दिवस के रूप में शुरू की जाएगी। एडिशनल डीजी महेश भागवत ने बताया कि प्रदेश के 750 थानों में पुलिस अधिकारियों को इस सिस्टम का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि थाने के सर्कल और मंडल में हर दिन जागरूकता

कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए ताकि सेल फोन का इस्तेमाल करने वाले हर व्यक्ति को सीईआईआर के बारे में पता चले। यदि कोई खोया हुआ सेल फोन लेकर पुलिस स्टेशन आता है, तो संबंधित रिसेप्शनिस्ट को सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर ऐप में पूरा विवरण दर्ज करना चाहिए। अगर किसी ने सेल फोन गिरा दिया है या किसी ने इसे चुरा लिया है, तो सीईआईआर में इसे पंजीकृत करने पर इसे तुरंत ढूंढने का एक बड़ा मौका है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पेश सीईआईआर ऐप्लिशन के जरिए ऐसे मोबाइल को खोजने में काफी मदद मिलेगी, भले ही सेल फोन कहीं खो गया हो या चोरी हो गया हो। सीईआईआर को दूरसंचार मंत्रालय के तत्वावधान में पेश किया गया है। जिन लोगों के मोबाइल खो गए हैं, वे www.ceir.gov.in वेबसाइट पर लॉग इन करें। यह खोए/चोरी हुए मोबाइल लिंक को ब्लॉक करने के लिए अनुरोध दिखाएगा। उस पर क्लिक करें और खोए हुए फोन नंबर, आईएमईआई नंबर, कंपनी का नाम, मॉडल और खरीदे गए बिल को अपलोड करें। मोबाइल खो जाने की तारीख, राज्य, जिला और पुलिस स्टेशन शिकायत विवरण दर्ज किया जाना चाहिए। अंत में यूजर का नाम, पता, पहचान पत्र, ई-मेल आईडी, ओटीपी के लिए दूसरा मोबाइल नंबर देना होगा। यह सब हो जाने के बाद एक आईडी नंबर प्राप्त होगा और संबंधित आईडी फोन का स्टेटस पता चल सकेगा। मोबाइल मिलने के बाद यूजर को उसी वेबसाइट पर जाकर ऑन ब्लॉक/फाउंड मोबाइल नामक लिंक पर क्लिक करना चाहिए। आईडी डालने के बाद फोन अनलॉक हो जाएगा। घटना के तुरंत बाद अपने अधिकार क्षेत्र में पुलिस को जानकारी प्रदान करने के लिए सीईआईआर एप्लिकेशन का उपयोग किया जाना चाहिए। इस अवसर पर दूरसंचार विभाग के उप महानिदेशक राजशेखर, निदेशक मुरली कृष्णा, राघव रेड्डी, अदिति आदि उपस्थित रहे।

मोटा अनाज के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार , के निर्देशों के अनुपालन में, अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष के भाग के रूप में, राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद द्वारा श्री वेंकटेश्वर वाणिज्य डिग्री कॉलेज दिलशुखनगर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ. जी.पी.प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक के मार्गदर्शन में डॉ. संतोष माने, अनुसंधान अधिकारी(आयुर्वेद), डॉ. क्रिस एंटनी अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद) राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद की एक टीम के. श्रीनिवास राव, पुस्तकालयध्यक्ष, डॉ. एम. शिव कृष्ण, प्रधानाचार्य एल.भवानी और सकाय नागी रेड्डी, बी.सूजना, के.कुसुमाकुमार और अन्य ने भाग लिया है। कार्यक्रम के दौरान, रागुलु (फिंगर मिलेट), अरेकालू (कोदो मिलेट), कोरालू (फॉक्सटेल मिलेट), समालू (लिटिल मिलेट), ओडालू (बार्नयार्ड मिलेट),सज्जलू (मोती बाजरा), ज्वार (सोरघम), वरिगालु (प्रोसो बाजरा) जैसे पोषक अनाज प्रदर्शित किए गए हैं और छात्रों को दैनिक आहार में उनके महत्व को समझाया गया है। इस कार्यक्रम में कॉलेज के छात्र-छात्राओं एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया और कॉलेज में पोषक अनाज के वार्तालाप में शामिल हो गए।

पीआरएसआई महिला विंग का गठन, कार्यभार संभाला

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पब्लिक रिलेशंस सोसायटी ऑफ इंडिया के हैदराबाद चैप्टर की एक पूर्ण विकसित महिला विंग ने बुधवार को हैदराबाद के लकड़ीकापुल में अपने कार्यालय में एक संक्षिप्त समारोह में कार्यभार संभाला। पीआरएसआई के राष्ट्रीय महासचिव वाई. बाबजी ने संयोजक डॉ. के. अनीता की उपस्थिति में औपचारिक शपथ के साथ सदस्यों को शामिल किया, जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यभार संभाला था। श्री बाबजी ने कहा कि यह पीआरएसआई के इतिहास में एक यादगार दिन है। सार्वजनिक, निजी और एनजीओ क्षेत्रों, पत्रकारिता और प्रबंधन संकाय से महिला पीआर और कॉर्पोरेट संचार पेशेवरों को लाने के उद्देश्य से पहली बार महिलाओं के लिए एक अलग विंग का गठन किया गया है और छात्रों के पेशेवर एक साथ मुद्दों को संबोधित करने, विचारों पर चर्चा

करने, उपलब्धियों का जश्न मनाने और सामान्य अच्छे के लिए एजेंडा सेट करने के लिए एक साथ हैं। उन्होंने हैदराबाद चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. रामू सुरवाजुला की सराहना की, जिन्होंने पदभार ग्रहण करते ही एक अलग महिला विंग बनाने का बीड़ा उठाया। एक दशक से अधिक समय से लंबित महिला विंग के विचार को आकार देने के लिए हैदराबाद चैप्टर के नेतृत्व को धन्यवाद देते हुए, इसकी संयोजक डॉ. अनीता ने कहा कि हमें विशेष कार्यक्रमों को तैयार करने का एक बड़ा अवसर मिला। महिलाओं में डॉ. श्रीबाला, डीन जेंडर स्टडीज, हेनरी मार्टिन इंस्टीट्यूट (सह-संयोजक), सी.धन्यश्री, पीएचडी स्कॉलर (समन्वयक) शामिल रहीं। प्रख्यात शिक्षाविद सी. रमा देवी और तरुणी एनजीओ की संस्थापक डॉ ममता, सलाहकार के रूप में विंग की मदद करेंगी। इस वर्ष के राष्ट्रीय पीआर दिवस विषय (जी-20 और भारतीय मूल्य: पीआर परिप्रेक्ष्य) पर श्रीमती निहारा कानेटी, कार्यक्रम कार्यकारी, ऑल इंडिया रेडियो, हैदराबाद के व्याख्यान के साथ महिला विंग ने अपना पहला कार्यक्रम आयोजित किया।

पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन की भेंट वार्ता का प्रसारण आज

आकाशवाणी हैदराबाद केंद्र में पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन के साथ केंद्र के कर्मचारी।

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व लोकसभा अध्यक्ष और पद्मभूषण सुमित्रा महाजनजी की भेंट वार्ता का प्रथम भाग का प्रसारण आकाशवाणी हैदराबाद केंद्र से मराठी कार्यक्रम निशिगंध में कल गुरुवार 20 अर्प्रल को दोपहर 2. 30 किया जाएगा। गौरतलब है कि हाल ही में पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने आकाशवाणी हैदराबाद केंद्र का दौरा किया था तथा इस संमय उनसे भेंट वार्ता ली गई थी। भेंटकर्ता डॉ विद्या देवधर तथा प्रस्तुति सहायक सतीश सरदेशमुख और मेघना ढबू का होगा। कार्यक्रम की प्रस्तुति प्रोग्राम एग्जिक्युटिव ऑल इंडिया रेडियो हैदराबाद की प्रियदर्शनी राऊत, की है।

डॉ. अविनाश जायसवाल मनोनीत

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। उत्तर-पूर्व क्षेत्र विकास मंत्रालय, भारत सरकार की हिन्दी सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में डॉ. अविनाश जायसवाल का मनोनयन किया गया है। उत्तर-पूर्वी क्षेत्र द्वारा नामित गैर सरकारी सदस्य की श्रेणी में डॉ. अविनाश जायसवाल को नामित किया गया है। इस श्रेणी में दक्षिण भारत से मात्र डॉ. अविनाश जायसवाल को मनोनीत किया गया। डॉ. अविनाश जायसवाल हिन्दी के पठन-पाठन के साथ प्रशासनिक कार्य में भी लगभग तीन दशकों से जुड़े हुए है। डॉ. जायसवाल की संपूर्ण शिक्षा हिन्दी माध्यम से ही हुई है।

भगवान परशुराम मंदिर का 10वाँ वार्षिकोत्सव 22 को, हुई बैठक

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जगतगिरीगुट्टा स्थित भगवान परशुराम मंदिर मे ब्रह्मर्षि सेवा समाज हैदराबाद (तेलंगाना) के तत्वावधान में अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर भगवान परशुराम जयंती एवं भगवान परशुराम मंदिर का 10वाँ स्थापना दिवस शनिवार 22 अप्रैल 2023 प्रात: वेला में आयोजित किया जाएगा। जारी प्रेस विज्ञप्ति में महासचिव सुनिल सिंह ने बताया कि इस दिन मंदिर को विशेष लाईटिंग व फूलों से सजाकर परशुराम भगवान का श्रृंगारकर पूजा-अर्चना व महाआरती के पश्चात् कार्यक्रम का शुभारम्भ किया जाएगा। प्रात: 8 बजे से सायं 4 बजे तक पंडितजी के मंत्रोच्चारण से भगवान परशुराम का अभिषेक, सामूहिक हवन, संगीतमय सुन्दरकान्ड पाठ एवं पधारे समाज बन्धुओं व भक्तों के लिए भंडारे (महाप्रसादी) का आयोजन किया जाएगा। तत्पश्चात् सायं 5 बजे से 8 बजे तक कार्यक्रम मे पधारे विशिष्ट महानुभावों का स्वागत-समारोह व परशुरामजी की महाआरती के पश्चात् कार्यक्रम का समापन होगा। कार्यक्रम में पूजा-पाठ की जिम्मेदारी संयोजक रामगोपाल चौधरी की रहेगी। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पदाधिकारियों व सदस्यों को पूर्व विशेष मीटिंग में जिम्मेदारियों से अवगत कराया गया। विशेष आम मीटिंग मे संयोजक रामगोपाल चौधरी, महासचिव सुनिल सिंह, शत्रुघ्न सिंह, रजनीश कुमार, पंडित शिवम शुक्ला, कोसलेन्द्र चौधरी उपस्थित रहे। पधारे भक्तों व समाज बन्धुओं की सेवार्थ ब्रह्मर्षि सेवा समाज के सभी पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहेंगे। अध्यक्ष मानवेन्द्र मिश्रा व संयोजक रामगोपाल चौधरी ने समाज बन्धुओं व भक्तों से निवेदन किया है कि सपरिवार समयपर पधारकर कार्यक्रम का लाभ लें।

भाजपा करेगी जनसमस्याओं का समाधान : गज्जला

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सेरिलिंगमपल्ली निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा प्रभारी गज्जला योगानंद ने पदयात्रा के 33वें दिन कुक्कटपल्ली डिवीजन पार्ट-2 पपिरेड्डी नगर और एसबेस्टस कलानी का दौरा किया तथा जनसमस्याओं के संबंध में लोगों सक बातचीत की। बाद में उन्होंने बताया कि सेरीलिंगमपल्ली निर्वाचन क्षेत्र में, जो राज्य में सबसे अधिक करदाता है, उन्हें सड़क और जल निकासी, वृद्धावस्था के लिए पेंशन की कमी, कुत्तों का उपद्रव, स्ट्रीट लाइट, जल निकासी और सड़कों की समस्या, आंगनवाड़ी केंद्रों की कमी आदि समस्याओं से परेशान हैं। लोगों को मूलभूत सुविधाएं भी

नहीं मिल रही हैं। योगानंद ने बताया कि केसीआर लोगों के पैसे को यह कहकर अपने घर में डायवर्ट कर रहे हैं कि वह सुनहरा तेलंगाना बनाएंगे।

योगानंद ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार इस बात पर ध्यान क्यों नहीं दे रही है कि उद्योग धंधे शहर से दूर होने चाहिए और रिहायशी इलाकों में ठिकाने लगाने जैसी कई समस्याओं से जनता जूझ रही है। योगानंद ने सवाल किया कि क्या इतनी समस्याओं का समाधान किए बिना अधिकारी और विधायक सो रहे हैं।

मानू को गोल्ड गार्डन अवार्ड मिला

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बागवानी विभाग, तेलंगाना सरकार द्वारा आयोजित सातवें गार्डन फेस्टिवल और पहले अर्बन फार्मिंग फेस्टिवल में हरियाली बनाए रखने के लिए मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी (मानू) को पहला पुरस्कार मिला। मुख्य अतिथि एस. निरंजन रेड्डी, कृषि और बागवानी मंत्री, तेलंगाना ने सार्वजनिक उद्यान में आयोजित एक समारोह में मानू के कार्यकारी अभियंता एस नागेश्वर रेड्डी को गोल्ड गार्डन पुरस्कार और प्रमाण पत्र सौंपा। सैयद अब्दुल कादिर, बागवानी पर्यवेक्षक उनके साथ थे। डॉ. पल्ला राजेश्वर रेड्डी, एमएलसी-अध्यक्ष, तेलंगाना रैतु बंधु समिति सम्मानित अतिथि थे। प्रोफेसर सैयद ऐनुल हसन, कुलपति ने इंजीनियरिंग अनुभाग के प्रयासों की सराहना की और आशा व्यक्त की कि मानू परिसर में हरियाली और पर्यावरण के अनुकूल वातावरण बनाए रखना जारी रखेगा। नागेश्वर रेड्डी ने आज पुरस्कार के साथ प्रो ऐनुल हसन से मुलाकात की। प्रोफेसर इश्तियाक अहमद, रजिस्ट्रार ने भी मानू बिरादरी को बधाई दी और इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की। मानू ने श्रेणी VIII "शैक्षणिक संस्थानों द्वारा अनुरक्षित उद्यान" के तहत उत्सव में भाग लिया और बागवानी विभाग की एक टीम ने निरीक्षण के लिए 23 जनवरी, 2023 को मानू परिसर का दौरा किया।

अग्र महिला मंच तेलंगाना का समर कैंप सम्पन्न

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दोमलगुड़ा स्थित कुचीपुड़ी अकादमी में अग्र महिला मंच द्वारा समर कैंप बड़े ही सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। उक्ताशय की जानकारी देते हुए मंच की अध्यक्षा दीपा गर्ग ने बताया की उपस्थित महिलाओं ने इस अवसर का लाभ उठाया। सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारंभ पदाधिकारियों द्वारा श्री अग्रसेन महाराज जी की पूजा व माल्यार्पण से हुआ।

दीपा गर्ग, अंजु गोयल, सरला अग्रवाल, मधु गोयल ने आमंत्रित मुख्य अतिथियों का परिचय दिया। श्रीमती रजनी जालान ने महिलाओं को किस प्रकार से स्वयं मेकअप कर सकते हैं। याशिका ने नेल आर्ट की कला के सुंदर सुंदर डिज़ाइन सिखाए। श्रीमती बबिता ने बालों की अनेक प्रकार से उचित देखभाल कर नए नए स्टाइल से जुड़े व आकर्षक स्टाइल के गुर सिखाए। विशेष महत्व में फिजियोथेरेपी की श्रीमती कुसुम अग्रवाल ने सुज़ोक थेरेपी के महत्व को समझाया।

डॉक्टर मीता बजाज, फिजियोथेरेपी की कुशल प्रशिक्षिखा ने उपस्थित सभी महिलाओं को अनेक प्रकार के दर्दों का निवारण कैसे थोड़े ही समय में दूर कर जिंदगी को खुशहाल बना सकते हैं, अनेक प्रकार की एक्सरसाइज सिखाकर महिलाओं की शंकाओं का समाधान किया। मंच की पदाधिकारियों ने आमंत्रित सभी कुशल प्रशिक्षिकाओं को शॉल भेंटकर, मोमेंटो से सम्मान किया। अर्ली बर्ड गेम सपना अग्रवाल ने खिलाया, जिसकी विजेता भारती अग्रवाल, सीमा पित्ती को पुरस्कृत किया गया। रजिस्ट्रेशन का कार्यभार संगीता देवड़ा व मधु गोयल ने संभाला, मंजू केजरीवाल ने माइक के प्रबंध में सहयोग दिया स्वादिष्ट अल्पाहार को अंजू गोयल ने संभाला पानी की उचित व्यवस्था सीमा पंसारी ने की।

इस अवसर पर वंदना अग्रवाल, प्रभावती अग्रवाल, पुष्पा गुप्ता, सीमा गर्ग, प्रेमलता अग्रवाल, सुनीता गुप्ता, सरला जिंदल, सुमन अग्रवाल, संगीता भगेरिया, वनिता अग्रवाल, मनीषा अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल का भी सहयोग रहा। दीपा गर्ग, अंजू गोयल के नेतृत्व एवम् सरला अग्रवाल, सीमा पंसारी के संयोजकत्व में मंच का यह कार्यक्रम बहोत ही सफल रहा।

खैरताबाद निर्वाचन क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान के दौरान लोगों से मुलाकात जनसमस्याओं की जानकारी लेते हुए पूर्व भाजपा विधायक चिंतला रामचंद्र रेड्डी, सतीश जाजू व अन्य। इस दौरान नये मतदाता पंजीकरण के लिए भी प्रोत्साहित किया गया। साथ में हैं राकेश अग्रवाल, सुरेश, सुभाष, मुकेश, कपीश व अन्य।

प्रसाद राव जामि को मिला साहित्यानुरागी सम्मान

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के विशिष्ट साहित्यकार तथा हिंदी साहित्य के मर्मज्ञ विद्वान प्रसाद राव जामि को हिन्दी विभाग, त्रिभुवन विश्वविद्यालय कीर्तिपुर काठमान्डू शिक्षा विभाग, राम सुहाग तिलक कॉलेज ऑफ एजुकेशन जहानाबाद तथा हिमालिनी कृष्ण चंद्र मिश्र पब्लिकेशन काठमांडू के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में साहित्यानुरागी सम्मान से सम्मानित किया गया। आज यहां जारी एक प्रसक विज्ञप्ति के अनुसार वैश्विक परिदृश्य में शिक्षा, साहित्य, संस्कृति और समाज की भूमिका पर त्रिभुवन विवि काठमांडू में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में तेलंगाना के प्रसाद राव जामि को उक्त उपाधि प्रदान की गई। श्री जामि ने हिंदी भाषा एवं व्याकरण, सिंगरेणी श्रवंती, किलकारी, भारत की आजादी का अमृत महोत्सव, साहित्य विमर्श, स्वतंत्र भारत का स्वतंत्र साहित्य, साहित्य में राष्ट्र बोध, साहित्य में राष्ट्रीय चेतना, दलित चेतना के स्वर, साहित्य विविध विमर्श, साहित्य मंथन, विश्व आरा, कथा सरोवर, दलित साहित्य वैचारिक चेतना, हिंदी साहित्य वैश्विक परिदृश्य, हिंदी साहित्य के विविध रूप, साहित्य तरंग, काव्य धारा, रेशमी सफर, महकते फूल सहित सैकडों पुस्तकों की रचना की। साथ ही उन्होंने कई राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी तथा काव्य सम्मेलन में भाग लिया है। श्री जामि को उक्त सम्मान मिलने पर तेलंगाना से हिंदी के कई हिंदीप्रेमियों ने उन्हें बधाई दी है।

प्रो. बीजे राव को अतिरिक्त कार्यभार

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। प्रो. बीजे राव ने एमजीएनसीआरई के अध्यक्ष के रूप में अतिरिक्त प्रभार ग्रहण किया। हैदराबाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी जे राव को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद (एमजीएनसीआरई), हैदराबाद के अध्यक्ष के रूप में अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

बुधवार को केबीआर में गणेशजी की पूजा-अर्चना करते हुए संजय पित्ती, राजेंद्र अग्रवाल, मोहनलाल मित्तल, विजय कुमार, समाजसेवी गोपाल बल्दवा, राजू, विजय कुमार सिंह, माया देवी व अन्य।

बोलारम स्थित श्री गुलाब सदन में विराजित युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी आदि ठाणा का दर्शन वंदन करते हुए श्री जैनसेवा संघ के पूर्व अध्यक्ष ए. गौतम जैन, ललित सुराणा, श्रीपाल, औकुर व अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भारत नंबर ...

चीन में बच्चे पैदा करने की दर भी कम हुई है, और वो इस साल माइनस में दर्ज की गई।

चीन में एवरेज लाइफ एक्सपेक्टेन्सी (जीवन की औसत उम्र) भारत से बेहतर है। यहां पुरुषों की औसत उम्र 76 साल और महिलाओं की औसत उम्र 82 साल है। वहीं भारत में पुरुषों की औसत उम्र 74 साल और महिलाओं की औसत उम्र सिर्फ 71 साल है। यूएनएफपीए इंडिया के प्रतिनिध ने कहा कि अब दुनिया की आबादी 8 अरब हो गई है। हम भारत के 1.4 अरब लोगों को 1.4 मौकों के रूप में देखेंगे। उन्होंने कहा कि भारत एक शक्तिशाली देश है। शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और आर्थिक विकास के मामले में लगातार आगे बढ़ रहा है। हम तकनीकी मामले में हर रोज नए-नए रिकॉर्ड्स बना रहे हैं।

भारत में 25% लोग 14 साल तक की उम्र वाले हैं। वहीं 10-19 साल तक के 18% लोग हैं। 10-24 साल तक के लोगों की तादाद 26% है, तो 15-64 साल के बीच लगभग 68% लोग हैं। यानी भारत में युवाओं की सबसे ज्यादा तादाद है, लेकिन चीन में ऐसा नहीं है। वहां बूढ़े लोगों की तादाद सबसे ज्यादा है। चीन में 20 करोड़ लोग तो 65 साल से ज्यादा उम्र के हैं।

केंद्र सरकार-राज्यों ...

केंद्र सरकार ने राज्यों को अपनी राय देने के लिए 10 दिन की मोहलत दी है। ताकि उनकी राय भी सुप्रीम कोर्ट में रखी जा सके।

समलैंगिक विवाह पर 18 अप्रैल को सुनवाई के पहले ही दिन केंद्र की तरफ से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने राज्यों का जिक्र किया था। उन्होंने दलील दी थी किसी को नहीं पता कि समलैंगिक विवाह के मसले पर सुदूर दक्षिण का कोई किसान क्या सोचता है या उत्तर भारत के किसी बिजनेसमैन की क्या राय है। यह ऐसा मसला है जो संसद के दायरे में आता है और संसद ही इस पर कोई फैसला ले सकती है। एसजी मेहता ने कहा था कि चूंकि विवाह समवर्ती सूची में है, ऐसे में यह भी संभव है कि कोई राज्य इसे माने और कोई न माने।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 में किसी व्यक्ति को अपनी पंसद के शख़्स से विवाह का अधिकार दिया गया है। भारतीय संविधान केवल एक पुरुष और महिला के बीच ही विवाह की अनुमति देता है। भारत में विवाह को लेकर चार तरह के कानून हैं; हिंदू मैरिज एक्ट, ईसाई मैरिज एक्ट, मुस्लिम मैरिज एक्ट और स्पेशल मैरिज एक्ट।

बीजेपी के स्टार ...

टिकट नहीं मिलने पर भाजपा छोड़कर कांग्रेस का हाथ थामने वाले जगदीश शेट्टार ने भी हुबली-धारवाड़-मध्य विधानसभा क्षेत्र से नामांकन दाखिल किया। चुनाव में उनका मुकाबला भाजपा उम्मीदवार महेश तेंगिंकाई से होगा। शेट्टार को 2 दिन पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बेंगलुरु में पार्टी की सदस्यता दिलाई थी।कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया वरुणा विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं। नामांकन दाखिल करने से पहले सिद्धारमैया ने मैसूर के श्री चामुंडेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना की।

भारत के खिलाफ डब्ल्यूटीसी-फाइनल के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान

हैरिस और मिचेल मार्श की वापसी, इंग्लिस पहली बार टीम में, मर्फी को भी जगह

खेल डेस्क, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए ऑस्ट्रेलिया ने 17 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। फाइनल 7 से 11 जून के बीच इंग्लैंड के ओवल मैदान में खेला जाएगा। यह फाइनल मुकाबला इंडिया और ऑस्ट्रेलिया के बीच होना है। टीम इंडिया लगातार दूसरी बार फाइनल में पहुंची है। वहीं 2021 में खेले गए पहले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में भारत को न्यूजीलैंड से आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा था।

ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल और एशेज सीरीज के दो टेस्ट मैचों के लिए टीम की घोषणा कर दी है। फाइनल के लिए ऑलराउंडर मिचेल मार्श की चार साल बाद टेस्ट टीम में वापसी हुई है। 2 महीने पहले भारतीय दौरे पर नागपुर में टेस्ट डेब्यू करने वाले स्पिनर टॉड मर्फी को भी टीम में जगह दी गई है।

मार्श को भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन का इनाम

मिचेल मार्श को भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। वनडे सीरीज से पहले टेस्ट सीरीज में उन्हें टीम में जगह नहीं दी गई थी। मार्श की चार साल बाद टेस्ट टीम में वापसी हुई है। उन्होंने 2019 में अपना अखिरी टेस्ट खेला था। भारतीय दौरे पर वनडे सीरीज के दौरान मार्श ने 3 मैचों में 97 की औसत से 194 रन बनाए थे।

वहीं इंडिया दौरे पर टेस्ट टीम से बाहर रहे मार्कस हैरिस को भी फाइनल के लिए टीम में जगह दी गई है। हैरिस को ओपनर बैकअप के तौर पर चुना गया है। वहीं पहली बार जोश इंग्लिस को भी टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। वे ऑस्ट्रेलिया के लिए अब तक टेस्ट डेब्यू नहीं कर सके हैं।

भारतीय दौरे में खराब प्रदर्शन के बाद भी वार्नर पर भरोसा

डब्ल्यूटीसी फाइनल मे लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम मैनेजमेंट ने ओपनर डेविड वार्नर पर भरोसा जताया है। भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज में वार्नर का बल्ला नहीं चल पाया था। वह टीम को अच्छी शुरुआत नहीं दे पाए थे। वार्नर भारतीय गेंदबाजों खास तौर से स्पिनर के सामने जूझते नजर आ रहे थे। वह शुरुआती दो मैचों में 8.66 की औसत से सिर्फ 26 रन बनाए थे। उसके बाद भी उन पर टीम मैनेजमेंट ने भरोसा जताया है।

कप्तान पैट कमिंस के कंधों पर तेज गेंदबाजी की कमान

वहीं ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस के कंधों पर तेज गेंदबाजी की कमान होगी। उनके अलावा टीम में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क, जोस हेजलवुड और स्कॉट बोलैंड को टीम में शामिल किया गया है। वहीं तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के तौर पर कैमरून ग्रीन और मिचेल मार्श को मौका दिया गया है। कैमरून ग्रीन ने दो महीने पहले इंडिया के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में 67.50 की औसत से 135 रन भी बनाए थे। हालांकि विकेट लेने में वह सफल नहीं हो पाए।

टॉड मर्फी को भी टीम में जगह

17 सदस्यीय कंगारू टीम में बतौर स्पिनर नाथन लायन और टॉड मर्फी को जगह मिली है। मर्फी भारतीय दौरे पर नागपुर टेस्ट से ऑस्ट्रेलिया के लिए डेब्यू किया था। उन्होंने 4 मैचों में 2.56 की इकोनॉमी रेट से 14 विकेट लिए थे। वहीं लायन ने 2.59 की इकोनॉमी रेट से 22 विकेट लिए थे। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के बाद इंग्लैंड के खिलाफ पहला टेस्ट 16 जून से एजबेस्टन में जबकि दूसरा टेस्ट 28 जून से लॉर्ड्स में खेला जाना है

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिए कंगारू टीम

पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स केरी, कैमरून ग्रीन, मार्क हैरिस, जोस हेजलुवड, ट्रेविस हेड, जोस इंग्लिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लायन, मिचेल मार्श, टॉड मर्फी, मैथ्यू रेन शॉ, स्टीव स्मिथ (उप-कप्तान), मिचेल स्टार्क और डेविड वार्नर।

तीरंदाजी विश्वकप के क्वालिफाइंग में ज्योति ने किया कमाल

विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की

खेल डेस्क, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। दो साल पहले विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वालीं तेलंगाना की ज्योति ने 72 में से 66 बार सर्वश्रेष्ठ दस अंक पर निशाना साधा। इसके साथ ही उन्होंने सारा लोपेज के 2015 में कोलंबियाई राष्ट्रीय चयन स्पर्धा के दौरान बनाए गए विश्व रिकॉर्ड स्कोर की बराबरी की।

भारत की स्टार कंपाउंड तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेनम ने विश्वकप चरण 1 के क्वालिफाइंग दौर में रिकॉर्ड 713 अंक हासिल किए। ज्योति ने विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की है। भारत ने इसके साथ ही शीर्ष वरीयता भी हासिल की। भारत के साथ मेक्सिको को पहले दौर में बाई मिली है और वे अपना अभियान क्वार्टर फाइनल से शुरू करेंगे।

दो साल पहले विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वालीं तेलंगाना की ज्योति ने 72 में से 66 बार सर्वश्रेष्ठ दस अंक पर निशाना साधा। इसके साथ ही उन्होंने सारा लोपेज के 2015 में कोलंबियाई राष्ट्रीय चयन स्पर्धा के दौरान बनाए गए विश्व रिकॉर्ड स्कोर की बराबरी की।

पहले छह दौर में उनके 353 अंक थे। उसके बाद उन्होंने 360 में से 360 अंक हासिल कर छह साल पुराना एशियाई रिकॉर्ड तोड़ा। पिछला एशियाई रिकॉर्ड कोरिया की सो चेईवोन के नाम था।

श्रीलंका ने आयरलैंड को पारी और 280 रन से हराया

टीम की टेस्ट इतिहास की सबसे बड़ी जीत, मैच में लगे चार शतक

खेल डेस्क, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। श्रीलंका ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच में आयरलैंड को तीसरे दिन ही पारी और 280 रन से हरा दिया। यह टेस्ट क्रिकेट में श्रीलंका की पारी के लिहाज से सबसे बड़ी जीत है। श्रीलंका ने दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। दूसरा मैच 24 अप्रैल से खेला जाएगा। प्रभात जयसूर्या को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। जयसूर्या ने दोनों पारी में 108 रन देकर 10 विकेट झटके। करुणारत्ने और मेंडिस ने दूसरे विकेट के लिए रिकॉर्ड 281 रन की साझेदारी की। श्रीलंका ने पहली पारी छह विकेट पर 591 रन बनाकर घोषित की थी। जिसके जवाब में आयरलैंड को पहली पारी में 143 रन बनाने के बाद फॉलोआन के लिए मजबूर होना पड़ा। दूसरी पारी में भी आयरलैंड की टीम 168 रन ही बना सकी जिससे श्रीलंका ने अपने इतिहास की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। आयरलैंड ने तीसरे दिन के खेल के दौरान 13 विकेट गंवाए।

श्रीलंका की पारी

श्रीलंका के लिए पहली पारी में चार खिलाड़ियों ने शतक लगाया। श्रीलंका के लिए कप्तान दिमुथ करुणारत्ने ने सबसे ज्यादा 179 रन की पारी खेली। उसके अलावा कुसल मेंडिस 140, सदीरा समरविक्रमा नाबाद 104 और दिनेश चांदीमल 102 रन की पारी खेली। आयरलैंड के लिए कर्टिस कैम्फर ने दो विकेट लिए। इसके अलावा एंडी मैकब्राइन, जॉर्ज डॉकरेल, बेन व्हाइट और मार्क अडायर ने एक-एक विकेट झटके।

जयसूर्या के करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

जयसूर्या ने पहली पारी में करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 52 रन पर सात विकेट झटके। इसके बाद दूसरी पारी में 56 रन पर तीन विकेट हासिल किए। जयसूर्या के स्पिन जोड़ीदार रमेश मेंडिस ने दूसरी पारी में 76 रन देकर चार और मैच में पांच विकेट अपने नाम किए।

मेंडिस ने 11वें मैच में 50 टेस्ट विकेट के आंकड़े को छुआ और इस दौरान सबसे जल्दी 50 टेस्ट विकेट हासिल करने वाले श्रीलंकाई गेंदबाज बने।

विजडन टॉप-5 क्रिकेटर्स ऑफ द ईयर में हरमनप्रीत शामिल

पहली बार कोई भारतीय महिला चुनी गई, सूर्या साल के बेस्ट टी-20 क्रिकेटर

खेल डेस्क, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। विजडन क्रिकेटर्स अलमानेक ने साल के टॉप-5 क्रिकेटर्स की लिस्ट जारी कर दी है। इसमें भारत की महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर भी शामिल हैं। इस लिस्ट में कौर के अलावा, टॉम ब्लंडेल (न्यूजीलैंड), बेन फोक्स (इंग्लैंड), डेरिल मिचेल (न्यूजीलैंड) और मैथ्यू पॉट्स (इंग्लैंड) के नाम भी मौजूद हैं। सूर्यकुमार यादव को टी-20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया है।

हरमनप्रीत कौर इस सम्मानित लिस्ट में जगह बनाने वालीं भारत की पहली महिला क्रिकेटर बनी हैं। विजडन 1889 से हर साल यह लिस्ट जारी कर रहा है।

इसके अलावा इंग्लैंड के बेन स्टोक्स को पुरुष खिलाड़ियों में साल 2022-23 के लिए दुनिया का सबसे शानदार क्रिकेटर चुना गया है।

वहीं महिला क्रिकेटर्स में ये पुरस्कार बेथ मूनी को मिला है। सूर्यकुमार यादव को टी-20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया है।

साथ ही टीम इंडिया ने साल 1999 के बाद पहली बार इंग्लैंड में कोई वनडे सीरीज जीती थी। हरमनप्रीत की कप्तानी में टीम ने कॉमनवेल्थ गेम्स में सिल्वर मेडल भी अपने नाम किया था। वहीं टीम एशिया कप की भी विजेता बनी थी। पिछले साल हरमनप्रीत ने 17 वनडे मुकाबले खेले थे और 58.00 की औसत से 754 रन बनाने में कामयाब रही थीं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 142 रन नाबाद था।

साल 2022 में सूर्यकुमार यादव का प्रदर्शन

सूर्यकुमार यादव इस समय टी-20 क्रिकेट में दुनिया के नंबर-1 बल्लेबाज हैं। उन्होंने साल 2022 में 31 मैच खेले थे और 187.43 की शानदार स्ट्राइक रेट से 1,164 रन बनाए थे। जो एक कैलेंडर वर्ष में अब तक का दूसरा सर्वाधिक रन है। इस दौरान उन्होंने 2 शतक और 9 अर्धशतक लगाए थे। साल 2023 में भी सूर्यकुमार अपने बल्ले से कमाल कर रहे हैं। उन्होंने इस साल 6 मैच खेले हैं और 66.75 की औसत से 267 रन बनाए हैं। 2023 में अब तक उन्होंने 1 शतक और 1 अर्धशतक जमाया है।

प्रीमियर लीग : मोहम्मद सालाह के दो गोल ने लिवरपूल को पांच मैचों बाद दिलाई जीत

लीड्स को 6-1 से हराया

स्पोर्ट्स डेस्क,

जीत के बाद लिवरपूल के मैनेजर जुर्गेन क्लॉप ने इस मुकाबले को सत्र का अपना सर्वश्रेष्ठ मैच करार दिया। वहीं लीड्स की टीम इस सत्र में सर्वाधिक गोल खाने वाली टीम बन गई है। उसके खिलाफ अब तक 60 गोल हो चुके हैं।

लिवरपूल को इंग्लिश प्रीमियर लीग में पांच मैचों बाद जीत नसीब हुई। उसने लीड्स को 6-1 के बड़े अंतर से पराजित किया। लिवरपूल की जीत में मिस्र के स्टार स्ट्राइकर मोहम्मद सालाह ने दो गोल किए। डिओगो जोटा ने भी दो गोल किए। एक-एक गोल नीदरलैंड के कोडी गाक्पो और डार्विन नुनेज ने किया। छह सप्ताह पहले मैनचेस्टर यूनाइटेड को 7-0 से परास्त करने के बाद लिवरपूल की यह पहली जीत है। ईपीएल अंक तालिका में वह आठवें स्थान पर बनी हुई है।

लिवरपूल ने चार गोल मध्यांतर के बाद किए

पहले हाफ में विश्वकप में नीदरलैंड के लिए तीन गोल करने वाले कोडी गाक्पो ने लिवरपूल को शुरुआती बढ़त दिलाई। इसके बाद सालाह ने दूसरा गोल किया। पहले हाफ में लिवरपूल 2-0 की बढ़त पर था, लेकिन लीड्स को असली झटका दूसरे हाफ में लगा। हालांकि, मध्यांतर के दो मिनट बाद ही इब्राहिम कोनाटे ने लीड्स के लिए गोलकर स्कोर 1-2 कर दिया, लेकिन पांच मिनट बाद ही लिवरपूल ने जोटा के गोल की बदौलत बढ़त फिर दो गोल की कर ली। इसके बाद सालाह ने लीग का अपना 15वां गोल किया। इसके बाद जोटा और नुनेज ने लिवरपूल के लिए गोल किए।

क्लॉप ने बताया अपना सर्वश्रेष्ठ मैच

जीत के बाद लिवरपूल के मैनेजर जुर्गेन क्लॉप ने इस मुकाबले को सत्र का अपना सर्वश्रेष्ठ मैच करार दिया। वहीं लीड्स की टीम इस सत्र में सर्वाधिक गोल खाने वाली टीम बन गई है।

उसके खिलाफ अब तक 60 गोल हो चुके हैं। आठ दिन पहले ही उसे क्रिस्टल पैलेस ने 5-1 से हराया था।

पूर्व रणजी खिलाड़ी प्रवीण हिंगणीकर की कार का एक्सीडेंट

हिंगणीकर गंभीर रूप से घायल, पत्नी की मौके पर ही मौत

बुलढाणा, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व रणजी खिलाड़ी प्रवीण हिंगणीकर की कार का मंगलवार को बड़ा एक्सीडेंट हो गया। बता दें कार हादसे में प्रवीण हिंगणीकर गंभीर रुप से घायल हो गए हैं, वहीं उनके पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा मंगलवार को महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में समृद्धि एक्सप्रेसवे पर हुआ। प्रवीण हिंगणीकर की कार एक ट्रक से जा टकराई। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि ट्रक गांव के पास हाईवे के किनारे खड़ा था, तभी कार ने उसे पीछे से टक्कर मार दी।

यह दुर्घटना मेहकर परिसर के कल्याणा गांव में हुई। पूर्व रणजी खिलाड़ी और पूर्व विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन के पिच क्यूरेटर प्रवीण (65) और उनकी पत्नी पुणे से नागपुर लौट रहे थे। यह टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। वह बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड में क्यूरेटर के रूप में काम कर रहें हैं। घायल हिंगणीकर को इलाज के लिए मेहकर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हिंगणीकर ने 52 फर्स्ट क्लास मैचों में 2805 रन बनाए हैं। इस दौरान 47 विकेट भी लिए। वहीं 17 लिस्ट ए मैचों में 390 रन बनाए और सात विकेट झटके हैं।

जकार्ता एशियाई खेलों में खेलने गई कशिश पर दो साल का प्रतिबंध

डोप में फंसी ताईक्वांडो खिलाड़ी

खेल डेस्क, 19 अप्रैल (एजेंसियां)। विराट कोहली फाउंडेशन से समर्थित कशिश देश की सबसे उभरती हुई ताईक्वांडो खिलाड़ी रही हैं। उन्होंने 2019 के नेपाल में हुए दक्षिण एशियाई खेलों में भी स्वर्ण जीता, लेकिन उनका 2018 के जकार्ता एशियाई खेलों का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा।

जकार्ता एशियाई खेलों में देश के लिए ताईक्वांडो में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पांचवें स्थान पर रहने वाली दिल्ली की कशिश मलिक दो साल के लिए प्रतिबंधित कर दी गई हैं। कशिश पर यह प्रतिबंध नाडा ने लगाया है। वह मास्किंग एजेंट डाइयूरेटिक्स फ्यूरोसेमाइड के लिए डोप में फंसी हैं।

दक्षिण एशियाई खेलों की रही हैं विजेता

विराट कोहली फाउंडेशन से समर्थित कशिश देश की सबसे उभरती हुई ताईक्वांडो खिलाड़ी रही हैं। उन्होंने 2019 के नेपाल में हुए दक्षिण एशियाई खेलों में भी स्वर्ण जीता, लेकिन उनका 2018 के जकार्ता एशियाई खेलों का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा। वह वहां पदक से चूक गईं। वह एशियाई खेलों की तैयारियों के लिए लखनऊ में लगाए गए राष्ट्रीय शिविर में शामिल की गई थीं, जहां उनका नाडा ने सैंपल लिया। इस सैंपल में फ्यूरासेमाइड पाया गया है।

कशिश के तर्क को माना गया लापरवाही

नाडा सुनवाई पैनल के समक्ष कशिश की ओर से तर्क दिया गया है कि उन्होंने यह दवाई चिकित्सक के परामर्थ पर ली थी, लेकिन उन्होंने इसके लिए थेराप्यूटिक यूज एक्जंप्शन (टीयूई, इलाज केलिए प्रतिबंधित दवा के सेवन से मिलने वाली छूट) नहीं लिया था। पैनल ने वाडा नियमों का हवाला देकर उनकी यह लापरवाही मानीं और दो साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया। उन पर यह प्रतिबंध इसी माह से लगाया गया है।

प्रदेश की जनता को बेहतर सेवाएं दे पुलिस विभाग : महमूद अली

गृह मंत्री व डीजीपी ने चेवेल्ला में आधुनिक पुलिस भवन का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य के गृह मंत्री महमूद अली ने कहा कि पुलिस लोगों के लिए है और कानून व्यवस्था बनाए रखने में तेलंगाना पुलिस देश में सबसे आगे है। गृह मंत्री महमूद अली, डीजीपी अंजनी कुमार, चेवेल्ला सांसद डॉ. रंजीत रेड्डी, चेवेल्ला विधायक काले यादैय्या, एमएलसी पी. महेंद्र रेड्डी, एमएलसी सुरभि वनीदेवी ने रंगारेड्डी जिले के चेवेल्ला निर्वाचन क्षेत्र के तहत चेवेल्ला शहर में नवनिर्मित अत्याधुनिक पुलिस स्टेशन भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर रंगारेड्डी जिला जिला परिषद अध्यक्ष टी. अनीता हरिनाथ रेड्डी, तेलंगाना राज्य आवास निगम के अध्यक्ष कोलेटी दामोदर सहित अन्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर तेलंगाना राज्य के डीजीपी अंजनी कुमार ने कहा कि तेलंगाना राज्य बनने के बाद मुख्यमंत्री केसीआर ने कानून व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। इसका प्रमाण यह है कि पुलिस विभाग को सबसे अधिक धनराशि आवंटित की गई है। उन्होंने कहा कि जहां कानून व्यवस्था अच्छी होगी, वहां अधिक निवेश होगा और इस प्रकार रोजगार सृजन होगा। तेलंगाना की पुलिस प्रणाली देश के लिए एक रोल मॉडल है। इस मौके पर गृह मंत्री महमूद अली ने कहा कि दोस्ताना पुलिस व्यवस्था और शांति व सुरक्षा तेलंगाना पुलिस का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि पुलिस राज्य भर में हर जिले में लोगों के लिए उपलब्ध होनी चाहिए और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री केसीआर के प्रयासों से पुलिस विभाग ने राज्य में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए अपनी कमर कस ली है। उन्होंने कहा कि राज्य में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए कई क्रांतिकारी कदम उठाए गए हैं। बाद में चेवेल्ला के सांसद रंजीत रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना पुलिस सीसी कैमरे लगाने में अपराध को नियंत्रित करने में पूरी तरह से सफल रही है. यह गर्व की बात है कि जो सुरक्षा देश में कहीं नहीं मिलती, वह सिर्फ हमारे तेलंगाना राज्य में ही चलती है और सात लाख सीसीटीवी की निगरानी एक हैदराबाद में जारी है। इसी क्रम में नंदीगामा नए थाने का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर साइबराबाद कमिश्नर स्टीफन रवींद्र, ज्वाइंट सीपी अविनाश महंती, शमशाबाद डीसीपी नारायण रेड्डी, शादनगर एसीपी कुशालकर, नंदीगामा पुलिस स्टेशन इंस्पेक्टर रमैया और अन्य ने भाग लिया।

मूवी मेकर्स, डायरेक्टर सुकुमार के ऑफिस पर आईटी का छापा

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। ब्लॉकबस्टर फिल्म 'पुष्पा' बनाने वाली प्रोडक्शन कंपनी मैत्री मूवी मेकर्स के कार्यालयों पर कथित तौर पर आईटी अधिकारियों द्वारा छापा मारा जा रहा है। पता चला है कि आईटी अधिकारी निदेशक सुकुमार के कार्यालयों में भी तलाशी ले रहे हैं। यह 'वीरसिम्हा रेड्डी' और 'वॉल्टेयर वीरय्या' की रिलीज से पहले कंपनी की इसी तरह की खोज के बाद है। मैत्री मूवी मेकर तेलुगू फिल्म उद्योग में एक प्रमुख खिलाड़ी है। यह ए-लिस्ट सितारों के साथ बड़े बजट की फिल्मों का निर्माण करती है और एक वितरण कंपनी भी चलाती है। सुकुमार एक निर्माता भी हैं और वे वर्तमान में 'पुष्पा 2' और 'उस्ताद भगत सिंह' का निर्देशन कर रहे हैं। चल रही खोजों की पूरी सीमा और विवरण का खुलासा होना बाकी है।

एमएमटीएस सर्विसेज अब लगभग 90 किमी क्षेत्र में दे रही है सेवा

जुड़वां शहर क्षेत्र में 106 एमएमटीएस का हो रहा है संचालन

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद-सिकंदराबाद के जुड़वां शहर क्षेत्र में लोकप्रिय उपनगरीय रेल सेवा अब लगभग 90 आरकेएम रेल नेटवर्क पर उपलब्ध है। एमएमटीएस द्वारा सेवा प्रदान किए जा रहे नए क्षेत्रों में सिकंदराबाद-मेडचल और उम्दानगर-फलकनुमा शामिल हैं। परिणामस्वरूप, एमएमटीएस सेवाएं जो 48 मार्ग किलोमीटर में परिचालित की जा रही थीं, अब लगभग 90 मार्ग किलोमीटर तक बढ़ा दी गई हैं। नए वर्गों के यात्रियों को पूरा करने के लिए, सेवाओं की संख्या में भी वृद्धि की गई है और अब यह 106 एमएमटीएस ट्रेन सेवाओं पर है। जुड़वां शहर क्षेत्र में उपनगरीय रेल यात्रियों के लाभ के लिए, भारतीय रेलवे ने सिकंदराबाद-मेडचल के बीच 20 एमएमटीएस सेवाएं शुरू की हैं। परिणामस्वरूप मलकाजगिरी, दयानंद नगर, सफिलगुडा, रामकृष्णपुरम, अम्मुगुडा, कैवलरी बैरक, अलवाल बोलारम, गुंदलापोचमपल्ली, गौडावल्ली आदि स्टेशनों के पास यात्री एमएमटीएस सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। इसके अलावा, 20 एमएमटीएस ट्रेन सेवाएं जो फलकनुमा तक संचालित की जा रही थीं, उन्हें उम्दानगर तक भी बढ़ाया गया है, यानी राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के निकटतम रेलवे स्टेशन।

इसके परिणामस्वरूप, उपनगरीय यात्री जो हवाई अड्डे की यात्रा करना चाहते हैं, वे भी एमएमटीएस द्वारा निकटतम रेल हेड तक यात्रा करने में सक्षम होंगे। एमएमटीएस सेवाओं का विस्तार जुड़वा शहरों के विभिन्न हिस्सों, विशेषकर अब शहर के पूर्वी हिस्सों के बीच रेल संपर्क को मजबूत करता है। एमएमटीएस जुड़वां शहर क्षेत्र के यात्रियों के लिए परिवहन का सबसे किफायती साधन है, जहां न्यूनतम किराया पांच रुपया और अधिकतम किराया 15 रुपया केवल है। नतीजतन, मेडचल, बोलारम, मलकाजगिरी, उम्दानगर आदि जैसे नए खंडों के यात्री भी शहर की सीमा के भीतर सुरक्षित, सुरक्षित, तेज और किफायती परिवहन के माध्यम से यात्रा करने में सक्षम होंगे। यह छात्रों, यात्रियों, छोटे व्यवसायियों, महिलाओं, कर्मचारियों आदि के लिए विशेष रूप से फायदेमंद होगा। दक्षिण मध्य रेलवे अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने ट्विन सिटी क्षेत्र में उपनगरीय रेल यात्रियों से एमएमटीएस सेवाओं का लाभ उठाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जुड़वां शहर क्षेत्र में अधिक संख्या में रेल यात्री अब सबसे किफायती और सुरक्षित, तेज यात्रा विकल्प का लाभ उठा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि रेलवे शहर के सभी हिस्सों में एमएमटीएस सेवाएं प्रदान करने के लिए सभी उपाय कर रहा है। उन्होंने कहा कि एमएमटीएस फेज-2 एक्सटेंशन के शेष हिस्सों पर भी काम तेजी से चल रहा है।

हैदराबाद में कुली बना जिंदगी से नाखुश युवा असिस्टेंट प्रोफेसर

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अपने निजी जीवन से नाखुश इंजीनियरिंग कॉलेज में एक सहायक प्रोफेसर कुली बन गया। हैदराबाद के बाहरी इलाके अब्दुल्लापुरमेट में विचित्र घटना हुई। एक निजी कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत युवक 7 अप्रैल को कॉलेज के छात्रावास से लापता हो गया था, जहां वह रह रहा था। कॉलेज के अधिकारियों ने सोचा कि हो सकता है कि वह तेलंगाना के खम्मम जिले में अपने पैतृक स्थान गया हो और उसने अपने परिवार से संपर्क किया हो। हालांकि, परिजनों ने उन्हें बताया कि वह वहां नहीं आया है।

कुछ दिनों के इंतजार के बाद परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसने जांच शुरू की। परिजनों ने पुलिस को बताया कि पूर्व में वह बिना बताए घर से चला गया था और बाद में एक बाजार में कुली का काम करता पाया गया। अब्दुल्लापुरमेट इंस्पेक्टर सुनील कुमार और उनकी टीम ने अब्दुल्लापुरमेट के एक स्थानीय फल बाजार पर नजर रखी। मंगलवार की सुबह कुली का काम करने पहुंचे युवकों को पुलिस ने देखा। उन्होंने उसे हिरासत में ले लिया और उसके परिवार को सौंप दिया। पुलिस ने परिजनों को काउंसिलिंग कराने की सलाह दी।

केटीआर ने अमेरिका से शव वापस लाने में मदद का आश्वासन दिया

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद की एक छात्रा साई तेजस्वी कामारेड्डी का हाल ही में ब्रिटेन में निधन हो गया। आईटी मंत्री के टी रामाराव से उनके परिवार ने पार्थिव शरीर को हैदराबाद वापस लाने में परिवार की सहायता करने के लिए एक भावनात्मक अनुरोध किया है। साईं की बहन प्रिया रेड्डी ने मंत्री की मदद लेने के लिए ट्विटर का सहारा लिया, जिसमें कहा गया कि परिवार को अपनी बहन के अवशेषों को घर लाने में कई नौकरशाही बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने ट्वीट किया, "कृपया मेरी बहन का अंतिम संस्कार करने में हमारी मदद करें।" याचिका का जवाब देते हुए, मंत्री ने अपनी संवेदना व्यक्त की और आवश्यक समर्थन का वचन दिया। "आपके नुकसान के लिए बहुत खेद है। मेरी टीम स्थानीय ब्रिटिश उप उच्चायुक्त की टीम के साथ जल्द से जल्द सहायता करने के लिए काम करेगी, उन्होंने ट्वीट किया। एरोनॉटिक्स एंड स्पेस इंजीनियरिंग में क्रैनफील्ड यूनिवर्सिटी मास्टर की छात्रा साई तेजस्वी का कुछ दिन पहले निधन हो गया। उसके परिवार के अनुसार, वह 11 अप्रैल को ब्राइटन बीच के पानी में डूब गई थी। तब से, उसके शरीर को ब्रिटेन के एक अस्पताल में रखा गया है। यूके से भारत में साईं के अवशेष के हस्तांतरण के लिए, उसके परिवार ने एक क्राउडफंडिंग पेज की स्थापना की। उन्होंने 20,000 पाउंड का लक्ष्य रखा और शाम तक 19,000 पाउंड जुटा लिए थे। परिवार ने कहा, "आपका दान यह सुनिश्चित करेगा कि साईं अपने देश लौटने में सक्षम हो और वह उस सम्मान और सम्मान के साथ आराम कर सके, जिसकी वह हकदार है।"

हैदराबाद में भीषण गर्मी का कहर जारी

दोपहर में लोगों का घर से निकलना हुआ मुश्किल

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में भीषण गर्मी पड़ रही है। शहर और पूरा तेलंगाना राज्य गर्मी को मात देने के लिए संघर्ष कर रहा है। दोपहर में लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। तेलंगाना स्टेट डेवलपमेंट प्लानिंग सोसाइटी के अनुसार, बुधवार सुबह 8.30 बजे तक पिछले 24 घंटों में शहर में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 41.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस बीच, राज्य में जगतियाल जिले के मल्लापुर में अधिकतम तापमान 44.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तीव्र गर्मी की लहर शुक्रवार तक बनी रहने की उम्मीद है, निवासियों को गर्मी की थकावट और गर्मी से संबंधित अन्य बीमारियों से बचने के लिए आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। हालांकि, शनिवार को राहत मिलने की उम्मीद है क्योंकि हैदराबाद सहित पूरे राज्य में बारिश होने की उम्मीद है, जो बढ़ते तापमान को कम करने में मदद कर सकती है।

इस बीच, अधिकारियों ने लोगों से दिन के सबसे गर्म हिस्से में घर के अंदर रहने, खूब पानी पीने और हल्के रंग के और ढीले-ढाले कपड़े पहनने का आग्रह किया है।

ब्यूटी पार्लर में महिला की मौत, युवक घायल

चित्तूर, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। चित्तूर-वेल्लोर राजमार्ग पर कोंडामिट्टा इलाके में एक दर्दनाक घटना में एक महिला अपने ब्यूटी पार्लर के अंदर मृत पाई गई। घटनास्थल पर एक व्यक्ति खून से लथपथ होकर अपने जीवन के लिए जूझ रहा था। उसका गले पर धारदार हथियार से कटने के निशाने थे। सूत्रों के मुताबिक, मृतक महिला की पहचान दुर्गा के रूप में हुई है, जिसने हाल ही में हैदराबाद में ब्यूटीशियन का कोर्स पूरा करने के बाद कारोबार शुरू किया था। चक्रवर्ती नाम के शख्स को इलाज के लिए सरकारी अस्पताल ले जाया गया। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या यह घटना दोनों के बीच एक आत्मघाती संधि थी या यदि चक्रवर्ती ने अपनी जान लेने की कोशिश करने से पहले दुर्गा की हत्या कर दी थी।

तेलंगाना सीईटी के लिए पुख्ता इंतजाम करें : सबिता

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शिक्षा मंत्री पी. सबिता इंद्रा रेड्डी ने मंगलवार को अधिकारियों को मई में तेलंगाना स्टेट कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीएस सीईटी) आयोजित करने के लिए फुलप्रूफ व्यवस्था करने का निर्देश दिया। यहां आयोजित सीईटी पर एक समीक्षा बैठक के दौरान, मंत्री ने अधिकारियों को पासवर्ड के साथ बेहद सतर्क रहने का निर्देश दिया क्योंकि परीक्षण कंप्यूटर आधारित मोड में आयोजित किए जा रहे थे।

मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित करने के लिए विश्वविद्यालयों द्वारा आवश्यक किसी भी प्रकार का समर्थन करेगी। मंत्री ने कहा और अधिकारियों से पुलिस विभाग में आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था करने के लिए कहा।

उन्होंने अधिकारियों को छात्रों और अभिभावकों को समय से केंद्रों पर पहुंचने की आवश्यकता के बारे में जानकारी देने की सलाह दी और साथ ही उन्हें जारी किए गए हॉल टिकटों पर दिए गए निर्देशों का पालन करने की सलाह दी।

शिक्षा विभाग के सचिव वी करुणा, तकनीकी और कॉलेजिएट शिक्षा आयुक्त नवीन मित्तल, तेलंगाना स्टेट काउंसिल ऑफ हायर एजुकेशन (टीएससीएचई) के अध्यक्ष प्रोफेसर आर लिंबादरी, टीएससीएचई के वाइस चेयरमैन प्रोफेसर वी वेंकट रमना, विश्वविद्यालयों के वाइस चांसलर और सीईटी के संयोजकों ने बैठक में हिस्सा लिया।

चार्जिंग के दौरान 90 इलेक्ट्रिक वाहन जलकर खाक

श्रीकाकुलम, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले में एक शोरूम के अंदर लगभग 90 इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग के दौरान लगी आग में जलकर खाक हो गए। अधिकारियों ने कहा कि आग तेजी से बगल के हार्डवेयर स्टोर में फैल गई। हालांकि, अभी तक इस घटना में किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर आग बुझाने के लिए दमकल की गाड़ियों को लगाया गया।

ईपीटीआरई दो दिवसीय आवासीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित करेगा

हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यावरण संरक्षण प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (ईपीटीआरआई) 'जैव विविधता अधिनियम 2002 के कार्यान्वयन' पर जैव विविधता प्रबंधन समितियों (बीएमसी) के प्रतिनिधियों के लिए दो दिवसीय आवासीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। तेलंगाना राज्य जैव विविधता बोर्ड (टीएसबीडीबी) के सहयोग से आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम को राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (एनबीए), भारत सरकार (जीओआई) द्वारा वित्त पोषित किया जाता है। बीएमसी का प्राथमिक जनादेश स्थानीय लोगों के परामर्श से किसी विशेष क्षेत्र के लोगों के जैव विविधता रजिस्टर (पीबीआर) की तैयारी है। बीएमसी की भूमिका इस रजिस्टर को बनाए रखने की है, जिसमें जैविक संसाधनों तक पहुंच और प्रदान किए गए पारंपरिक ज्ञान, लगाए गए संग्रह शुल्क और प्राप्त लाभ और उनके साझा करने के तरीके के बारे में जानकारी दी गई है। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि बीएमसी जैव विविधता के संरक्षण, स्थायी उपयोग और प्रलेखन को बढ़ावा देने के लिए जिम्मेदार हैं, जिसमें आवासों का संरक्षण, भूमि की प्रजातियों का संरक्षण, लोक किस्मों और खेती करने वालों, पालतू जानवरों और सूक्ष्मजीवों की नस्लों का संरक्षण शामिल है। एनबीए सचिव, डॉ. बी. बालाजी, उद्घाटन में शामिल हुए और जैव विविधता के महत्व पर जोर देते हुए, प्राकृतिक संसाधनों को स्थायी रूप से संरक्षित करने के लिए प्रेरित किया।

सितंबर में वैजाग में स्थानांतरित होगा आंध्र प्रदेश प्रशासन : जगन

विशाखापत्तनम, हैदराबाद, 19 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी ने बुधवार को घोषणा की कि राज्य सरकार इस साल सितंबर से विशाखापत्तनम से काम करना शुरू कर देगी। उन्होंने कहा कि वह विशाखापत्तनम में शिफ्ट होंगे और वहीं रहेंगे। उन्होंने श्रीकाकुलम जिले के नौपाड़ा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए यह घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह सत्ता के विकेंद्रीकरण के तहत अमरावती से विशाखापत्तनम जा रहे हैं। यह पहली बार है कि जगन मोहन रेड्डी ने प्रशासनिक राजधानी को बंदरगाह शहर में स्थानांतरित करने के लिए एक समय अवधि निर्दिष्ट की है। पिछले महीने, विशाखापत्तनम में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के दौरान, उन्होंने घोषणा की थी कि वह जल्द ही शहर का रुख करेंगे। 31 जनवरी को दिल्ली में कर्टन रेज़र कार्यक्रम में, मुख्यमंत्री ने घोषणा की थी कि विशाखापत्तनम जल्द ही राज्य की राजधानी होगी। इसके बाद, वित्त मंत्री बी. राजेंद्रनाथ रेड्डी ने बेंगलुरु में एक और कर्टन रेज़र में कहा था कि वाईएसआरसीपी सरकार ने विशाखापत्तनम को आंध्र प्रदेश की अगली राजधानी के रूप में तय किया है। उन्होंने कथित तौर पर टिप्पणी की थी कि राज्य में तीन राजधानियां नहीं होंगी। इसने राजनीतिक हलकों में अटकलें लगाईं कि जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार ने तीन राज्यों की राजधानियों की योजना को छोड़ दिया है। 17 दिसंबर, 2019 को जगन मोहन रेड्डी ने राज्य विधानसभा में घोषणा की थी कि अमरावती को राज्य की राजधानी के रूप में विकसित करने के पिछली टीडीपी सरकार के फैसले को पलटते हुए तीन राज्यों की राजधानियों को विकसित किया जाएगा। वाईएसआरसीपी सरकार ने विशाखापत्तनम को प्रशासनिक राजधानी, कुरनूल को न्यायिक राजधानी और अमरावती को विधायी राजधानी के रूप में रखा। हालांकि, अमरावती के किसानों द्वारा राजधानी को स्थानांतरित करने और उच्च न्यायालय के आदेश पर सरकार को अमरावती को राज्य की राजधानी के रूप में विकसित करने का निर्देश देने के विरोध ने प्रक्रिया में देरी की थी। 3 मार्च, 2022 को आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को छह महीने में अमरावती को राज्य की राजधानी के रूप में विकसित करने का निर्देश दिया था। अमरावती के किसानों और अन्य द्वारा तीन राजधानियों पर सरकार के कदम को चुनौती देने वाली 75 याचिकाओं पर तीन न्यायाधीशों की पीठ ने फैसला सुनाया था। हालांकि, राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की। पिछले साल नवंबर में सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के आदेश पर यह कहते हुए रोक लगा दी कि कोर्ट टाउन प्लानर या इंजीनियर की तरह काम नहीं कर सकता।

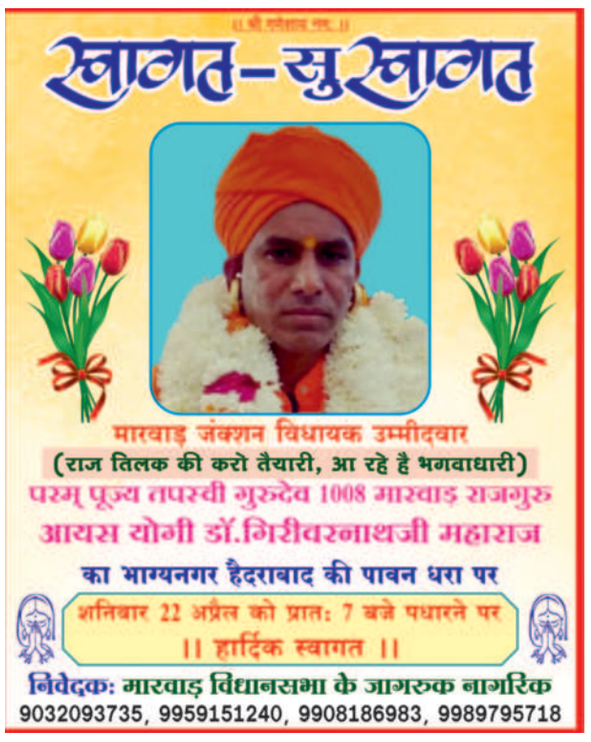

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.